खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-110

पत्नी ने कथित तौर पर कबूला गुनाह
बेटी से भी पूछताछ @नम्मा बेंगलूरु

राहुल गाँधी ने फिर विदेश जाकर किया देश को बदनाम

चुनाव प्रणाली से लेकर चुनाव आयोग पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कॉन्ग्रेस नेता राहुल गाँधी ने चुनाव आयोग को लेकर अमेरिका में विवादित बयान दिया है। राहुल गाँधी ने दावा किया है कि चुनाव आयोग समझौता कर चुका है। उन्होंने इस बयान में महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। राहुल गाँधी 2 दिन के लिए अमेरिका गए हुए हैं।

उन्होंने विदेशी धरती पर भारत का यह आंतरिक मुद्दा ब्राउन यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान उठाया। उन्होंने दावा किया कि देश की चुनावी प्रणाली में 'बड़ी समस्या' है। राहुल गाँधी ने कहा, सरल शब्दों में कहूँ तो महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में जितने लोगों ने वोट डाले, उतने वयस्क (बालिग) लोग महाराष्ट्र में है ही नहीं और यह एक तथ्य के आधार पर कह रहा हूँ।

राहुल गाँधी ने दावा किया, शाम 5:30 बजे तक के मतदान आँकड़े उपलब्ध थे, लेकिन 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच जब मतदान समाप्त हो जाना चाहिए था, लेकिन इसके बाद भी 65 लाख अलग से वोट डाले गए थे।

राहुल गाँधी ने इसे भौतिक रूप से असंभव बताया और कहा, एक व्यक्ति को वोट डालने में लगभग 3 मिनट लगते हैं, तो यदि हम हिसाब लगाए तो इसका मतलब है कि लोग आधी रात 2 बजे तक वोट डालने के लिए लाइन में खड़े थे और मतदान पूरी रात चलता रहा, जो कि सच नहीं है।

राहुल गाँधी ने चुनाव में मत प्रतिशत बढ़ने का यह मुद्दा चुनाव आयोग द्वारा स्पष्टीकरण दिए जाने के बाद भी उठा रहे हैं। महाराष्ट्र चुनाव के बाद दिसम्बर, 2024 में भी राहुल गाँधी ने यही बातें कहीं थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने बताया था कि मतदान के अंतिम आँकड़े में वोटिंग के दिन आए आँकड़ों से बदलाव संभव है।

राहुल गाँधी के इस बयान को लेकर भाजपा अब हमलावर हो गई है। उनके भारत विरोधी बयान पर निशाना साधते हुए भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, जो राहुल गाँधी अपने ही देश में मतदाताओं का विश्वास नहीं जीत सकते, वे विदेश जाकर भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे है।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी को 'लोकतंत्र विर-ोधी' और 'भारत विरोधी' बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गाँधी जॉर्ज सोरोस के एक एजेंट है, जो हमेशा विदेशी धरती पर देश को बदनाम करते हैं, आग उगलते हैं।

यह कोई पहला मौक़ा नहीं है जब राहुल गाँधी ने विदेश में भारत और उसकी एजेंसियों को लेकर विवादित बातें की हो। इससे पहले वह सितम्बर, 2024 में अमेरिका दौरे के दौरान भी भारतीय लोकतंत्र को लेकर कई ऐसी ही बातें कह चुके हैं। उन्होंने इस दौरान भारत की तुलना सीरिया और ईराक से कर दी थी।

प्रशासनिक सेवाओं में सुधार जरूरी, अधिकारियों के काम पर है, सबकी निगाह : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रशासनिक सेवाओं में सुधार की जरूरत पर बल देते हुए सोमवार को कहा कि देश की बढ़ती आकांक्षाओं और ऊंचे लक्ष्यों को पूरा करने में प्रशासनिक अधिकारियों की बड़ी भूमिका और बहुत बड़ा दायित्व है तथा हर किसी की निगाह अधिकारियों पर है।

श्री मोदी यहां सत्रहवें लोक सेवा दिवस पर देश भर से एकत्रित प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा, ऊर्जा की सुनिश्चित से जुड़े लक्ष्य, स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े लक्ष्य, खेल-कूद के मैदान से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र-... हर सेक्टर में देश का परचम और नई ऊंचाइयों पर लहराना है। ... जब मैं बात करता हूं तब और देश जब सोचता है तब, हर किसी की नजर आप पर है, भरोसा आप सभी पर है, बहुत बड़ा दायित्व आप सब मेरे साथियों पर है।

श्री मोदी ने कहा, आपको जल्द से जल्द भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी भी बनाना है। इस काम में विलंब न हो, ये आप सभी को सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा, यह वक्त, लोक सेवकों के सुधार को नए तरीके से अभिकल्पित करने करने का है। हमें सुधारों की गति और पैमाना दोनों बढ़ाना है।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सहयोगी डॉ जितेंद्र सिंह, प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधान सचिव शक्तिकांत दास, कैबिनेट सचिव डॉ टीवी स्वामिनाथन और केंद्र सरकार के कुछ अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री ने कहा, इंफ्रास्ट्रक्चर हो, रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य हों, इंटरनल सेक्योरिटी हो, करप्शन ख़त्म करने का हमारा लक्ष्य हो, सामाजिक कल्याण की योजनाएं हों, ओलंपिक से जुड़े, खेल-कूद से जुड़े लक्ष्य हों, हर सेक्टर में हमें नए सुधार करने हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अपने काम करते हुए हमें सदैव यह याद रखना चाहिए, कि दुनिया में तकनीक का बोलबाला कितना भी हो जाए, मानवीय निर्णयों का महत्व कम नहीं होगा।

उन्होंने कहा, संवेदनशील रहिए, गरीब की आवाज सुनिए, गरीब की तकलीफ समझिए, उनका समाधान करना अपनी प्राथमिकता बनाइए, जैसे अतिथि देवो भव: होता है, वैसे ही नागरिक देवो भव: इस मंत्र को लेकर के हमें चलना है।

उन्होंने कहा, आपको सिर्फ भारत के प्रशासनिक अधिकारी के रूप में ही नहीं, विकसित भारत के शिल्पकार के रूप में अपने आपको दायित्व के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा, अब वक्त बदल चुका है, साथियों, मैं जिस रूप में आने वाले भारत को देख रहा हूं, जिन सपनों को मैं हिन्दुस्तान के 140 करोड़ देशवासियों की आंखों में देख रहा हूं और इसलिए मैं अब कह रहा हूं कि आप सिर्फ सिविल सर्वेंट (प्रशासनिक अधिकारी) नहीं हैं, आप नए भारत के शिल्पकार हैं। शिल्पकार का उस दायित्व निभाने के लिए हम स्वयं को सक्षम बनाएं, हम समय को लक्ष्य के लिए समर्पित करें, हर सामान्य व्यक्ति के सपने को खुद के सपने बनाकर के जिएं, आप देखिए विकसित भारत आपकी आंखों के सामने आप देख पाएंगे। उन्होंने, मैं आज जब मैं यह भाषण कर रहा हूं, तब मेरी नजर एक छोटी सी गुड़िया पर गई, वहां बैठी है, हो सकता है, वह 2047 में शायद यहां कहीं बैठी होगी।

▶10पर

राहुल गांधी भारत के नागरिक हैं या नहीं?

हाईकोर्ट ने मांगा जवाब, 10 दिन का समय

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सोमवार को राहुल गांधी की नागरिकता से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पूछा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारतीय नागरिक हैं या नहीं। उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को 10 दिन के भीतर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

उच्च न्यायालय में केंद्र सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा कि हम केवल यह जानना चाहते हैं कि राहुल गांधी भारत के नागरिक हैं या नहीं? बता दें कि खंडपीठ में यह सुनवाई एक जनहित याचिका पर हो रही है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि राहुल गांधी की नागरिकता पर सवाल उठने से उनकी संसद सदस्यता प्रभावित हो सकती है।

▶10पर

राहुल ने लोकतंत्र का अपमान, देशद्रोह किया : भाजपा

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अमेरिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भारतीय चुनाव आयोग को कॉम्प्रोमाइज्ड बताये जाने को भारत के लोकतंत्र का अपमान और देशद्रोह करार दिया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ संबित पात्रा ने सोमवार को पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने अमेरिका में भारतीय चुनाव आयोग को कॉम्प्रोमाइज्ड बताने के लिए राहुल गांधी की जमकर आलोचना की। डॉ. पात्रा ने कहा कि अमेरिका में राहुल गांधी ने देश के चुनाव आयोग को कॉम्प्रोमाइज्ड बता कर भारत के महान लोकतंत्र का अपमान किया हैं। राहुल गांधी देशद्रोही हैं, केवल इसलिए नहीं कि वह विदेशों में जाकर देश की संवैधानिक संस्थानों का अपमान करते हैं, बल्कि नेशनल हेराल्ड के माध्यम से उन्होंने देश की करोड़ों रुपए की संपत्ति का गबन किया है। श्री गांधी बताएं कि क्या झारखंड विधानसभा चुनाव, प्रियंका गांधी के उपचुनाव और अयोध्या की सीट पर कांग्रेस ने चुनाव आयोग को कॉम्प्रोमाइज किया था?

डॉ. पात्रा ने कहा कि आज सुबह से मुख्य रूप से दो खबरें सुर्खियों में हैं। पहली खबर यह है कि श्री गांधी एक बार फिर विदेशी धरती पर वही कर रहे हैं जो वह वर्षों से करते आ रहे हैं, भारत की छवि को नुकसान पहुँचाना और देश का अपमान करना। इस बार उन्होंने अमेरिका में भारत को बदनाम किया है। यह कोई नई बात नहीं है, न ही पहली बार है। दूसरी बड़ी खबर यह है कि कांग्रेस पार्टी के कई बड़े नेता आज से देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस करने जा रहे हैं,

▶10पर

पोप के निधन पर मोदी ने शोक जताया

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईसाई समुदाय के सर्वोच्च धर्मगुरू पोप फ्रांसिस के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है और गरीबों एवं वंचितों की उनकी सेवा को अनुकरणीय बताते हुए उनकी आत्मा की शांति की कामना की।

श्री मोदी ने एक्स पर अपने संदेश में कहा, परमपावन पोप फ्रांसिस के निधन से गहरा दुख हुआ। दुःख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएँ। पोप फ्रांसिस को दुनिया भर के लाखों लोगों द्वारा हमेशा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद किया जाएगा। छोटी उम्र से ही उन्होंने खुद को प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने लगन से गरीबों और वंचितों की सेवा की।

बेंगलूरू में वायुसेना के विंग कमांडर पर जानलेवा हमला

पुलिस की लापरवाही आई सामने, जानें पूरा मामला

बेंगलूरू, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला कर उसे बुरी तरह जख्मी कर दिया। जानकारी के मुताबिक, विंग कमांडर पर हमला उस समय हुआ जब वह अपनी पत्नी के साथ एयरपोर्ट जा रहे थे। इस घटना में उनके सिर पर चोट आई और उन्होंने घटना के बाद पुलिस की निष्क्रियता की आलोचना भी की है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें विंग कमांडर बुरी तरह जख्मी औ खून से लथपथ दिखाई दे रहे हैं। विंग कमांडर शिलादित्य बोस ने आरोप लगाया कि दोपहिया वाहन पर उनका पीछा करने वाले लोगों ने रोड रेज की घटना में उन पर हमला किया और गाली-गलौज की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने घटनाक्रम का विवरण दिया और

▶10पर

केस फाइल कीजिए, अनुमति की जरूरत नहीं : सुप्रीम कोर्ट

निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना कार्यवाही पर कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश .संजीव खन्ना पर बयान देने के बाद बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे विपक्षी आलोचना का सामना तो कर ही रहे हैं, उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लेटर पिटिशन भी दाखिल की गई है। वहीं, बीजेपी सांसद के खिलाफ अवमानना कार्यवाही पर अब सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक में कहा है कि केस फाइल कीजिए, इसके लिए अनुमति की जरूरत नहीं है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को एक याचिकाकर्ता से कहा कि उसे सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई संजीव खन्ना की आलोचना करने को लेकर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने के लिए बेंच की अनुमति की आवश्यकता नहीं है।

▶10पर

इंडियन लुक में दिखा अमेरिकी उपराष्ट्रपति का परिवार

जेडी वेंस के बच्चों ने पहना कुर्ता-पायजामा

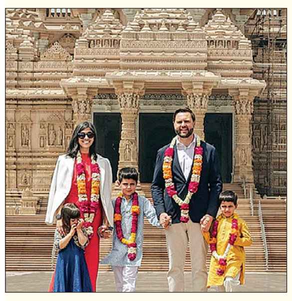

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने परिवार के साथ भारत पहुंच गए हैं। उनका विमान आज 10 बजे पालम एयरपोर्ट पर उतरा । एयरपोर्ट पर उनका स्वागत केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया। वो आज पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे । इस दौरान जेडी के बच्चों को पारंपरिक भारतीय कपड़ों में देखा गया।

जेडी वेंस ने नेवी ब्लू रंग का सूट पहना हुआ है जबकि उषा रेड कलर की ड्रेस में नजर आई। जिसे उन्होंने वाइट ब्लेजर के साथ पेयर किया। प्लेन से उतरते समय वह ब्लेजर को हाथ में लिए दिखीं, तो बाद में उन्होंने इसे अपने कंधों पर कैरी कर लिया।

▶10पर

ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस नहीं रहे

88 साल की उम्र में निधन, फेफड़ों में था इन्फेक्शन

वेटिकन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन हो गया है। वेटिकन के मुताबिक स्थानीय समयानुसार आज सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर पोप ने आखिरी सांस ली। पोप फ्रांसिस इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे।

उनके वेटिकन स्थित सेंट मार्था निवास पर कार्डिनल केविन जोसेफ फैरेल, पोप का शव ताबूत में रखेंगे। बुधवार को उनका शव सेंट पीटर्स बेसिलिका में रखा जा सकता है।

पिछले कई महीनों से पोप स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था। वे 5 हफ्ते तक फेफड़ों में इन्फेक्शन के चलते अस्पताल में भर्ती थे।इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल

▶10पर

शेयर मार्केट

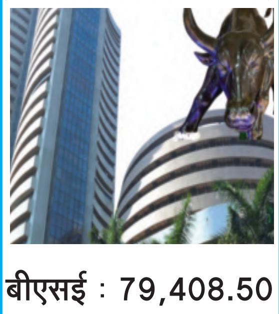

बीएसई : 79,408.50
+855.30 +1.09%↑
एनएसई :24,125.55
273.90 (1.15%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34^0
न्यूनतम : 24^0

स्टालिन सरकार ने 21 मंदिरों का 1000 किलो सोना पिघलाकर बैंकों में जमा कराया!

चेन्नई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण के राज्य तमिलनाडु से एक ऐसी खबर आई है जो वहां की हिन्दू विरोधी स्टालिन सरकार की धर्म विरोधी मानसिकता का एक और उदाहरण देती है। इस दक्षिणी प्रदेश में डीएमके के सत्ता में आने के बाद से ही अनेक प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिरों पर जैसे अन-ीश्वरवादी शासन प्रमुखों की गाज गिरनी शुरू हो गई थी। मुख्यमंत्री के नाते स्टालिन ने मंदिर प्रबंधन समितियों को बेअसर करना शुरू किया और उनके रखरखाव के लिए जाने वाले अनुदान पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। धर्मादा विभाग भी एक अनीश्वरवादी के हाथ में सौंप दिया। अब धीरे धीरे प्राचीन मंदिरों की हालत जर्जर होती जा रही है। लेकिन ताजा जानकारी चौंकाने वाली है। स्टालिन सरकार की शुरू से मंदिरों की तिजोरी पर रही है। अब उन्हीं तिजोरियों से ईश्वर को अर्पण किए गए गहने आदि स्वर्णाभूषणों को गलाकर सरकार ने छड़ें बनाईं और उन्हें बैंकों में जमा किया है। यह जानकारी तमिलनाडु के ही नहीं, देशभर के हिन्दू आस्थावानों को आहत कर रही है।

पता चला है कि तमिलनाडु सरकार द्वारा मंदिरों में चढ़ाए गए सोने को पिघलाकर 24 कैरेट की छड़ों में बदलकर उन्हें बैंकों में जमा कराया गया है। सरकार की इस 'योजना' के अंतर्गत राज्य के 21 मंदिरों से लगभग 1,000 किलोग्राम सोने को मुंबई स्थित सरकारी टकसाल में पिघलाया गया था। बाद में इसे भारतीय स्टेट बैंक में स्वर्ण निवेश योजना के तहत जमा किया गया।

प्रदेश सरकार का दावा है कि इस निवेश से अर्जित ब्याज का उपयोग संबंधित मंदिरों के विकास और रखरखाव के लिए किया जाएगा। उदाहरण के तौर पर, इस योजना से हर साल लगभग 17.81 करोड़ रुपये का ब्याज प्राप्त हो रहा है, जिसे मंदिरों की संपत्ति को सुरक्षित रखने और उनके विकास में लगाया जा रहा है। लेकिन सरकार की इन बातों पर किसी आस्थावान हिन्दू को भरोसा नहीं है। उसे लगता है, यह सीधे सीधे मंदिरों के खजाने पर 'सरकारी डाका' ही है। जो सरकार नियम के अनुसार, मंदिरों के रखरखाव, पुजारियों के वेतन आदि के लिए पैसे देने में आनाकानी करती आ रही है, उससे इस प्रकार की कोई अपेक्षा रखना बेमानी होगी।

स्वाभाविक रूप से प्रदेश की कथित हिन्दू विरोधी सरकार के इस कदम से एक विवाद खड़ा हुआ है। धार्मिक, सामाजिक संगठनों ने इसे हिंदू विरोधी करार दिया है और आरोप लगाया है कि यह हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं का अपमान है। वहीं, सरकार ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि यह योजना मंदिरों की संपत्ति को सुरक्षित रखने और उनके विकास में योगदान देने के उद्देश्य से बनाई गई है।

यह मुद्दा धार्मिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से जटिल है। एक ओर, यह कदम मंदिरों की संपत्ति के 'बेहतर उपयोग' और उनके 'विकास' के लिए एक सकारात्मक पहल बताया जा रहा है तो दूसरी ओर, इसे धार्मिक भावनाओं और परंपराओं के साथ छेड़छाड़ के रूप में भी देखा जा रहा है। इसी सेकुलर प्रदेश सरकार ने राज्य के चर्चों और मस्जिदों के संबंध में ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है। उसकी ऐसा करने की हिम्मत भी नहीं है। मुल्ला-मौलवियों और पादरियों को तो प्रदेश में खास तरजीह दी जाती है। स्टालिन की 'मंदिरों की तिजौरी लूटो' की योजना प्रदेश में हिन्द-ुओं को और आक्रोशित कर सकती है। कहना न होगा, इस प्रकार की योजनाएं एकपक्षीय और हिन्दू विरोधी ही हैं।

कार्टून कॉर्नर

एफटीएस युवा नेशनल मीट 2025 ने रचा सफलता का नया अध्याय

विचार, ऊर्जा और प्रेरणा का अद्भुत संगम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एफटीएस (फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी) युवा शाखा द्वारा वार्षिक राष्ट्रीय युवा सम्मेलन अभिज्ञ 2 का आयोजन 18 से 20 अप्रैल तक बेंगलूरु में अत्यंत भव्यता और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन बेंगलूरु के एक फाइव स्टार होटल में हुआ, जिसमें देशभर के 17 शहरों से आए 137 युवा प्रतिनिधियों के साथ एफटीएस के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विचार, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की दिशा में समर्पित युवाओं का सजीव मंच बन गया। इससे पूर्व वर्ष 2024 में कोलकाता में आयोजित पहले संस्करण अभिज्ञ को अपार सफलता मिली थी। उस प्रेरणा को साथ लेकर इस वर्ष 'अभिज्ञ 2 ने बेंगलूरु में युवाओं के बीच नई चेतना और जोश का संचार किया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए एफटीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश सराओगी, कार्यकारी अध्यक्ष रमेश माहेश्वरी, शांता सारडा, राधेश्याम गर्ग, रमेश अग्रवाल, बिमल सराओगी एवं सरिता अग्रवाल जैसे वरिष्ठ एवं अनुभवी पदाधिकारी उपस्थित रहे। इनके मार्गदर्शन और प्रेरणादायी वक्तव्यों ने युवाओं में नई ऊर्जा का संचार किया। राष्ट्रीय कोर समिति की ओर से युवा राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर नीरज हरोड़िया, साउथ जॉन कॉर्डिनेटर प्रितेश बुरड़, वेस्ट जोन कोऑर्डिनेटर राशु जैन और ईस्ट जोन कोऑर्डिनेटर उत्सव परासर भी आयोजन में प्रमुख भूमिका

निभाते नजर आए। बेंगलूरु चैप्टर ने इस आयोजन की मेजबानी की जिम्मेदारी को पूर्ण समर्पण और टीम भावना के साथ निभाया। स्थानीय समिति के अध्यक्ष हाथीमल बैद के नेतृत्व में रंजीत जैन, वैभव गुप्ता, नरेंद्र भरंडीवाल एवं महिला समिति की ओर से सरिता भंसाली, रेणु कनोडिया, अनीता जैन, ज्योति भट्ट सहित दस महिला सदस्यों ने विशेष रूप से भाग लिया और कार्यक्रम की सफलता में सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम को दो दिनों में नौ सत्रों में विभाजित किया गया था। इन सत्रों में 11 प्रतिष्ठित मुख्य वक्ताओं और 48 युवा वक्ताओं ने विविध विषयों पर प्रभावशाली और विचारोत्तेजक प्रस्तुतियाँ दीं। महर्षि वैदिक यूनिवर्सिटी से दिग्विजय सिंह ने वैदिक संस्कृति और आधुनिक शिक्षा के समन्वय पर संवाद किया। वरिष्ठ पत्रकार मनोज्ञा लोईवाल ने युवाओं को मीडिया और संवाद की शक्ति से रूबरू कराया। बीके वीणा दीदी, ब्रह्माकुमारी आश्रम से, ने आंतरिक शांति और संतुलन पर चर्चा की। डॉ. जय मादान, प्रसिद्ध

समर्पण की अहम भूमिका रही

इस आयोजन को सफल बनाने में बेंगलूरु युवा समिति की 30 दिनों की अथक मेहनत और समर्पण की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम संयोजन में अध्यक्ष विक्रम अग्रवाल और सचिव पवन रजलीवाल के नेतृत्व में युवा टीम ने हर स्तर पर अनुशासन और उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया। प्रमुख टीम सदस्यों में आशीष गुप्ता, प्रितेश बुरड, विकास गुप्ता, साकेत गर्ग, अंकुर जैन, मितेश खंडेलवाल, आरती अग्रवाल, गणपत माली, दीपिका जैन, रचना डालमिया, एकता अनंत, आयुष अग्रवाल, उत्तम बागरेचा, प्रह्लाद जोशी, प्रवीण गहलोत, अनिल मालवीय, गौरव शर्मा, दीपक शर्मा, मृदुल अग्रवाल, अमित सिंह, अनिल सारडा जैसे नाम प्रमुख रूप से सामने आए, जिन्होंने मिलकर इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाया।

ज्योतिषाचार्य और मोटिवेशनल स्पीकर ने जीवन में सही निर्णय लेने की कला सिखाई। अयोध्या से आई मात्र 8 वर्षीया आहुत्य शुक्ला ने देशभक्ति कविताओं से श्रोताओं के हृदय को छू लिया। योगा और साउंड थैरेपी की विशेषज्ञ नेहा जैन ने तनाव मुक्त जीवन की दिशा दिखाई। अंजना चांडक द्वारा प्रस्तुत मोनोड्रामा द्रौपदी ने सभी को भावविभोर कर दिया।

समापन समारोह में इशिता विश्वकर्मा, 'सारेगामापा 2019' की विजेता और 'वन वॉयस वन' की सम्मानित गायिका, ने देशभक्ति गीतों से कार्यक्रम को एक जोशीले और भावनात्मक चरम पर पहुँचाया। तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन एक भव्य अवार्ड सेरेमनी के साथ हुआ, जिसमें एफटीएस युवा द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए कई श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। यह पुरस्कार आयोजन क्षमता, सामाजिक जुड़ाव, नवाचार, प्रेरणादायक गतिविधियाँ, सांस्कृतिक समरसता और संगठनात्मक समर्पण जैसी कई श्रेणियों में दिए गए। अलग-अलग श्रेणियों में देशभर की युवा समितियों को नामांकित किया गया था, जिनमें से बेंगलूरु युवा समिति ने तीन प्रतिष्ठित श्रेणियों में बाजी मारी और राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान अर्जित किया। आईएस मेंबर अवार्ड से उस टीम को सम्मानित किया गया जो अधिकतम सदस्य जोड़ने और सक्रियता दिखाने में अग्रणी रही। बेस्ट इवेंट फॉर कल्चरल कनेक्ट सम्मान सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज से जुड़ने वाले सर्वश्रेष्ठ आयोजन को दिया गया। देशभर की सभी युवा समितियों में से उत्कृष्ट समर्पण, नेतृत्व और समन्वय के लिए बेंगलूरु टीम को बेस्ट युथ टीम ऑफ इंडिया सम्मान प्रदान किया गया। इन पुरस्कारों ने न केवल बेंगलूरु टीम की मेहनत को सराहा, बल्कि उन्हें देशभर की एफटीएस युवा समितियों के लिए आदर्श और प्रेरणा का केंद्र बना दिया।

स्मार्ट गर्ल वर्कशॉप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय जैन संगठन वीवी पुरम चैप्टर बेंगलूरु ने स्मार्ट गर्ल वर्कशॉप का आयोजन किया। बेंगलूरु अध्यक्ष सुरेश कानूगा ने कार्यक्रम के प्रयोजक स्वामित्व ग्रुप के बाबुलाल मेहता, फाउंडर मेंबर ओमप्रकाश लुनावत का स्वागत व सम्मान किया। स्मार्ट गर्ल स्टेट हेड मालिनी और स्मार्ट गर्ल बेंगलूरु हेड भावना कोठारी ने लड़कियों को वर्कशॉप का महत्व बताया। अरिहंत कॉलेज में हुई इस वर्कशॉप में लड़कियों ने स्वयं जागरूकता, आत्म रक्षा, आत्म सम्मान, मित्रता एवं प्रलोभन, संवाद और रिश्ते ऐसे कई संवेदनशील विषयों पर प्रशिक्षण लिया। कुल 26 लड़कियों ने इस वर्कशॉप में भाग लिया। स्मार्ट गर्ल ट्रेनर रेशमा बडोला एवं उजाला सोनी ने पूरे वर्कशॉप को रोचक बनाया। दूसरे दिन अभिभावकों ने भी बड़े उत्साह के साथ इस वर्कशॉप में भाग लिया और उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि इस तरह की वर्कशॉप का आयोजन होता रहना चाहिए।

इस दो दिवसीय वर्कशॉप के समापन समारोह में बीजेएस कर्नाटक अध्यक्ष किशोर रूनवाल, मधु तातेड़, संदीप, शुभा, वीवी पुरम चैप्टर की अध्यक्ष सारिका लुंकड़, उपाध्यक्ष मोनिका पारलेचा, वर्कशॉप की सयोजिका वन्दना कोचर, सह सयोजिका कंचन, स्नेहा संचेती, ईशा उपस्थित थी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *साध्वी पावन प्रभा जी एवं साध्वी पुण्ययशा जी ने तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर से मांगडी रोड की ओर विहार किया। मंगल विहार के इस शुभ अवसर पर जैन श्वेतांबर तेरापंथ महासभा के अध्यक्ष मनसुख सेठिया, महासभा से कर्नाटक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही। तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, राजराजेश्वरी सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़ भी साध्वीवृंद के दर्शन-सान्निध्य हेतु विशेष रूप से पहुंचे। तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर के परामर्शक जितेंद्र घोषल, मंत्री राकेश चोरड़िया, सह मंत्री प्रतीक जोगड़, तेयुप हनुमंतनगर के अध्यक्ष कमलेश झाबक सहित अनेक युवकों और श्रावकगण धर्मलाभ हेतु उपस्थित रहे। विहार के दौरान भावपूर्ण मंगलपाठ और जयघोषों से वातावरण गूंज उठा।*

आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तंभ एवं बेंच का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर के तत्वावधान में कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तंभ एवं बेंच उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। जिसकी शुरुआत तेयुप राजाजीनगर ने जैन विधि एवं मंगल मंत्रोचार से किया। तत्पश्चात महिला मंडल की बहनों ने प्रेरणा गीत का संगान किया। बहनों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। नेताजी सुभाषचंद्राबोस पार्क में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तंभ एवं बेंच का उद्घाटन विधायक सुरेश कुमार एवं बीबीएमपी सदस्य पद्मराज द्वारा किया गया। सुरेश कुमार ने अपने वक्तव्य में अभातेमंम द्वारा संचालित कन्या सुरक्षा आयाम की प्रशंसा की और कन्याओं की सुरक्षा हेतु बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की प्रेरणा दी। पदमराज ने कन्याओं को समाज के हर क्षेत्र में आत्मविश्वास से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। क्योंकि कन्याओं का विकास ही देश और समाज का विकास है। अभातेमंम से कर्नाटक प्रभारी लता जैन, मधु कटारिया एवं संतोष वेदमूथा ने भी अपने विचार रखे। राष्ट्रीय अध्यक्षा सरिता डागा और महामंत्री नीतू ओस्तवाल ने मंडल को बधाई संप्रेषित की। कन्या सुरक्षा योजना की राष्ट्रीय संयोजिका अर्चना भंडारी ने समय समय पर अपना मार्गदर्शन दिया। सीतादेवी लादूलाल, विशाल, विजय पितलिया का आर्थिक सहयोग रहा। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा राजाजीनगर अध्यक्ष अशोक चौधरी और उनकी टीम, तेयूप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया और उनकी टीम, पारमार्थिक शिक्षा संस्थान अध्यक्ष बजरंग जैन, गांधीनगर महिला मंडल अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल, यशवंतपुर अध्यक्षा मीनाक्षी दक, विजयनगर अध्यक्षा मंजू गादिया, निवर्तमान अध्यक्षा चेतना वेदमूथा, संरक्षिकाएँ, परामर्शिकाएं, कार्यकारिणी एवं मंडल की बहने उपस्थित थी। कन्यामण्डल की भी अच्छी सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। संयोजिका सरिता संचेती एवं संगीता सुराना ने अथक श्रम नियोजित करके कार्यक्रम को सफल बनाया। उपाध्यक्ष सुनीता कोठारी ने आभार प्रकट किया।

5 दिवसीय जुनियर कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद्, विजयनगर द्वारा आयोजित 5 दिवसीय जुनियर कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का समापन सम्यक ज्ञान प्रचारक मंडल, जैन भवन, चंद्रा लेआउट में एक भव्य दीक्षांत समारोह के साथ हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य 11 साल से 17 साल के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास भरना, प्रभावी मंच संचालन की कला सिखाना तथा स्पष्ट, संस्कारित एवं प्रभावशाली वक्ता तैयार करना रहा। युगप्रधान आचार्य महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी संयम लता जी की सहवर्तिनी साध्वी मार्दव जी और साध्वी रौनक प्रभा जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। साध्वी द्वय ने अभिभावकों को बच्चों की जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन और व्यवस्थित समाधान देने की प्रेरणा प्रदान की। साध्वी ने बच्चों को स्वावलंबी और जैनत्व को अच्छे

से समझने की प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने सोशल मीडिया में अभिभावक और बच्चों को अनजाने में ही अनावश्यक समय व्यर्थ करने पर चिंता जताई तथा जागरूकता से सोशल मीडिया का सही उपयोग करने पर अपनी बात रखी।

तेयुप विजयनगर अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। साध्वी द्वय के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मुख्य प्रशिक्षक अरविन्द मांडोत (राष्ट्रीय प्रशिक्षक, सीपीएस) के नेतृत्व में कार्यशाला के सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक कुशल प्रशिक्षण मिला। अरविंद ने जैनत्व, स्वावलंबन और अपने जुनून को साथ रखकर कुछ अर्जन करने की भी प्रेरणा प्रदान की। प्रशिक्ष डिंपल सियाल, शेफाली मांडोत ने मॉक ड्रिल, रोल-मॉडल, कथा वाचन एवं अनेक प्रकार के भाषण अभ्यास के माध्यम से प्रतिभागियों को मंच पर आने और बोलने का आत्मविश्वास प्रदान किया। समारोह में दिनेश मरोठी ने विजयनगर टीम को प्रथम कार्यशाला की बधाई देते हुए प्रतिभागियों में सुखद बदलाव की बात रखी। प्रदत्त श्रम एवं उनके सकारात्मक प्रभाव हेतु प्रशिक्षकों की सराहना की। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने अभातेयुप के नए आयाम और तेयुप टीम की कर्मठता की सराहना की। कार्यक्रम में तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, तेयुप विजयनगर उपाध्यक्ष विकास बांठिया, सहमंत्री कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा, पूर्व अध्यक्ष अमित दक, श्रेयांस गोलछा, अभातेयुप के गौतम खाबिया, प्रदीप चोपड़ा, कमलेश गन्ना, परिषदों से कमलेश झाबक, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गदिया एवं श्रावक-श्राविका समाज, अभिभावक गण, परिषद् साथी पीयूष ललवानी, पीयूष हीरावत, अनिल मांडोत, विमल पारख की उपस्थिति रही। कार्यशाला संयोजक विनीत गांधी तथा कैलाश नंगावत, विकास लुणीया, किशोर मंडल टीम से हर्ष मांडोत, प्रिंस मांडोत, तन्मय कावड़िया का श्रम रहा। कार्यक्रम का कुशल संयोजन सहमंत्री पवन बैद एवं कार्यक्रम संयोजक विनीत गांधी ने किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री स्वामी विवेकानंद युवक संघ एवं श्री मुनेश्वर स्वामी देवस्थान ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में बापूजी नगर क्षेत्र में अन्नमा देवी पूजा महोत्सव एवं पौराणिक नाटक कुरुक्षेत्र का मंचन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अपने वक्तव्य में कहा ऐसे सांस्कृतिक आयोजन लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

साधु साध्वी भगवन्तों की सुरक्षा के लिए कड़े कानून की जरूरत: सिंघी

प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछले दिनों सिंगोली, कस्बे (मध्यप्रदेश) में जैन साधु भगवन्तों पर हुए क्रूर और अमानवीय हमले के विरोध में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, हुब्बली के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी महेन्द्र सिंघी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक पत्र लिखकर कहा कि यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि संपूर्ण जैन समाज की अहिंसा, संयम और शांति की परंपरा पर बहुत बड़ा आघात है। साथ ही कहा कि गौ सेवा, अभयदान, अपरिग्रह, सत्य अहिंसा के सन्देश का प्रचार प्रसार करने हेतु नंगे पैर 40 डिग्री से ज्यादा की गर्मी में देशभर में भ्रमण करने वाले

साधु भगवन्तों के साथ ऐसी घटनाओं को समाज में किसी भी प्रकार से स्थान नहीं दिया जा सकता। इन पर सख्त से सख्त कार्रवाई कर एक स्पष्ट संदेश देना आवश्यक है कि ऐसी दुर्भावना-पूर्ण घटनाएं फिर कभी ना हो। इस प्रकार की घटना को न तो आप बर्दाश्त कर पाएंगे और न ही कभी जैन समाज बर्दाश्त कर पाएंगा। उपरोक्त घटना मात्र लूटपाट की या मारपीट की नहीं है, यह समाज में वैमनस्य पैदा कर देशभर के वातावरण को दूषित करने का कुप्रयास है। सिंघी ने निवेदन किया कि जैन समाज एक अल्पसंख्यक समाज है और हम आपसे निवेदन करते है की देश भर में साधु साध्वी भगवन्तों की सुरक्षा के लिए आप एक जिम्मेदारी भरा कदम उठा कर सुरक्षा के प्रति आवश्यक कार्यवाही करें और एक कठोर से कठोर कानून बनाएं जिससे इस प्रकार की घटना फिर ऐसा न हो। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की निष्पक्ष और त्वरित जांच कराते हुए सकारात्मक और प्रभावी कदम उठाकर दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रधानमंत्री के साथ देश के गृह मंत्री अमित शाह, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भी पत्र लिखकर आवश्यक कार्यवाही का आग्रह किया।

पूर्व डीजीपी हत्याकांड मामला

पत्नी ने कथित तौर पर कबूला गुनाह, बेटी से भी पूछताछ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की नृशंस हत्या की जांच में घटनाओं का एक परेशान करने वाला क्रम सामने आया है, जिसमें उनकी पत्नी पल्लवी मुख्य आरोपी के रूप में उभरी हैं। बेंगलूरु पुलिस ने सोमवार को पल्लवी और दंपति की बेटी दोनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया, ताकि वे इस बात की गहराई से जांच कर सकें कि यह एक पूर्व नियोजित कृत्य था। पल्लवी को होयसला गश्ती वाहन में पुलिस स्टेशन लाया गया, क्योंकि शुरुआती रिपोर्टों में उसे अपराध से जोड़ा गया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसने घटना के तुरंत बाद एक सेवारत आईपीएस अधिकारी की पत्नी को एक संदेश भेजा था, जिसमें कहा गया था कि उसने एक राक्षस को खत्म कर दिया है। यह भी पता चला है कि उसने कथित हत्या के बाद एक वीडियो कॉल किया था। जांचकर्ताओं को संदेह है कि अपराध, जिसमें कई चाकू के घाव शामिल थे, अकेले किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं किया गया हो सकता है।

इसलिए, बेटी से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने संकेत दिया कि पल्लवी द्वारा एक पारिवारिक समूह को भेजे गए एक व्हाट्सएप संदेश में ओम प्रकाश पर उसे और उनकी बेटी को बंदूक से धमकाने का आरोप लगाया गया था, और किसी से उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करने का आग्रह किया गया था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, ओम प्रकाश पर पहले मिर्च पाउडर और तेल से हमला किया गया और फिर गर्दन, छाती, पेट और सिर पर 12 बार चाकू से वार किया गया। साक्ष्यों से पता चलता है कि वह अपनी चोटों के कारण दम तोड़ने से पहले करीब 10 मिनट तक संघर्ष करता रहा।

घटनास्थल से दो चाकू और एक बोतल जब्त की गई है। पल्लवी ने शुरुआती पूछताछ के दौरान हत्या की बात कबूल करते हुए कहा कि उसने आत्मरक्षा में ऐसा किया। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक औपचारिक बयान जारी नहीं किया है। उसने कथित तौर पर दावा किया कि घटना के दौरान उसकी बेटी को दूसरे कमरे में बंद कर दिया गया था, हालांकि पुलिस इस दावे की पुष्टि कर रही है। सूत्रों ने कहा कि पल्लवी सिजोफ्रेनिया जैसी मानसिक स्वास्थ्य स्थिति के लिए इलाज करवा रही थी और उसने कई बार मनोरोग केंद्रों का दौरा किया था। ओम प्रकाश ने कथित तौर पर अपनी बेटी की शादी के बाद अलग रहने की इच्छा के बारे में दोस्तों से बात की थी, क्योंकि वैवाहिक कलह चल रही थी।

पुलिस ने कहा कि रविवार को जब वे दंपति के एचएसआर लेआउट स्थित आवास पर पहुंचे तो आरोपियों ने शुरू में दरवाजा खोलने से इनकार कर दिया, जिससे 30 मिनट से अधिक समय तक प्रवेश में देरी हुई। सोमवार की सुबह कथित तौर पर मां और बेटी ने पुलिस स्टेशन में हंगामा भी किया, गाड़ी से उतरने से इनकार कर दिया और अधिकारियों पर चिल्लाने लगीं। माना जा रहा है कि यह घटना रविवार दोपहर 1.30 से 2.30 बजे के बीच हुई। सूत्रों ने बताया कि ओम प्रकाश और पल्लवी के बीच एक दशक से भी अधिक समय से विवाद चल रहा था, जिसमें संपत्ति से जुड़े विवादों को लेकर अक्सर बहस होती थी।

कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई थीं

एक सूत्र ने बताया कि ओम प्रकाश द्वारा दांडेली में एक संपत्ति अपने भाइयों के नाम करने के फैसले से पल्लवी का गुस्सा बढ़ता जा रहा था। बिहार के चंपारण के मूल निवासी और 1981 बैच के आईपीएस अधिकारी ओम प्रकाश ने 2015 में होम गार्ड के कमांडेंट जनरल और पुलिस महानिदेशक सहित कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई थीं। उन्होंने अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं, राज्य सतर्कता आयोग, कर्नाटक लोकायुक्त, सीआईडी और परिवहन आयुक्त के रूप में भी पद संभाले थे। उल्लेखनीय रूप से, उन्होंने 2013 के भाजपा कार्यालय विस्फोट और 2014 में बेंगलूरु में चर्च स्ट्रीट बम विस्फोट की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एचएसआर लेआउट पुलिस मामले की जांच जारी रखे हुए है।

स्पीकर से विधायकों के निलंबन आदेश को

वापस लेने का किया गया अनुरोध: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि हमने विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर से 18 भाजपा विधायकों को निलंबित करने का आदेश वापस लेने का आग्रह किया है। विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अशोक ने कहा कि उन्होंने कहा है कि वह निलंबन आदेश की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि यह घटना सभा के अंदर हुई और वह इस मामले पर सरकार से चर्चा करेंगे। अध्यक्ष के आसन के प्रति कोई अनादर नहीं है, बल्कि सम्मान है। हालाँकि, छह महीने का निलंबन सही नहीं है।

अतीत में कई घटनाएं घटित हुई हैं। उन्होंने कहा कि निलंबन के कारण विधायक विभिन्न समिति की बैठकों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। इसलिए आग्रह किया गया है कि अध्यक्ष अपने आदेश पर एक बार फिर विचार कर उसे वापस लें। सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक ओमप्रकाश की हत्या निंदनीय है। राज्य में कई तरह की हत्याएं हो रही थीं। अब पुलिस अधिकारी के साथ ऐसा हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है। लोगों में कार्रवाई का भय नहीं है। इसीलिए ऐसी घटनाएं होती हैं। उन्होंने इस बात पर स्पष्टता की मांग की कि पुलिस विभाग कौन चला रहा है। इससे पहले भाजपा पार्टी ने निर्णय लिया था कि यदि विधानसभा अध्यक्ष ने हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम दिन कार्यवाही के दौरान दुर्व्यवहार के आरोप में विधायकों को छह महीने के लिए विधानसभा से निलंबित करने का आदेश वापस नहीं लिया तो वह अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। इससे पहले महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने 12 विधायकों को निलंबित किया था। भाजपा ने इस पर सवाल उठाते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 2021 के एक फैसले का हवाला देते हुए निलंबन आदेश को रद्द कर दिया। अब, राज्य के भाजपा विधायक भी उसी न्यायिक मार्ग की मांग कर रहे हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि अंतिम क्षण तक सदन के भीतर इस मुद्दे का समाधान हो जाएगा। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष से मिलकर निलंबन समाप्त करने का अनुरोध करने वाला था। हालाँकि, गुड फ्राइडे की छुट्टी के कारण बैठक सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। भाजपा अपना अगला निर्णय सोमवार को होने वाली बैठक के नतीजे के बाद लेगी। एक भाजपा नेता ने कहा कि यद्यपि अदालत जाना एक विकल्प है, हम संयम बनाए रखना चाहते हैं क्योंकि हमारा उद्देश्य विधायिका और न्यायपालिका के बीच टकराव से बचना है। हालाँकि, अब जिम्मेदारी अध्यक्ष के पास है। यदि वे सोमवार तक निलंबन आदेश वापस नहीं लेते हैं, तो हमारे पास राज्य उच्च न्यायालय में अपील दायर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

विस्तृत जांच से हत्या की सच्चाई सामने आएगी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि विस्तृत जांच से कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या के पीछे की सच्चाई सामने आएगी। हालांकि ऐसा कहा जा रहा है कि उनकी पत्नी पल्लवी ने उनकी हत्या की है। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी रविवार दोपहर को बेंगलूरु में एचएसआर लेआउट स्थित अपने आवास में खून से लथपथ मृत पाए गए। परमेश्वर ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या कर दी गई है। ऐसा कहा जा रहा है कि उनकी पत्नी (पल्लवी) ने उनकी हत्या की है। विस्तृत जांच से ही सच्चाई सामने आएगी। मंत्री ने कहा कि जब 2015 में मैं गृह मंत्री था तो प्रकाश पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बने थे। हत्या के पीछे के कारण के बारे में पूछे जाने पर, परमेश्वर ने कहा कि उन्हें कोई सुराग नहीं है क्योंकि जांच शुरू हो चुकी है और जांच अधिकारी ने अभी तक कोई जानकारी साझा नहीं की है। उन्होंने दंपति के बीच कथित कलह और पल्लवी के सिजोफ्रेनिया से पीड़ित होने के बारे में भी अपनी अनभिज्ञता व्यक्त की।

शिक्षा विभाग ने स्कूलों में विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं पर एक परिपत्र जारी किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूल शिक्षा विभाग ने एक परिपत्र जारी कर शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए राज्य के सभी निजी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में छात्रों के प्रवेश के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की व्याख्या की है। परिपत्र में कहा गया है कि स्कूलों को स्पष्ट क्षेत्र अधिसूचना जारी करनी चाहिए। आरक्षण नीतियों का पालन किया जाना चाहिए और शुल्क संरचना पारदर्शी रूप से प्रदर्शित की जानी चाहिए।

इस संबंध में अभिभावकों को सूचित किया जाना चाहिए तथा सभी जिलों में शिकायत निवारण प्रणालियां स्थापित की जानी चाहिए। सभी स्तरों पर अधिकारियों को प्रवेश की निगरानी के लिए कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। सभी निजी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में अधिसूचना जारी करना आवश्यक है। इसमें श्रेणीवार सीट उपलब्धता, आरक्षण विवरण, पाठ्यक्रम, शिक्षण माध्यम और शुल्क संरचना शामिल होनी चाहिए। संस्थानों के प्रमुखों को स्कूल के नोटिस बोर्ड पर प्रवेश कार्यक्रम और अन्य प्रासंगिक विवरण प्रमुखता से प्रदर्शित करना चाहिए। स्कूलों को अपने नोटिस बोर्ड, वेबसाइट, पोर्टल और मुद्रित प्रॉस्पेक्टस पर आधिकारिक रूप से स्वीकृत शुल्क राशि स्पष्ट रूप से प्रकाशित करनी चाहिए। इस घोषित राशि से अधिक शुल्क वसूलना सख्त वर्जित है। परिपत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारियों को अभिभावकों और आम जनता की शिकायतों की शीघ्र समीक्षा कर उनका समाधान करना चाहिए। गंभीर मामलों को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को हस्तांतरित किया जाना चाहिए। परिपत्र में कहा गया है कि प्रत्येक जिला उपनिदेशक कार्यालय को शिकायतों के निपटान के लिए एक नोडल अधिकारी और कर्मचारी सहित एक हेल्पलाइन स्थापित करनी चाहिए। सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के लिए, क्षेत्र प्रक्रिया में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए और आरक्षण, यदि कोई हो, तो राज्य सरकार के लागू नियमों के अनुरूप होना चाहिए। परिपत्र में कहा गया है कि अल्बाना अधिनियम के प्रावधानों, जिसमें पात्र बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने की स्कूल की जिम्मेदारी भी शामिल है, का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। आईसीएसई-संबद्ध स्कूलों को चेतावनी दी गई है कि स्कूल प्रशासन से संबंधित दिशा-निर्देशों और अदालती आदेशों सहित राज्य और केंद्रीय कानूनों का पालन न करने पर उनकी संबद्धता रद्द की जा सकती है।

शिक्षित बनो, संगठित हो और आंदोलन करो हमारा मंत्र होना चाहिए: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने चिक्कोडी में अखिल कर्नाटक यादव, हनाबार, गोल्ला संघ के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। उन्होंने समुदाय के सदस्यों से हर कीमत पर एकजुट रहने और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के सिद्धांतों को अपनाने का आग्रह किया। शिक्षित बनो, संगठित हो और अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करो - ताकि सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि वास्तव में, भारत में सभी पिछड़े वर्गों के लिए शोषण से बचने, आत्म-सम्मान और विकास के जीवन की ओर प्रयास करने का यही मंत्र होना चाहिए। डॉ. अंबेडकर जैसे नेताओं के जीवन से हमें पता चलता है कि शिक्षा गुलामी को खत्म कर सकती है और आत्म-सम्मान का जीवन जी सकती है। यह जानकर खुशी होती है कि संघ ने सौ साल पूरे कर लिए हैं और समाज को संगठित करने और उसे मुख्यधारा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सभी जातियां अपने पेशे से जानी जाती हैं। निहित स्वार्थों ने समाज को विभाजित करने के लिए इस तरह के नामकरण का इस्तेमाल किया। गोल्ला समुदाय में अब गोल्ला जाति, कडू गोल्ला, अदावी गोल्ला समेत कई उपजातियां हैं। लेकिन इन सभी को समान रूप से और एक ही गति से विकसित होने की जरूरत है। डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि दलितों, पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और वंचितों को प्रगति की ओर बढ़ने के लिए शिक्षा आवश्यक है। उन्होंने देखा कि समाज में दुर्बल करने वाली असमानता है। बहुसंख्यक साक्षरता से वंचित हैं। मनुस्मृति का पालन करते हुए, समाज में ब्राह्मण, वैश्य, क्षत्रिय और शूद्र की चार-जाति व्यवस्था शुरू की गई और शूद्रों को शिक्षा का अवसर नहीं दिया गया। केवल वे वर्ग जिनके पास अवसर थे, शिक्षित हुए और समाज में प्रगति हासिल की। अब जब हम एक लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य में रहते हैं, तो यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि सभी समुदायों को ऐसे अवसर और शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका तक पहुंच मिले। उन्होंने कहा हमारी सरकार एक समान समाज बनाने का प्रयास कर रही है। जब से मैंने कार्यभार संभाला है, मैं सभी को समान अवसर प्रदान करने का प्रयास कर रहा हूं। मैंने पिछड़े समुदायों की आर्थिक प्रगति का प्रतिनिधित्व किया है। इसलिए, मैं सभी के लिए धन का समान वितरण सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा हूं। मुख्यमंत्री ने कर्नाटक में आरक्षण के इतिहास का उल्लेख किया। 1918 में, नलवाडी कृष्णराज वोडेयार ने सरकारी नौकरियों और शिक्षा में विभिन्न समुदायों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए मिलर आयोग का गठन किया। नौकरियों और शिक्षा में गैर-ब्राह्मण समुदायों को 75 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। बाद में, आरक्षण सुविधाओं के लिए कई आयोगों का गठन किया गया। यदि कोई शिक्षा प्राप्त नहीं करता है, तो गुलामी बढ़ेगी और आत्म-सम्मान का जीवन संभव नहीं होगा। सिद्धरामैया ने अपने अनुभव साझा किए और श्रोताओं को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए कहा कि शिक्षा के कारण ही वे कर्नाटक के मुख्यमंत्री बन पाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यादव समुदाय के लिए एक अलग विकास निगम के गठन के लिए समुदाय से एक ज्ञापन मिला है। समुदाय के नेताओं से परामर्श करने के बाद निर्णय लिया जाएगा।

राज्य में सामान्य से अधिक बारिश की गई दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मानसून पूर्व बारिश में सुधार हुआ है और राज्य में सामान्य से अधिक बारिश हो रही है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, बारिश अगले तीन दिनों तक जारी रहेगी। राज्य के तटीय, दक्षिणी आंतरिक और उत्तरी आंतरिक क्षेत्रों में छिटपुट बारिश होगी। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है कि कुछ स्थानों पर गरज, बिजली और तूफान के साथ बारिश की संभावना है। राज्य के अंदरूनी हिस्सों में एक द्रोणिका बनने के कारण आंशिक रूप से बादल छाए हुए हैं तथा शाम और रात के समय कुछ स्थानों पर बारिश हो रही है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, चित्रदुर्ग जिले में रविवार को भी व्यापक वर्षा हुई। विजयपुरा, दावणगेरे, तुमकुरु, शिवमोग्गा, कोप्पल, बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, उडुपी, हासन, चिक्कमगलूरु और कोडागु जिलों में मध्यम बारिश हुई। हावेरी, चिक्कबल्लापुर, रायचूर, मैसूरु, दक्षिण कन्नड़, गदग और बेल्लारी जिलों में छिटपुट बारिश हुई, जबकि रामनगर, बीदर, कोलार, चामराजनगर, कलबुर्गी, मांड्या, उत्तर कन्नड़, बागलकोट, बेलगावी और धारवाड़ जिलों में केवल कुछ स्थानों पर बारिश हुई। बताया गया है कि विजयनगर जिले के हड़प्पनहल्ली तालुक के उच्चंगीदुर्ग में सबसे अधिक 84.5 मिमी बारिश हुई। राज्य के दक्षिणी आंतरिक, तटीय और मलनाड भागों में भारी वर्षा होने की संभावना है। उत्तरी आंतरिक भागों में शुष्क मौसम रहने की संभावना है, तथा कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में अधिकतम तापमान 41डिग्री से 43 डिग्री तक दर्ज किया जा रहा है। तटीय और दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों में औसत अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। राज्य में 1 मार्च से लेकर रविवार तक सामान्य से 70 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। इस दौरान सामान्य बारिश 27.9 मिमी दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 47.4 मिमी दर्ज की गई। 1 अप्रैल से रविवार तक सामान्य वर्षा 18.8 मिमी हुई, जो सामान्य वर्षा का 35.4 प्रतिशत या सामान्य से 88 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, पिछले सप्ताह तटीय और मलनाड क्षेत्रों में बारिश में कमी आई है और सामान्य से भी कम बारिश हुई है। राज्य भर में ग्रीष्म ऋतु की बारिश जारी रहने के कारण कृषि गतिविधियां शुरू हो गई हैं तथा किसान भूमि की तैयारी और मानसून-पूर्व फसलों की बुवाई में व्यस्त हो गए हैं।

केंद्र की निष्क्रियता के कारण महादयी बेसिन परियोजनाओं पर काम में देरी हुई: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि केंद्र की निष्क्रियता के कारण महादयी बेसिन परियोजनाओं पर काम में देरी हुई है। देरी हमारे कारण नहीं हुई है। कर्नाटक सरकार महादयी बेसिन में काम शुरू करने के लिए तैयार है। अगर केंद्र सरकार आज सभी आवश्यक मंजूरी दे दे, तो हम कल से काम शुरू कर देंगे। वे बेलगावी राजस्व प्रभाग के किसानों को 400 करोड़ रुपये के कृषि उपकरण वितरित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

खेती में एक बड़ी समस्या कम बारिश और शुष्क भूमि खेती है। हमें इस समस्या का दीर्घकालिक समाधान खोजना होगा। इसमें प्रमुख और मध्यम, लघु और सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं के माध्यम से पानी उपलब्ध कराना शामिल है। कर्नाटक सरकार सिंचाई परियोजनाओं पर 23,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है। हालांकि, केंद्र सरकार हमारे साथ सहयोग नहीं कर रही है।

हमें आज तक भद्रा ऊपरी सिंचाई परियोजना के लिए एक भी रुपया नहीं मिला है। यह महादयी और मेकेदातु परियोजनाओं को मंजूरी देने से भी इनकार कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार इन परियोजनाओं को मंजूरी दे तो हम इन पर तुरंत काम शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के शहरी क्षेत्रों में पलायन से कृषि पर नकारात्मक असर पड़ा है। इसलिए कृषि विकास शहरी और ग्रामीण विकास से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमें सभी क्षेत्रों पर समान रूप से ध्यान देने की जरूरत है। कृषि के एकीकृत विकास और किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए एक कार्य योजना बनाई जा रही है। मेरा मानना है कि जहां सैनिक सीमाओं की रखवाली और लड़ाई लड़कर हमारी रक्षा करते हैं, वहीं किसान खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं और शिक्षक अगली पीढ़ी को तैयार करते हैं। हम उनके कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू कर रहे हैं। किसानों को 40 लाख रुपये और अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को 50 लाख रुपये की सब्सिडी पर कृषि मशीनरी वितरित की जा रही है। सीएम ने कहा कि इससे उन किसानों को मदद मिलेगी जो मजदूरों की कमी का सामना कर रहे हैं।

हमने शुष्क भूमि के किसानों के लिए कृषि भाग्य योजना लागू की है। पिछले साल हमने 25,000 से अधिक खेत तालाबों के निर्माण के लिए धन मुहैया कराया था। इस साल इनकी संख्या और बढ़ाई जाएगी।

कृषि तालाबों के प्रभाव का अध्ययन करने वाले विशेषज्ञों ने रिपोर्ट दी है कि इससे किसानों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा अब हम खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर हैं। अधिशेष खाद्य उत्पादन ने हमें अन्न भाग्य योजना के तहत 10 किलो खाद्यान्न वितरित करने में मदद की।

जाति जनगणना के पक्ष और विपक्ष सभी दलों में हैं: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि जाति जनगणना को लेकर सभी दलों में पक्ष-विपक्ष हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा और जेडीएस दोनों पार्टियों में अच्छे और बुरे दोनों पक्ष हैं। कुछ विधायक इस रिपोर्ट का समर्थन करते हैं, जबकि अन्य इसका विरोध करते हैं। इसी प्रकार, कांग्रेस में भी विरोधी विचार हैं। पिछड़े वर्गों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए दस से अधिक समितियां गठित की गई हैं। सभी समितियों ने नमूना संग्रह सर्वेक्षण आयोजित कर सरकार को रिपोर्ट सौंप दी है।

यह पहली बार है कि पूरी जानकारी एकत्र करने के बाद सरकार को रिपोर्ट सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। कांताराजू आयोग ने सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक स्थितियों पर जानकारी एकत्र की है। स्वाभाविक रूप से, उस संदर्भ में जाति संबंधी जानकारी भी एकत्रित की गई। कुछ लोगों का कहना है कि रिपोर्ट सही है, जबकि अन्य का कहना है कि यह सही नहीं है। फिर भी कुछ लोग कह रहे हैं कि डेटा पीछे छोड़ दिया गया है। सरकार ने सभी चीजों को समेकित करने और सर्वसम्मति प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि इस पर पहले ही दो बार कैबिनेट बैठक में चर्चा हो चुकी है। कैबिनेट के कई मंत्रियों ने अपने-अपने समुदायों के बारे में बात की है। विपक्ष के नेता आर. अशोक के इस बयान पर विचार किया जाएगा कि सर्वेक्षण की मूल प्रति उपलब्ध नहीं है। यह कैसे संभव है कि सर्वेक्षण की कोई मूल प्रति उपलब्ध न हो? मूल प्रति आयोग के पास होनी चाहिए। विपक्षी दलों को रचनात्मक आलोचना करनी चाहिए। नकारात्मक आलोचना हर चीज के लिए सही नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन आरोपों की न्यायिक जांच की आवश्यकता है उन सभी पर कैबिनेट में चर्चा की जाएगी।

डॉ. अंबेडकर की तस्वीर को क्षतिग्रस्त करने के बाद शांति समिति की बैठक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में कित्तूर के पास मुगत खान हुब्बल्ली में सोमवार को अज्ञात लोगों द्वारा डॉ. बी. आर. अंबेडकर की तस्वीर को क्षतिग्रस्त करने के बाद ग्रामीणों ने शांति समिति की बैठक की।

बुजुर्गों ने कानून को अपने हाथ में न लेने और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया। पुलिस गांव पहुंची और जांच शुरू की।

जांचकर्ताओं ने गांधी नगर इलाके के सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए, जहां घटना हुई थी। पुलिस अधिकारियों ने शांति की अपील की है और उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

छह दिवसीय मास्टर ऑफ पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ द्वारा कौशल विकास के अन्तर्गत छह दिवसीय मास्टर ऑफ पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला चमकते सितारे का उद्घाटन जीतो ऑफिस चामराजपेट में किया गया। जिसमें 11 से 15 वर्ष तक की उम्र के 64 बच्चों ने दो बैच के माध्यम से भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ नवकार महामंत्र एवं दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। जीतो महिला विंग चेयरपर्सन बबीता रायसोनी एवं महामंत्री निधि पालरेचा ने शुभकामनाएं प्रेषित की एवं बताया कि मंच संचालन की कला बचपन से ही सीखी जा सके, इस हेतु, ग्रीष्मकालीन अवकाश के अंतर्गत, जिसमें बच्चों को अपने समय का सदुपयोग करते हुए, इस

कार्यशाला के माध्यम से मंच पर बोलने की कला को सिखाया जायेगा। कार्यक्रम का संचालन पेजेंट्री सविता पोरवाल व प्रिया गांधी, चेयरिंग सहसचिव चंद्रा जैन एवं स्वागत उपाध्यक्ष लता बोहरा द्वारा किया गया। जीतो महिला विंग संयोजक प्रवीण सोफाडिया ने सभी प्रतिभागियों का उत्साह एवं मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि मंच पर बोलने की कला बच्चों से लेकर बड़ों तक सीखा जाना जरूरी है। इस कार्यशाला के माध्यम से मंच संचालन के विशेष गुर को सिखाया जायेगा। कार्यशाला प्रशिक्षक तरूणा मेहता का परिचय संयोजिका संगीता सियाल, कार्तिक सोनीगरा का परिचय संयोजिका अस्मिता चौहान, अमित सिंघवी का परिचय अर्पिता लडानी, रोशनी बेताला का परिचय चेतना खातेड, अवधि चौहान का परिचय पुष्पा श्रीश्रीमाल ने दिया। सभी प्रतिभागियों का विशेष तरीके से कार्यशाला में स्वागत किया गया। यह जानकारी कोषाध्यक्ष संगीता पारख ने दी। अस्मिता चौहान व संगीता सियाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

आर. अशोक को गलत बयान नहीं देना चाहिए: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि जाति जनगणना की मूल प्रतियां उपलब्ध नहीं होने का आरोप निराधार है। विपक्ष के नेता आर. अशोक को गलत बयान नहीं देना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग ने जाति जनगणना रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सरकार को सौंप दी है। उन्होंने सवाल किया कि वे झूठ कैसे बोल सकते हैं। अगर आर. अशोक को कोई संदेह है तो वे सीधे जयप्रकाश हेगड़े से पूछ सकते हैं। इसके बारे में झूठ क्यों बोलें? उन्होंने कहा कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को सावधानी से बोलना चाहिए। जनेउ हटाकर सीईटी परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए थी। यह परंपरा सही नहीं है। यहां जनेउ और लिंगा सहित कई धार्मिक अनुष्ठान

होते हैं। महिलाएं भी मंगलसूत्र पहनती हैं। उन्होंने कहा कि यह सब हटाना कोई अच्छा निर्णय नहीं था।

परीक्षा के दौरान निरीक्षण के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगाए जाते हैं। पुलिस ने जाँच कर ली है। उन्होंने सलाह दी कि इस संबंध में सावधानी बरती जानी चाहिए ताकि धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे। उन्होंने भाजपा विधायक मुनिरत्न की शपथ को चुनौती देने वाली बात का जवाब देने से इनकार कर दिया और चले गए।

सिद्धरामैया की टीम अलीबाबा और 40 चोरों की कहानी की प्रतिकृति हैं: सदानंद गौड़ा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने सोमवार को आरोप लगाया कि सिद्धरामैया और उनका मंत्रिमंडल अलीबाबा और 40 चोरों की कहानी की प्रतिकृति है। जनाक्रोश यात्रा के सिलसिले में यहां आयोजित विशाल विरोध सभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी राजनीतिक दल केवल सत्ता में रहने पर ही जनता के लिए काम नहीं करता। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहते हुए भी आप तभी राजनीतिक दल जैसा महसूस करेंगे जब आप कड़ी मेहनत करेंगे। आज हमारे पास कोई शक्ति नहीं है। अगर हम चुपचाप बैठ जाएं और कहें कि सिद्धरामैया ही सही रास्ता है, तो आप सभी को आंसुओं से हाथ धोना पड़ेगा। इसीलिए विजयेंद्र के नेतृत्व में हमारे सभी वरिष्ठ नेताओं ने यह जनाक्रोश यात्रा शुरू की है। आप हमारे साथ आइए।

उन्होंने कहा कि हम राज्य में कांग्रेस सरकार को करारा सबक सिखाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आप अच्छी तरह जानते हैं कि वर्तमान सरकार कैसी है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा आपने अलीबाबा और 40 चोरों की कहानी सुनी है। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया के राज्य में 40 डोंगी मंत्री इसकी प्रत्यक्ष नकल हैं। सरकारी खजाना लूट लिया गया। सरकारी खजाना खाली था। आप और कहां से चोरी कर सकते हैं? उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस सरकार ऐसी बातें कर रही है जैसे कह रही हो, चलो हर किसी की जेब में हाथ डालो और वहां से चोरी करो। फिर खजाना भरने के लिए कीमतें बढ़ा रही है और वहां से लूट रही है। कांग्रेस सरकार ने 48 सार्वजनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर लगाया है। जिन दो परिसंपत्तियों पर कर नहीं लगता वे समुद्र और वह हवा हैं, जिसे हम सांस के रूप में लेते हैं। उन्होंने मजाक में कहा कि उन पर कोई कर नहीं लगाया गया। हमने तय किया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता ही मालिक है।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ स्वास्तिक सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में सोमवार को क्लाशिपाल्यम स्थित ट्रस्ट कार्यालय में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी तिथि त्यौहार पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश मित्तल, अध्यक्ष विमल कुमार सरावगी, उप चेयरमैन श्याम लाल बंसल, बिनोद अग्रवाल, शैलेन्द्र मित्तल, नरेश अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अध्यक्ष विमल सरावगी ने कहा कि यह तिथि त्यौहार पुस्तिका हमारे सनातन चैत्र मास के अवसर पर हर वर्ष वितरित किया जाता है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंजर के पास एक भयानक दुर्घटना में परमूड के 27 वर्षीय युवक की जान चली गई।

रिपोर्ट के अनुसार, मृतक जोशवा ईस्टर का सामान खरीदकर अपने दोस्तों के साथ मेंगलूरु से लौट रहे थे, तभी सड़क पर एक गड्ढे में कार का नियंत्रण खत्म हो गया। मोड़ पर वाहन पलट गया, जिसके परिणामस्वरूप यह दुखद घटना हुई। जोशवा आईसीवाईएम बाजपे इकाई के एक सक्रिय सदस्य थे और समुदाय के प्रति अपनी निस्वार्थ सेवा के लिए जाने जाते थे। उनके नेतृत्व गुणों और सभी के साथ अच्छे संबंधों के कारण पैरिशियन उनका बहुत सम्मान करते थे। मंगलवार शाम 4 बजे सेंट जोसेफ चर्च, बाजपे में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

स्मार्ट मीटर अनियमितताओं की जांच के लिए लोकायुक्त से शिकायत: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने कहा कि स्मार्ट मीटर मुद्दे में अनियमितताओं की दर्जनों शिकायतें हैं, जिन्हें लोकायुक्त के संज्ञान में लाया गया है।

लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा हमने लोकायुक्त को भी भ्रष्टाचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। हमने सीधे लोकायुक्त एसपी से शिकायत की है। उन्होंने कहा कि

उन्होंने अनुरोध किया है कि कार्रवाई की जाए और एक तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचा जाए। हमने भ्रष्टाचार रोकने के लिए यह शिकायत दर्ज कराई है। इस प्रकार युद्ध शुरू हो गया है। मंत्री के.जे. जॉर्ज ने 9 झूठ बोले। हमने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा भी की। उन्होंने इस प्रश्न के उत्तर में कहा कि इसका बहुत दुरुपयोग हुआ है तथा उपभोक्ता ऐसा कर रहे हैं, जबकि उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं है। ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज, प्रधान सचिव गौरव गुप्ता, बीईएस्कॉम के एमडी. महंतेश, तकनीकी निदेशक रमेश, बालाजी और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने उन पर राजश्री नामक एक प्लम्बर को ठेका देकर अपने पद का दुरुपयोग करने तथा सभी कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

कानून में उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटर अनिवार्य बनाने का कोई प्रावधान नहीं है। फिर भी इसे अनिवार्य बना दिया गया है। इतना ही नहीं, उन्होंने एक काली सूची में डाली गई कंपनी के साथ समझौता किया है। इस मौके पर विधायक एस.आर. विश्वनाथ, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक धीरज मुनिराजू, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश और बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा उपस्थित थे।

नए क़ानूनों को छत्तीसगढ़ में शत-प्रतिशत लागू करें: शाह

नयी दिल्ली /रायपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अब तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए शीघ्र नए क़ानूनों को राज्य में शत-प्रतिशत लागू करने पर बल दिया।

श्री शाह ने सोमवार को छत्तीसगढ़ से समन्वय और तत्परता की अपेक्षा जताई और कहा कि नए कानूनों का उद्देश्य न्याय प्रक्रिया को सरल, तेज़ और अधिक जनोन्मुखी बनाना है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नयी दिल्ली स्थित नॉर्थ ब्लॉक में श्री अमित शाह से मुलाकात की।

श्री शाह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को लेकर समीक्षा की गई। इसके साथ ही नक्सलवाद के उन्मूलन, बस्तर के समग्र विकास और राज्य में सुरक्षा व न्याय तंत्र को तथा अधिक सशक्त बनाने पर

भी चर्चा हुई।

बैठक में छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा सहित केन्द्रीय गृह मंत्रालय एवं राज्य सरकार के अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बैठक में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर चर्चा की गई। इसके साथ ही पुलिस, जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई।

श्री साय ने बैठक में बताया कि छत्तीसगढ़ में नए आपराधिक कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशासनिक व तकनीकी की तैयारियाँ पूरी की जा चुकी हैं। राज्य में 27 प्रकार की एसओपी और दिशा-निर्देश तैयार कर लागू किए गए हैं। इसके साथ ही लगभग 37,385 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।न्यायालयों, पुलिस थानों और जेलों को ई-साक्ष्य और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम से लैस किया गया है। राज्य में अब तक 53,981 एफआईआर नए कानूनों के तहत दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से लगभग 50 प्रतिशत मामलों में चालान प्रस्तुत हो चुके हैं।

बैठक में नक्सल समस्या के स्थायी समाधान के लिए भी विशेष रणनीति पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल के महीनों में राज्य में चलाए गए ऑपरेशनों में कई वांछित नक्सली मारे गए, गिरफ्तार हुए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। नियद नेलानार योजना, बस्तर ओलंपिक, महिला सुरक्षा केंद्र, और आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे व पर्यटन ढांचे का विकास जैसे प्रयासों से युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने का सार्थक प्रभाव पड़ा है।

मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि राज्य सरकार वर्ष 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने के लिए कटिबद्ध है और बस्तर को भारत के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।

श्री साय ने यह भी आश्वासन दिया कि छत्तीसगढ़ केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करेगा और देशभर में कानूनी सुधार की इस पहल को प्रभावी ढंग से लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

अमेरिका के बाद भारत चलाएगा चीन पर चाबुक!

लगाने वाला है ये टैरिफ, ड्रैगन को लगेगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत सरकार जल्द ही 12% का अस्थायी टैरिफ (सुरक्षा शुल्क) स्टील आयात पर लगाने जा रही है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस निर्णय का उद्देश्य चीन और अन्य देशों से हो रहे सस्ते स्टील इम्पोर्ट पर रोक लगाना है, जो पिछले कुछ वर्षों से देश की घरेलू स्टील मिलों के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। इस टैरिफ को सुरक्षा शुल्क कहा जा रहा है, जिसे लागू करने की सिफारिश व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने की थी। यह शुल्क 200 दिनों तक लागू रह सकता है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा क्रूड स्टील प्रोड्यूसर होने के बावजूद 2024-25 में लगातार दूसरे साल तैयार स्टील का नेट इम्पोर्टर बन गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार बीते साल भारत का तैयार स्टील आयात 9.5 मिलियन मीट्रिक टन पर पहुंच गया, जो कि 9 सालों में सबसे अधिक है। भारत के कुल स्टील इम्पोर्ट में चीन, दक्षिण कोरिया और जापान का योगदान 78% रहा है। इस बढ़ते आयात की वजह से देश की छोटी स्टील कंपनियां उत्पादन घटाने और नौकरियों में कटौती करने पर मजबूर हो गई हैं।

पिछले साल दिसंबर में डीजीटीआर ने जांच शुरू की थी कि क्या सस्ता स्टील इम्पोर्ट घरेलू कंपनियों को नुकसान पहुंचा रहा है। जांच में यह बात सामने आई कि विदेशी स्टील की बाढ़ से घरेलू उद्योगों का अस्तित्व खतरे में है। इसके बाद मार्च में डीजीटीआर ने 12% टैरिफ लगाने की सिफारिश की। यह सिफारिश अब वित्त मंत्रालय के पास विचाराधीन है और सूत्रों के अनुसार इसे जल्द ही लागू किया जा सकता है।

मुर्शिदाबाद हिंसा की एससी में सुनवाई के दौरान जस्टिस गवई बोले

क्या राष्ट्रपति को आदेश दें

केंद्रीय बलों की तैनाती से इनकार किया, वकील के दावों पर भी सवाल उठाए

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करने की याचिका पर कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अपील की थी कि वक्फ कानून के विरोध में हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद कोर्ट इस पर फैसला ले।

इस पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कोई आदेश नहीं दिया। बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- क्या आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को इसे लागू करने का आदेश भेजें? हम पर दूसरों के अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी के आरोप लग रहे हैं।

जस्टिस गवई अगले महीने सीजेआई बनने वाले हैं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को कहा था कि कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। वहीं, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बोले थे कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकते। जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं।

दूसरी ओर, जस्टिस सूर्यकांत की बेंच में मुर्शिदाबाद हिंसा से जुड़ी दूसरी याचिका पर सुनवाई हुई।

इसमें वकील ने मुर्शिदाबाद हिंसा के चलते लोगों के पलायन की बात कही। सुप्रीम कोर्ट ने वकील से सवाल किया कि आपकी इस सूचना का सूत्र क्या है, क्या आपने खुद जांच की थी। इस पर वकील ने जवाब दिया-मीडिया रिपोर्ट्स।

स्कॉटलैंड की संसद में पेश हुआ हिंदूफोबिया के खिलाफ कानून

हिन्दुओं से लगातार हो रहा भेदभाव : सांसद

ईडनबर्ग (स्कॉटलैंड), 21 अप्रैल (एजेंसियां)। स्कॉटलैंड की संसद में हिंदूफोबिया के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया गया है। यहाँ पहली बार हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर आधिकारिक रूप से निंदा की गई है। इस प्रस्ताव का नाम मोशन एस एम-17089 है। इसे एडिनबरा ईस्टर्न क्षेत्र की संसदीय सदस्य और अल्बा पार्टी की नेता ऐश रीगन ने पेश किया। इस प्रस्ताव का उद्देश्य स्कॉटलैंड में रहने वाले हिंदू समुदाय के साथ हो रहे भेदभाव, नफरत और समाज में उनकी अनदेखी के खिलाफ आवाज़ उठाना है।

संसद में पेश किए गए इस प्रस्ताव को कॉलिन बीट्टी, स्टेफनी कैलाघन और केविन स्टीवर्ट समेत कई सांसदों से समर्थन मिला है। इस प्रस्ताव में साफ तौर पर कहा गया है कि स्कॉटलैंड के हिंदू समुदाय को भेदभाव, बहिष्कार

स्कॉटलैंड संसद (बाएं), MSP ऐश रीगन (दाएं)

और नफरत का सामना करना पड़ रहा है।

ऐश रीगन ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा, स्कॉटलैंड की विविधता इसकी ताकत है। लेकिन हम पूर्वाग्रह से पीड़ित लोगों की आवाज़ों को अनदेखा करते हुए उस विविधता का जश्न नहीं मना सकते। यह प्रस्ताव सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है बल्कि यह एक ठोस बदलाव की माँग है।

दरअसल, इस प्रस्ताव को एक अहम रिपोर्ट के आधार पर पेश किया गया है। गांधिवादी शांति समाज की रिपोर्ट (जीपीएस) यानी 'हिंदूफोबिया को समझना, उसका समाधान खोजना और उसे खत्म करना' के आधार पर यह बात हो रही है।

रिपोर्ट को जीपीएस के महासचिव ध्रुव कुमार, जीपीएस के अध्यक्ष अनुरंजन झा, सुखी बैंस, अजित त्रिवेदी और इंडियन काउंसिल ऑफ स्कॉटलैंड एंड यूके के अध्यक्ष नील झाल ने लिखा है। रिपोर्ट में आँकड़े, पीड़ितों की गवाही और सच्ची घटनाएँ शामिल हैं।

रिपोर्ट में कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं, जिसमें मंदिरों पर हमले और तोड़फोड़, कार्यस्थल पर हिंदू कर्मचारियों के साथ भेदभाव, हिंदू त्योहारों और परंपराओं को लेकर मजाक, स्कूलों और सार्वजनिक जीवन में सांस्कृतिक अनदेखी और कई बार शारीरिक या मानसिक हमले शामिल भी शामिल की गई हैं। ये सारी घटनाएँ स्कॉटलैंड में रह रहे 30 हज़ार हिंदू आबादी से ली गई हैं।

स्कॉटलैंड हिंदूफोबिया के खिलाफ प्रस्ताव पेश करने वाला पहला देश नहीं है। हाल ही में अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में हिंदूफोबिया के खिलाफ विधेयक लाया गया था। इस कानून को सीनेट में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन सदस्यों ने समर्थन दिया है।

हालाँकि अभी यह विधेयक सीनेट से पास नहीं हुआ है। अगर यह पारित होता है तो हिंदूफोबिया को घृणा आधारित अपराधों में रखा जाएगा और इसके लिए हिंदू हितों की रक्षा संबंधित नियम बनाए जाएँगे।

मोदी और जेडी वेंस की हुई मुलाकात, प्रधानमंत्री आवास में अमेरिकी उपराष्ट्रपति का गर्मजोशी से हुआ स्वागत

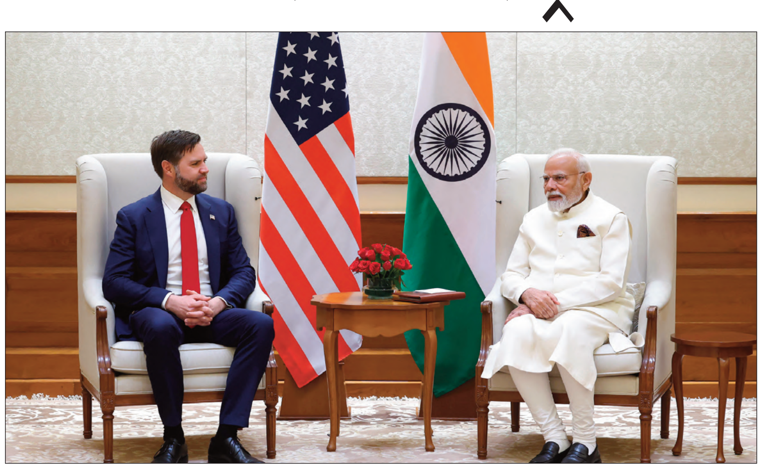

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस चार दिनों के दौरे के लिए भारत आए हैं। सोमवार सुबह 9 बजकर 45 मिनट पर उनका हवाई जहाज दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा। एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्हें रिसीव करने के लिए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव पहुंचे थे। भारत पहुंचे वेंस दौरे के पहले दिन शाम को पीएम नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए प्रधानमंत्री हाउस पहुंचे। यह दौरा दोनों देशों के बीच सहयोग के नए अवसर उत्पन्न करने और संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 7 लोक कल्याण मार्ग पर स्थित प्रधानमंत्री आवास पर पीएम नरेंद्र मोदी और जेडी वेंस के बीच मुलाकात हुई। पीएम मोदी ने वेंस की पत्नी और बच्चों से भी मिले। गर्मजोशी से वेंस परिवार का स्वागत किया गया। वेंस परिवार के लिए रेड कार्पेट बिछाया गया। जेडी वेंस पीएम मोदी से मिलने के लिए प्रधानमंत्री आवास पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दोनों के बीच भारत-अमेरिका व्यापार, टैरिफ मुद्दे, रक्षा सहयोग, क्वाड और रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा संभव है। यह यात्रा राष्ट्रपति ट्रंप के आगामी भारत दौरे की रूपरेखा तय करने और दोनों देशों के बीच चल रही टैरिफ वार्ता के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। साथ ही वेंस के लिए डिनर होस्ट किया जाएगा। जेडी वेंस का यह भारत दौरा बेहद ही खास है। वह अपने परिवार के साथ भारत आए हैं। पत्नी उषा, बच्चों इवान, विवेक और मीराबेल भी वेंस के साथ आए हैं। जेडी वेंस अमेरिका के उपराष्ट्रपति उपराष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार भारत की यात्रा पर रहे हैं।

इस दौरान जेडी वेंस और उषा वेंस के साथ उनके तीनों बच्चे भी प्रधानमंत्री आवास पर पहुंचे थे। जिन्हें भी पीएम मोदी प्यार से दुलारते दिखे हैं।

अब किसी भी उम्र के नाबालिगों का खुल सकेगा बैंक खाता : आरबीआई

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आज कहा कि अब किसी भी आयु के नाबालिग अपने अभिभावक के माध्यम से बैंक में बचत और सावधि जमा खाता खोल सकते हैं।

आरबीआई ने सोमवार को सभी वाणिज्यिक एवं सहकारी बैंकों को जारी अधिसूचना में नाबालिगों के लिए जमा खाता खोलने और संचालन से संबंधित नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जो 01 जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे। आरबीआई ने मौजूदा नियमों की समीक्षा कर इन्हें अधिक व्यावहारिक और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है।

नए दिशा-निर्देशों के तहत अब किसी भी आयु के नाबालिग अपने अभिभावक के माध्यम से बचत और सावधि जमा खाता खोल सकते हैं। साथ ही 10 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नाबालिग यदि सक्षम हों तो बैंक की जोखिम प्रबंधन नीति के तहत स्वतंत्र रूप से खाता खोलने और संचालित करने के पात्र होंगे।

आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि वयस्क होने पर खाताधारक के नए परिचालन निर्देश और हस्ताक्षर नमूने प्राप्त किए जाएंगे और यदि खाता अभिभावक द्वारा संचालित किया गया हो, तो शेष राशि की पुष्टि की जाएगी।

इसके अलावा बैंक अपनी आंतरिक नीतियों के अनुसार, नाबालिग खाताधारकों को एटीएम, डेबिट कार्ड, चेकबुक और इंटरनेट बैंकिंग जैसी सुविधाएं देने के लिए स्वतंत्र होंगे। केंद्रीय बैंक ने यह भी निर्देश दिया है कि नाबालिगों के खाते हमेशा क्रेडिट बैलेंस में रहने चाहिए और उनमें ओवरड्राफ्ट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

खाता खोलने और संचालन के दौरान बैंकों को ग्राहक की उचित जांच-पड़ताल करनी होगी और केवाईसी (अपने ग्राहकों को जानें) दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। आरबीआई ने बैंकों को सलाह दी है कि वे 01 जुलाई 2025 तक इन दिशा-निर्देशों के अनुरूप अपनी नीतियों में आवश्यक संशोधन कर लें, जबकि तब तक मौजूदा नीतियां प्रभावी बनी रहेंगी।

राजधानी लखनऊ पहुंचे प्रदेश भर के शिक्षक

सेवा सुरक्षा की बहाली के लिए भरी हुंकार

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में प्रदेशभर से जुटे शिक्षकों ने सेवा सुरक्षा की बहाली की मांग की और जोरदार हुंकार भरी। शिक्षकों ने शिक्षक सेवा सुरक्षा की धारा 12,18, एवं 21 को नए आयोग में जोड़ने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों की अगुवाई कर रहे उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड अधिनियम 1982 की धारा 12, 18 एवं 21 को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम 2023 से निष्कासित कर दिया गया है। इन तीनों धाराओं के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम 2023 में न होने से प्रदेश भर के सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों

की सेवा पर बुरा असर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जब से तीनों धाराएं समाप्त की गई है, प्रदेश में शिक्षकों का निलंबन और बर्खास्तगी का सिलसिला शुरू हो गया है। शिक्षक सेवा सुरक्षा के अभाव में भयभीत हैं। उन्होंने कहा कि सेवा सुरक्षा प्रदान करते हुए अशासकीय माध्यमिकों का पूरी तरह राजकीयकरण किया जाए।

प्रदेश संरक्षक डॉ. हरिप्रकाश यादव तथा प्रदेश प्रवक्ता श्रवण कुमार कुशवाहा ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड अधिनियम 1982 निरसित होने के कारण सहायक अध्यापक से प्रवक्ता पद पर पदोन्नति बीते डेढ़ वर्ष से बंद है और इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम 1921 प्रभावी है।

1921 के एक्ट के तहत जिला विद्यालय निरीक्षकों द्वारा सेवा संबंधी प्रकरणों में निर्णय दिए जा रहे हैं जबकि इस अधिनियम के अधीन निर्मित विनिमय में उल्लेखित पदोन्नति के प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है।

प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा और प्रदेश मंत्री संदीप शुक्ल ने कहा कि सेवा सुरक्षा की धारा 21 समाप्त होने से प्रदेश में शिक्षकों का शोषण एवं उत्पीड़न चरम पर है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर दीपक सिंह पुंडीर, प्रदेश मंत्री प्रमोद कुमार पाठक, पंकज सिंह, सुरेंद्र प्रताप सिंह, प्रमोद पाल, सुधाकर ज्ञानार्थी, बिरजू सरोज, विजय जायसवाल, देवराज सिंह, मुन्नालाल शाक्य, अजय वर्मा, सुशील कुमार, जयराम यादव, सृष्टि राज दुबे, अनिल यादव, सुरेश सिंह, कृष्णदत्त त्रिपाठी, सुभाष सिंह यादव, अटेवा के प्रदेश संगठन मंत्री भूरी सिंह एवं राजेश जायसवाल ने संबोधित किया।

यूपी के डीजीपी ने अखिलेश को दी मर्यादा में रहने की सलाह

जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग अफवाहें न फैलाएं

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी प्रशांत कुमार ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा पुलिस में जातिगत पोस्टिंग के दावों को पूरी तरह गलत और अफवाह करार दिया है। डीजीपी ने जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों से ऐसी भ्रामक टिप्पणियों से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही ऐसी सूचनाएं निराधार हैं और इनका खंडन करने के लिए संबंधित जिलों की पुलिस पहले ही आंकड़े जारी कर चुकी है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में ऐसी कोई गलत सूचना फैलाई जाती है, तो हम उसकी सच्चाई सामने लाएंगे। जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को ऐसी टिप्पणियां करने से बचना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिसकर्मियों की तैनाती प्रदेश के सभी जनपदों में निर्धारित मानकों के अनुरूप की गई है।

अखिलेश यादव के दावों के जवाब में आगरा पुलिस कमिश्नरेट ने आंकड़े जारी कर बताया कि

उनके यहां 39 प्रतिशत ओबीसी और 18 प्रतिशत एससी वर्ग के पुलिसकर्मी तैनात हैं, जबकि ओबीसी के लिए मानक केवल 27 प्रतिशत है। मैनपुरी पुलिस ने भी खुलासा किया कि उनके जिले में 31 प्रतिशत ओबीसी और 19 प्रतिशत एससी वर्ग के पुलिसकर्मी कार्यरत हैं। वहीं, चित्रकूट पुलिस ने बताया कि उनके 12 थानों में से तीन पर ओबीसी, दो पर एससी/एसटी और सात पर अन्य वर्ग के थानाध्यक्ष तैनात हैं। ऐसे ही प्रयागराज पुलिस ने भी अखिलेश यादव के पोस्ट पर जवाब देते हुए उसे असत्य बताया है। प्रयागराज पुलिस की ओर से बताया गया कि थाना प्रभारी की नियुक्ति के लिए कर्तव्यनिष्ठा, सत्यनिष्ठा, सामाजिक सद्भाव व जन शिकायतों के प्रति संवेदनशीलता के आधार पर योग्य कर्मचारियों का चयन किया जाता है। प्रयागराज में तैनात लगभग 40 प्रतिशत थाना प्रभारी ओबीसी और एससी/एसटी वर्ग से हैं। इन पदों पर नियुक्ति एक निष्पक्ष प्रक्रिया के द्वारा की जाती है।

डीजीपी ने कहा कि यूपी पुलिस का कर्तव्य है कि गलत सूचनाओं का खंडन कर सच्चाई जनता के सामने लाई जाए। उन्होंने सभी से अपील की कि भ्रामक जानकारी फैलाने से बचें और पुलिस व्यवस्था पर अनावश्यक सवाल न उठाएं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब अखिलेश यादव ने पुलिस पोस्टिंग में जातिगत भेदभाव का आरोप लगाया था, जिसके जवाब में यूपी पुलिस ने तथ्यों के साथ उनकी गलतबयानी को उजागर किया।

आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सत्य कुमार यादव ने आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

पांच अस्पतालों में बनेगा अमरनाथ यात्रा के लिए प्रमाणपत्र

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा के लिए अब लखनऊ के पांच अस्पतालों में स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनाए जाएंगे। इससे श्रद्धालुओं को भारी भीड़ से निजात मिलेगी। यात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर नौ अगस्त तक चलेगी। अमरनाथ श्रद्धालुओं को अब स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनवाने के लिए लंबी कतार नहीं लगानी होगी। अब जिले के पांच अस्पतालों में स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनेंगे। अभी तक दो ही अस्पतालों में इसकी सुविधा थी। यहां प्रमाणपत्र बनवाने में श्रद्धालुओं को काफी दिक्कत झेलनी पड़ रही थी। पांच अस्पतालों में स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनाने का आदेश जारी हो गया है। अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर नौ अगस्त को समाप्त होगी। श्रद्धालुओं का पंजीकरण 14 अप्रैल से शुरू हो गया है। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड ने स्वास्थ्य प्रमाणपत्र बनवाने के लिए सरकारी अस्पतालों की सूची जारी कर रखी है। सूची में इस बार लखनऊ के दो अस्पतालों (सिविल और आरएलबी संयुक्त अस्पताल) का ही नाम था। अब श्राइन बोर्ड ने संशोधित सूची ऑनलाइन जारी की है, जिसमें पांच अस्पतालों को प्रमाणपत्र जारी करने की अनुमति दी गई है।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

सैन्य ठिकानों पर हमलों की साजिश में दो युवक हिरासत में

संभल, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सैन्य ठिकानों पर हमले की साजिश के शक में यूपी एटीएस ने संभल से एक युवक और किशोर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। दोनों के मोबाइल फोन जब्त कर उसकी जांच की जा रही है। एटीएस ने दोनों युवकों को बिना सूचना शहर छोड़कर बाहर नहीं जाने की चेतावनी दी है और इस बारे में नोटिस भी दी है। उनके मोबाइल फोन एटीएस के कब्जे में हैं। शनिवार की रात में यूपी एटीएस की टीम संभल के मोहल्ला खास सराय पहुंची थी। जहां से युवक और एक किशोर को हिरासत में लिया था।

इन युवकों को लखनऊ लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद दोनों को संभल लाकर छोड़ दिया गया। टीम ने दोनों को बिना सूचना शहर न छोड़कर जाने संबंधी नोटिस दिया है। संभल पुलिस इस मामले में कुछ भी जानकारी से इन्कार कर रही है। संभल के एएसपी श्रीश्चंद्र ने इतना जरूर बताया कि यूपी एटीएस की टीम संभल आई थी। इसके बाद वह कहां गई और किससे पूछताछ की, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

एटीएस की पूछताछ के दायरे में आए दोनों युवकों में से एक 18 वर्ष का है। वह निजी इंटर कॉलेज में हाईस्कूल का छात्र है और मदरसे में भी पढ़ाई कर रहा है। दूसरा किशोर है और कक्षा 11 का छात्र है। दोनों के पिता ट्रांसपोर्ट का काम करते हैं। जिस युवक और किशोर से यूपी एटीएस की टीम ने पूछताछ की है, उनके खिलाफ स्थानीय थाने से अभी कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है।

24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुए दंगे के बाद संभल में हाई अलर्ट जारी है। दंगे के तार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े तो एजेंसियां और भी चौकन्नी हो गईं। अब शनिवार को सैन्य ठिकानों पर हमले की साजिश में संभल में छापे मारे गए। जिसके बाद एक बार फिर से संभल के लोग सहम गए हैं। पहले भी संभल का नाम कई बार आतंकी संगठनों के साथ नाम जुड़ चुका है। वर्ष 1998 के बाद से संभल के कुछ लोगों का नाम आतंकी गतिविधियों में सामने आया था। नवंबर 2023 में आईएसआईएस से कनेक्शन में संभल के दो युवा गिरफ्तार किए गए थे। इन युवाओं पर अन्य युवाओं को आतंक की राह पर लाने का आरोप लगा था। अभी मामला विचाराधीन है और दोनों युवा जेल में बंद हैं। दिल्ली के कई थानों में भी संभल के लापता युवाओं के फोटो चस्पा हैं। एक बार फिर यूपी एटीएस के संभल में छापे से तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गईं।

1998 में कई युवा अचानक संभल से लापता हो गए थे। उनकी कोई गुमशुदगी भी दर्ज नहीं हुई। कुछ समय बाद खुफिया एजेंसियों ने संभल पहुंचकर छानबीन की तो मालूम हुआ कि जो युवक लापता हुए थे, उनमें से कई ने आतंकवाद की राह चुन ली है और वह पाकिस्तान में हैं।

दीपा सराय निवासी मौलाना आसिम उमर उर्फ शन्नू अलकायदा का दक्षिण एशिया प्रमुख था, जो 1998 में लापता हुआ था और वर्ष 2016 में अमेरिका की ओर से विश्व के आतंकियों की सूची जारी होने पर उसका नाम प्रकाश में आया था। मौलाना आसिम उमर उर्फ शन्नू को वर्ष 2019 में अमेरिका और अफगानिस्तान की सेना के संयुक्त ऑपरेशन में मार दिया गया था।

संभल के दीपा सराय निवासी मोहम्मद आसिफ और जफर मसूद आतंकी गतिविधियों में शामिल होने को लेकर सात-सात साल की सजा काट चुके हैं।

यह दोनों अलकायदा की सहायक शाखा अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) के लिए काम करते थे। साजिश रचने के साथ ही आतंकी बनाने के लिए युवाओं को भर्ती करने का काम था। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 14 फरवरी 2023 को सात वर्ष से ज्यादा की सजा सुनाई थी। वर्ष 2015 से जेल में बंद थे तो सजा सुनाए जाने के कुछ समय बाद जेल से रिहा हो गए थे।

शहर के शरजील और सईद अख्तर भी 1998 में ही लापता हुए थे। इसमें सईद अख्तर आतंकी गतिविधियों में शामिल हो गया। इसकी जानकारी वर्ष 2005 में उस समय सामने आई जब दिल्ली से खुफिया एजेंसी की टीम छानबीन करने के लिए संभल पहुंची। इसी तरह शरजील की भी तलाश की गई। शरजील का फोटो दिल्ली के थानों में चस्पा है। जिसमें शरजील के आतंकवादी होने की जानकारी लिखी है। यही कारण है कि देश की कई खुफिया एजेंसियों की निगरानी संभल में रहती है। संभल के लापता युवाओं की खोजबीन भी यह एजेंसियां कर रही हैं।

आग ने मचाई तबाही

40 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख

बरेली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव सिंगरा में रविवार को आग लगने से हाहाकार मच गया। खेत में आग लगने से चालीस बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

फसल की बर्बादी देख किसान के आंसू छलक आए। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रंजिश में किसी ने फसल में आग लगा दी। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जानकारी के अनुसार रविवार को दोपहर करीब साढ़े तीन बजे मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव सिंगरा

में किसान शानू पुत्र मुन्ने के गेहूं के खेत में अचानक आग लग गई। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने गांव में सूचना दी। बड़ी संख्या में लोग आग बुझाने पहुंचे लेकिन आग विकराल होती गई।

इसके बाद लोगों ने फायर स्टेशन पर सूचना दी गई। फायर स्टेशन प्रभारी राजवीर सिंह टीम के साथ खेत पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, तब तक चालीस बीघा गेहूं जलकर राख हो गया। लगभग दस बीघा गेहूं बचा सके। लोगों ने बताया शानू पुत्र मुन्ने का खेत चुन्नी लाल पुत्र लोकीराम निवासी दुबाट थाना मिलक रामपुर ने ठेके पर लेकर गेहूं की फसल बोई थी। किसान का दो लाख रुपए से अधिक का नुक़सान हुआ है। उपजिलाधिकारी मीरगंज तृप्ति गुप्ता ने बताया कि राजस्व टीम को भेजकर आग लगने का कारण और नुकसान का आकलन कराया जाएगा। जांच के बाद पीड़ित किसान को उचित मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

आजमगढ़ के निजामाबाद की टेराकोटा कला को सरकार दे रही बढ़ावा

राजकीय बौद्ध संग्रहालय में होगी राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार ने एक जिला, एक उत्पाद के तहत आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दी है। सरकार अब आजमगढ़ के निजामाबाद की टेराकोटा कला (ब्लैक पॉटरी) से युवाओं को जोड़ने के लिए भी निरंतर पहल कर रही है।

इसी क्रम में संस्कृति विभाग द्वारा राजकीय बौद्ध संग्रहालय गोरखपुर के 39वें स्थापना दिवस पर आजमगढ़ (निजामाबाद) की टेराकोटा कला से परिचित कराने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला व प्रदर्शनी लगा कर युवाओं को मंच मुहैया कराया जाएगा। इसमें देश-प्रदेश के युवा हिस्सा लेंगे।

राजकीय बौद्ध संग्रहालय गोरखपुर के उप निदेशक डॉ. यशवंत सिंह राठौर ने बताया कि यह कार्यशाला चार मई से 10 मई तक होगी। इसके लिए निःशुल्क पंजीकरण कराया जा रहा है। यह पंजीकरण पहली मई तक चलेगा। इसमें पहले पंजीकरण कराने वाले देश-प्रदेश के 50 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। प्रतिभागी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। स्नातक, परास्नातक, शोधार्थी, अध्ययनरत व उक्त विषय में रूचि रखने वाले युवा इसमें हिस्सा ले सकते हैं।

डॉ. राठौर ने बताया कि 'वैश्विक बुद्ध एवं जातक कथाएं' विषयक राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी भी 8 से 17 मई तक चलेगी। इसमें भी 18 वर्ष से ऊपर के कलाकार हिस्सा ले सकेंगे। कलाकारों को प्रदर्शनी के लिए कलाकृतियां 30 अप्रैल तक गोरखपुर संग्रहालय में जमा करनी होंगी। ईमेल- सीरज्ञहीिीीशीास- ारळश्र.ले पर 25 अप्रैल तक कलाकृति की फोटो प्रेषित की जा सकती है।

संपादकीय

शिक्षा का विस्थापन

आखिर क्यों कोचिंग सेंटर की क्लास में स्कूली शिक्षा ही नहीं, पूरी पाठशाला पहुंच गई। अब शिक्षा की काबिलीयत में 'डमी एडमिशन' का फार्मूला ईजाद हो गया है। यानी 'दस्तखत पर चढ़ी सियाही ही फरेबी निकली, हमने तो पूरी जिंदगी लगा के मजमून लिखा था।' शिकायतें अब कहीं जाकर स्कूल बोर्ड के कानों में गूंजी, तो मालूम हुआ कि चंडीगढ़ में क्यों हिमाचली छात्र भागे-भागे घूम रहे हैं। शिक्षा की औकात बदलने की जद्दोजहद अगर स्कूल की नीयत में नहीं, तो कम से कम जो बच्चे करियर की तलाश में आगे बढ़ना चाहते हैं, उनके ऊपर नकेल क्यों। एक अनुमान के अनुसार चंडीगढ़ की कोचिंग में दस हजार से ऊपर हिमाचली बच्चे अपना मुस्तकबिल छान रहे हैं। इनमें से अस्सी फीसदी भी अगर स्कूली छात्र हैं, तो 'डमी एडमिशन' के इस खेल में चांदी ही चांदी है। शिक्षा में चांदनी की तलाश के पहिये अगर प्रदेश के बाहर घूम रहे हैं, तो शिक्षा बोर्ड बचाएगा किसे। क्या इससे स्कूल बच जाएंगे या निजी क्षेत्र की जमीन पर शिक्षा का व्यापार नहीं होगा। शिक्षा में घुसे व्यापार को सामाजिक अनुमति का ही प्रमाण मिला है कि चंडीगड़-हिमाचल के बीच इसकी दोहरी प्रणाली ने प्रदेश से शिक्षा का विस्थापन लिख दिया। मसला है भी यह कि क्यों धीरे-धीरे सरक कर हिमाचली शिक्षा ने उसूल बदल लिए, मां-बाप ने 'डमी एडमिशन' जैसा पाप कबूल कर लिया। क्या उनके पास और कोई चारा नहीं या शिक्षा का अचार अब आयातित सामग्री से ही बनता है। इससे शिक्षा बोर्ड को अगर कांटा लगा, तो जख्म सुखाने के लिए मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों का उपचार जरूरी है। नहीं होने चाहिएं अवैध धंधे, लेकिन पूछा तो यह भी जाएगा कि वार्षिक परीक्षाओं में विभागीय लियाकत क्यों दर्ज नहीं होती। निजी बनाम सरकारी स्कूलों के बीच आखिर इतनी मिट्टी क्यों पलीद हुई कि शिक्षा के कई शिविर, कई तरीके और कई अफसाने बन गए। अंततः लक्ष्य तो जीवन का है, तो क्या हिमाचली शिक्षा 'जीवन पढ़ाने' या जीवन में आगे बढ़ाने का इंतजाम कर रही है। आज अगर करियर का गुणात्मक पक्ष देखना हो, तो क्या हिमाचल का शिक्षा विभाग या बोर्ड किसी सरकारी स्कूल का पता देगा। हम 'डमी एडमिशन' के खिलाफ अभियान के साथ हैं, लेकिन हिमाचली बच्चों के करियर की तलाश से दूर कैसे हो सकते हैं। अंततः कोचिंग सेंटर अब एक संस्कृति, एक तरीका, एक पायदान और करियर की महत्त्वाकांक्षा का जरिया कैसे बन गए। क्यों पढ़ाई सरकारी स्कूलों में मुकम्मल नहीं हो रही या यह छूट अभिभावकों को कैसे मिल गई कि बच्चों के अंधेरों को मिटाकर अगर रोशनी की तलाश है, तो एक हाथ कोचिंग, दूसरे में 'डमी एडमिशन' का बंदोबस्त जरूरी है। हम इसे अभिभावकों की भेड़चाल करार दें या निजी स्कूलों व कोचिंग केंद्रों की अवैध संलिप्तता मानें, मगर शिक्षा की ऐसी परिणति के लिए सरकारी क्लास रूम की विफलता भी तो माननी पड़ेगी। यह हालत एक दिन में नहीं हुई, बल्कि जब इसकी शुरुआत हुई, तो शिक्षा को चलाने वाले अनभिज्ञ बने रहे। शिक्षा का गुणात्मक पक्ष किसकी वजह से हारा, इस पर भी तो बहस हो। आखिर शिक्षा का अपना मॉडल है क्या। यह क्यों सरकारी और निजी परिसर में अलग-अलग दिखाई दे रहा। जहां तक स्कूल शिक्षा बोर्ड का सवाल है, यह संस्थान परीक्षा बोर्ड ही साबित हुआ है। जाहिर है दसवीं की परीक्षा के बाद बारहवीं में कदम रखते ही जिंदगी में आगे बढ़ने के संकल्प और भविष्य के पन्ने खुल जाते हैं। ऐसे में आगे प्रोफेशनल कालेजों की प्रवेश परीक्षाओं और जमा दो की आम परीक्षाओं के बीच सपनों और हकीकत के बीच एक अंतरंगी संसार का उदय होता है। इन क्षणों का दबाव क्या हिमाचल के शिक्षा विभाग व बोर्ड ने महसूस किया। अगर स्कूल शिक्षा बोर्ड को इस कसौटी पर उत्तीर्ण घोषित होना है, तो सर्वप्रथम कुछ मॉडल स्कूल बनाकर करियर की तैयारी में, स्कूल के अंतिम दो सालों में सार्थक ऊर्जा का संचार करे। मैट्रिक परीक्षा के बाद शिक्षा की करवट, करियर की तलाश तक जारी रहती है।

अब शिक्षा की काबिलीयत में 'डमी एडमिशन' का फार्मूला ईजाद हो गया है। यानी 'दस्तखत पर चढ़ी सियाही ही फरेबी निकली, हमने तो पूरी जिंदगी लगा के मजमून लिखा था।' शिकायतें अब कहीं जाकर स्कूल बोर्ड के कानों में गूंजी, तो मालूम हुआ कि चंडीगढ़ में क्यों हिमाचली छात्र भागे-भागे घूम रहे हैं। शिक्षा की औकात बदलने की जद्दोजहद अगर स्कूल की नीयत में नहीं, तो कम से कम जो बच्चे करियर की तलाश में आगे बढ़ना चाहते हैं, उनके ऊपर नकेल क्यों। एक अनुमान के अनुसार चंडीगढ़ की कोचिंग में दस हजार से ऊपर हिमाचली बच्चे अपना मुस्तकबिल छान रहे हैं। इनमें से अस्सी फीसदी भी अगर स्कूली छात्र हैं, तो 'डमी एडमिशन' के इस खेल में चांदी ही चांदी है। शिक्षा में चांदनी की तलाश के पहिये अगर प्रदेश के बाहर घूम रहे हैं, तो शिक्षा बोर्ड बचाएगा किसे।

आप का नजरीया

राज्यपाल के दायित्व

संविधान में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की भूमिका, लक्ष्मण-रेखाएं और मर्यादाएं स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं। सभी अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र हैं। कोई भी अन्य के विशेष क्षेत्र में दखल नहीं दे सकता। संविधान का अनुच्छेद 122 संसद की कार्यवाही की वैधता को प्रक्रियागत अनियमितता के आधार पर चुनौती देने से रोकता है। यह संसद के आंतरिक मामलों को न्यायिक समीक्षा से सुरक्षित रखता है और इसकी विधायी स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इस संवैधानिक व्यवस्था के बावजूद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को यह बयान देना पड़ा कि अनुच्छेद 142 न्यायपालिका के लिए 'परमाणु मिसाइल' बन गया है। यह मिसाइल 24 घंटे न्यायपालिका को हासिल है। उपराष्ट्रपति देश का दूसरा सर्वोच्च संवैधानिक पद है। उन्होंने कहा है कि सर्वोच्च अदालत देश के राष्ट्रपति को निर्देश नहीं दे सकती। कुछ सेवानिवृत्त न्यायमूर्तियों ने स्पष्ट किया है कि देश के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने राष्ट्रपति को कोई भी, किसी भी तरह का, निर्देश नहीं दिया है। यह पीठ का फैसला पढ़ कर समझा जा सकता है। दरअसल चर्चा उस प्रकरण के संदर्भ में शुरू हुई थी, जब तमिलनाडु के राज्यपाल ने विधानसभा से पारित विधेयकों पर मुहर नहीं लगाई थी और उन्हें दबा कर बैठे थे। ऐसा कई राज्यपाल गैर-भाजपा शासित राज्यों में कर रहे हैं। यह रिकॉर्ड देखा जा सकता है। सर्वोच्च अदालत ने अनुच्छेद 142 के तहत विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए न केवल उन विधेयकों को कानून बना दिया, बल्कि राज्यपाल के लिए निर्देश भी तय कर दिए। बेशक राष्ट्रपति को न तो निर्देश दिए जाते और न ही 'परमाणु मिसाइल' की स्थिति बनी है। भारत में राष्ट्रपति केंद्रीय कैबिनेट की सलाह पर काम करते हैं। गृह मंत्रालय में उपसचिव अथवा वरिष्ठ स्तर के अधिकारी तय किए जाते हैं, जो राष्ट्रपति के आधार पर निर्णय लेते हैं और फिर राष्ट्रपति उस फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं। बेशक सर्वोच्च अदालत गृह मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दे सकती है। दलीलें यहां तक दी गईं कि राष्ट्रपति देश के प्रधान न्यायाधीश और सर्वोच्च अदालत के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं। एक नौकर नियोक्ता को निर्देश कैसे दे सकता है? दरअसल ऐसे निर्णय भी सरकार और कैबिनेट के स्तर पर लिए जाते हैं और फिर संबद्ध मंत्रालय द्वारा भेजी गई फाइल पर राष्ट्रपति हस्ताक्षर करते हैं। राष्ट्रपति एक मायने में, लिखित रूप से, नियोक्ता हैं और सरकार की कार्यप्रणाली के मुताबिक, नियोक्ता नहीं भी हैं। हमें नहीं लगता कि न्यायपालिका ने संवैधानिक लक्ष्मण-रेखाओं को पार किया है। बल्कि ऐसी हरकत भाजपा सांसदों ने की है। झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा-'इस देश में जितने गृहयुद्ध हो रहे हैं, उनके जिम्मेदार केवल यहां के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस संजीव खन्ना साहब हैं।' भाजपा सांसद ने यहां तक आरोप लगाया कि अदालत इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहती है। अदालत राष्ट्रपति को निर्देश कैसे दे सकती है? आपने नया कानून कैसे बना दिया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन माह में ही फैसला लेना है? बहरहाल भाजपा नेतृत्व ने यह अच्छा किया कि सांसदों की ऐसी टिप्पणियों से किनारा कर लिया और ऐसे बयानों को खारिज कर दिया। अलबत्ता यहां से राजनीति नया तूल ले सकती थी। सर्वोच्च अदालत ने भी कोई संज्ञान नहीं लिया और ऐसे बयानों को नजरअंदाज कर दिया। आजकल अधिकतर राज्यपाल 'राजनीतिक' होते हैं, लिहाजा बिलों को दबाते रहते हैं। पारित बिलों पर कुंडली मार कर बैठना उचित और संवैधानिक नहीं है।

विधानसभा में एक तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है जो यह बताएगी कि कैसे तमिलनाडु को एक स्वायत्त राज्य बनाया जा सकता है

तमिलनाडु की स्वायत्तता की मांग : संघीय ढांचे की परीक्षा

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

राजनीतिक दल सत्ता लोलुप होते हैं और इसकी प्राप्ति के लिए निरन्तर उपक्रम करते रहते हैं। इसके निमित्त कई बार ये संविधान के परित: जाकर कार्य करते हैं। यह परम्परा भारत जैसे देश में भी याद-कदा देखने को मिलती है। हाल ही में तमिलनाडु में कुछ ऐसा घटित हुआ है जिससे भारतीय राजनीति में भूचाल आ सकता है। तमिलनाडु के मुख्यमन्त्री एम.के. स्टालिन द्वारा 15 अप्रैल को अपने राज्य को स्वायत्तता प्रदान करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। वस्तुत: इस घटना से एक बार पुन: केंद्र और राज्य के मध्य टकराहट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1 यह कहता है कि 'भारत राज्यों का संघ (यूनियन) होगा'।

लोकतन्त्र वर्तमान शासन प्रणाली का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण एवं लोकप्रिय स्वरूप है। इसकी आत्मा संविधान में निहित है। संविधान किसी भी देश की राजनीति का मार्गदर्शक है। राजनीति के उद्देश्यों का साधन राजनीतिक दल हैं। राजनीतिक दल सत्ता लोलुप होते हैं और इसकी प्राप्ति के लिए निरन्तर उपक्रम करते रहते हैं। इसके निमित्त कई बार ये संविधान के परितः जाकर कार्य करते हैं। यह परम्परा भारत जैसे देश में भी याद-कदा देखने को मिलती है। हाल ही में तमिलनाडु में कुछ ऐसा घटित हुआ है जिससे भारतीय राजनीति में भूचाल आ सकता है। तमिलनाडु के मुख्यमन्त्री एम.के. स्टालिन द्वारा 15 अप्रैल को अपने राज्य को स्वायत्तता प्रदान करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है। वस्तुतः इस घटना से एक बार पुनः केंद्र और राज्य के मध्य टकराहट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1 यह कहता है कि 'भारत राज्यों का संघ (यूनियन) होगा'। अर्थात भारत नश्वर राज्यों का अनश्वर संघ है, जिसमें राज्य तो विभाज्य हो सकते हैं परन्तु संघ का विभाजन नही हो सकता है। अब प्रश्न उठता है कि क्या तमिलनाडु के मुख्यमन्त्री का यह निर्णय संवैधानिक है? क्या कोई इकाई भारतीय संघ से अलग हो सकती है? इन प्रश्नों की पड़ताल करना संविधान और राजनीति में रुचि रखने वालों के लिए स्वाभाविक है। इन प्रश्नों का विश्लेषण करने के पूर्व यह जानना जरूरी है कि इस विवाद के पीछे असल वजह क्या है? विगत 15 अप्रैल को एम.के. स्टालिन ने विधानसभा में एक तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है जो यह बताएगी कि कैसे तमिलनाडु को एक स्वायत्त राज्य बनाया जा सकता है। ऐसा उन्होंने विधानसभा के नियम संख्या 110 के अंतर्गत स्वप्रेरणा से की। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ करेंगे। इसके अन्य सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी के. अशोक वर्धन शेट्टी और राज्य योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष एम. नागनाथन होंगे। इन तीनों का सम्बन्ध स्टालिन के राजनीतिक दल से है। यह समिति एक वर्ष में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी और उसके बाद इस पर कोई निर्णय लिया जाएगा। तमिलनाडु में अगले वर्ष चुनाव है और ऐसा प्रतीत होता है कि यह निर्णय पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। बहरहाल इस समिति का उद्देश्य संविधान, कानूनों और नीतियों में निहित केंद्र-राज्य संबंधों के

प्रावधानों की समीक्षा करना, राज्यों की स्वायत्तता को बढ़ावा देना तथा राज्य सूची से समवर्ती सूची में डाले गए विषयों को पुनः राज्यों को सौंपने हेतु सुझाव देना है। समिति उन प्रशासनिक चुनौतियों पर भी विचार करेगी, जिनका सामना राज्य सरकारें कर रही हैं। इसका अर्थ यह है कि स्टालिन केवल तमिलनाडु तक स्वयं को सीमित नही कर रहे हैं बल्कि वे तमिलनाडु को अन्य राज्यों के मॉडल के रूप में पेश करने की जुगत में हैं। स्टालिन ने अपने पक्ष में कई तरह के तर्क प्रस्तुत किए मसलन वित्तीय स्वायत्तता, राज्यों के अधिकारों में अनवरत कटौती, परिसीमन, त्रिभाषा और शिक्षा नीति इत्यादि। हाल ही में ए.आई.डी.एम.के. और भा.ज.पा. के मध्य गठजोड़ (एन.डी.ए) होने के बाद तमिलनाडु में राजनीति गरम हो गई है। डी.एम.के. का उत्तर भारत से सदैव से छत्तीस का आकड़ा रहा है। अब भा.ज.पा. वहाँ मुख्य विपक्ष के तौर पर है तो तमिलनाडु सरकार को भा.ज.पा. का प्रतिकार करने का स्वर्णिम अवसर मिल गया है। भाषा इसमें बड़ा मुद्दा है। वहाँ की जनता को यह कहकर आसानी से गुमराह किया जा सकता है कि भा.ज.पा. जबरन हम पर हिन्दी थोप रही है, जब अंग्रेज इसे लागू नही कर सके तो ये कैसे करेंगे। वस्तुतः 2024 के चुनाव के लोकसभा चुनाव में भा.ज.पा. का मतदान प्रतिशत तमिलनाडु बढा है जो लगभग 18 प्रतिशत हो गया है। स्टालिन को हो सकता है कि यह डर सता रहा हो कि अगले चुनाव में एन.डी.ए कहीं उनसे सत्ता न छीन ले। कदाचित यही कारण है कि वे तमिल जनता की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए प्रयासरत हैं। इसी वजह से डी.एम.के. प्रमुख कभी हिन्दी को लेकर तो कभी भारतीय मुद्रा के चिह्न को लेकर केंद्र सरकार के विरुद्ध मोर्चा खोले हुए हैं। परिसीमन को लेकर भी डी.एम.के. मुखर है। नई लोकसभा के उद्घाटन के बाद से ही अनवरत यह मुद्दा उठता रहा है कि नए परिसीमन के बाद दक्षिण की सीटें कम ना हो जाएं क्योंकि परिसीमन का आधार आबादी है और 1971 के बाद दक्षिण ने तो अपनी जनसंख्या को जहां नियंत्रित रखा है वहीं उत्तर भारत की जनसंख्या में इजाफा हुआ है। इस नजरिए से दक्षिण की तुलना में उत्तर को अधिक सीटें मिलेगी। हालांकि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार ने अपनी सफाई दी है कि फिलहाल परिसीमन कराने का कोई इरादा नही है। भले ही केंद्र ने स्पष्टीकरण दिया हों लेकिन डी.एम.के. द्वारा उठाए जा रहे इस मुद्दे में दम है। स्टालिन ने वित्तीय आधार पर भी केंद्र का प्रतिकार किया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद तमिलनाडु को राजस्व में भारी नुकसान हुआ है। उसे उसके योगदान के बदले केवल 29 पैसे प्रति रुपये मिलते हैं, जो अन्यायपूर्ण है जबकि भारत में तमिलनाडु सकल घरेलू उत्पाद में दूसरे स्थान का राज्य है। उन्होंने डॉ. अंबेडकर का हवाला देते हुए केंद्र और राज्य के बीच समन्वयपूर्ण कार्य की आवश्यकता पर बल दिया। स्टालिन ने मेडिकल प्रवेश हेतु एनईईटी परीक्षा को राज्य की शिक्षा नीति के विरुद्ध बताया है। उनकी यह धारणा है कि यह परीक्षा ग्रामीण तथा आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के हितों के विरुद्ध है और कोचिंग संस्थानों को बढ़ावा देती है। अतः तमिलनाडु के छात्रों को मेडिकल में प्रवेश उनके ही राज्य में 12 वीं के अंक के आधार पर मिले। वे अब यह भी लड़ाई लड़ रहे हैं कि शिक्षा को पुनः राज्य सूची का विषय बना दिया जाए। ऐसा प्रतीत होता है कि स्टालिन केंद्र से अन्तिम लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं और सौभाग्य से यह अवसर उन्हे विगत 8 अप्रैल को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा तमिलनाडु के राज्यपाल के विरुद्ध दिए गए फैसले से मिल गया है। हो सकता है इससे स्टालिन का मनोबल बढ़ा हो और कदाचित इसी कारण उन्होंने इस विशेष कमेटी का गठन किया है। इस प्रकार उक्त टकराव के पीछे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने जो भी तर्क दिए हैं उनमें से अधिकांश तर्क राजनीति से प्रेरित प्रतीत होते हैं। परिसीमन और राज्यपाल के द्वारा अनुच्छेद 200 के दुरुपयोग को छोड़ दिया जाय तो उनके किसी भी तर्क में दम नही दिखता है। जहां तक राज्यपाल का प्रश्न है तो यह एक ऐसा संवैधानिक पद है जिसको लेकर 1950 के दशक के आखिरी वर्षों से लेकर अब तक केंद्र और राज्य के बीच विवाद बना हुआ है। अब इस मूल विषय पर आते हैं कि क्या स्टालिन तमिलनाडु को भारतीय संघ से अगल कर पाएंगे, जवाब है नही क्योंकि केंद्र के पास रक्षा, संचार और विदेशी संबंध का असीमित अधिकार है और इसके होते हुए तमिलनाडु कुछ नही कर सकता।

कुछ अलग

थाने की छत पर पेड़

पुलिस थाने का पेड़ बिना बताए ढह गया। पुलिस ने यूं तो कई पेड़, कई भवन और लोग ढहते देखे, लेकिन यह मंजर भयानक था। आधा पेड़ थाने की छत पर और आधा बाहर सडक़ से गुजर रही बस की छत पर था। कार्रवाई के लिए चश्मदीद गवाह ढूंढे गए। स्वयं थानेदार सतर्क थे, आखिर उनकी छत का मामला था। जनता पहली बार पुलिस को पेड़ से लड़ता देखकर खुश थी, लेकिन चश्मदीद गवाह बनने को तैयार नहीं थी। खैर थानेदार का अनुभव काम आया, लिहाजा उन्होंने थाने को गुलजार कर रहे सिपाहियों को तुरंत पेड़ गिरने का चश्मदीद गवाह बना दिया। बस और बस के ऊपर गिरे हुए पेड़ के एकमात्र गवाह यही कांस्टेबल थे। बस की छत पर चढ़ने को कहा तो आधे असमर्थ हो गए। अंततः घोषणा हुई, 'बढ़े हुए पेट वाले सुरक्षा कारणों से बस के ऊपर न चढ़ें। महिला कांस्टेबलों को भी रोका गया, लेकिन इस तमाशे में ट्रैफिक जाम हो गया। यूं तो पुलिस अपनी यूनिफार्म में किसी को भी नीचे उतार सकती है, लेकिन यहां अपनी छत से पेड़ नीचे उतारने में महकमे की ट्रेनिंग विफल हो रही थी। एक बार तो थानेदार ने सोचा कि लॉकअप में रखे कुछ भरोसेमंद अभियुक्तों से ये काम ले लें। भरोसा इसलिए था क्योंकि कई चेहरे पुलिस की जान-पहचान के ही थे, बल्कि जरूरत पडने पर ये लोग इशारे पर कुछ भी कर सकते थे और करते रहे हैं। फिर ख्याल आया, बड़े साहब कहीं बुरा न मना लें। याद आया, 'आज तो साहब की कोठी पर ताजा सब्जी और खूब पके हुए फल भी रवाना नहीं हुए। सडक़ को ट्रैफिक जाम ने रोक लिया तो कल्लू मियां को रेहड़ी भी कहां लगवाते। आधा काम तो कल्लू मियां भी कर देता है। वह रोजाना मुफ्त में सब्जी नहीं, कई बार रेहड़ी में थाने की हिस्सेदारी में आया माल भी छिपा लेता है, यहां तक कि वक्त आने पर चिट्टे की खेप को किलो से घटाकर मिलीग्राम बना देता है।' थानेदार साहब बाहर निकले और जनता से अमन और अपने बचाव की अपील की।

देश दुनिया से

रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन की नई अहमियत

इस समय भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित नए द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) के तहत भारत के द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले कृषि उत्पादों के निर्यात के मद्देनजर टैरिफ कटौती के लिए सहमति के संकेत उभरकर दिखाई दे रहे हैं। भारत ने अमेरिका को बादाम, अखरोट, क्रैनबेरी, पिस्ता और दाल जैसे कृषि उत्पादों पर शुल्क में कटौती पर सहमति के संकेत दिए हैं। ऐसे में भारत के खाद्यान्न और खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों के निर्यात के मौके अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में बढ़ते हुए दिखाई दे सकेंगे और भारत इससे लाभान्वित होगा। गौरतलब है कि जिस तरह पांच साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के हथियार बन गए थे, उसी प्रकार इस समय अमेरिका के टैरिफ की मार के साथ-साथ शुल्क व गैर शुल्क बाधाओं को कम करने से होने वाली किसी भी प्रकार की हानि को कम करने के मद्देनजर देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और रिकॉर्ड खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद एक मजबूत हथियार दिखाई दे रहे हैं। चूंकि इस वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर खाद्यान्न उत्पादन में कमी के आकलन प्रस्तुत हुए हैं, ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में होने वाली 3 से 3.5 फीसदी हानि की बहुत कुछ भरपाई खाद्यान्न और कृषि प्रसंस्करण के निर्यात से भी की जा सकेगी। निश्चित रूप से देश में बढ़ता खाद्यान्न उत्पादन और मजबूत होती ग्रामीण आर्थिकी देश की आर्थिक शक्ति बन गई है। प्रधानमंत्री मोदी के मुताबिक इस समय भारत दुनिया की नई खाद्य टोकरी और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के प्रतिबद्ध देश के रूप में रेखांकित हो रहा है। हाल ही में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा

में कहा कि इस समय देश में खाद्यान्न के भंडार भरे हुए हैं और खाद्यान्न उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। यदि हम वर्ष 2024-25 के लिए जारी मुख्य कृषि फसलों (खरीफ एवं रबी) के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान की ओर देखें तो पाते हैं कि चावल, गेहूं, मक्का, मूंगफली एवं सोयाबीन के साथ-साथ तुअर और चना के भी रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद जताई गई है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि देश में कुल रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन 33 करोड़ टन से भी अधिक होने का अनुमान है। इसी तरह फल और सब्जी उत्पादन में भी तेज वृद्धि होगी। इतना ही नहीं वर्ष 2024-25 की सकल घरेलू उत्पाद में (जीडीपी) में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के योगदान में 4.6 फीसदी वृद्धि हो सकती है। पिछले वर्ष यह वृद्धि दर 2.7 फीसदी थी। इस तरह जहां देश में खाद्यान्न की कमी से खाद्यान्न अधिशेष की ऊंचाइयां देश के लिए लाभप्रद बन गई हैं, वहीं भारत का खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोससिंग) सेक्टर भी ट्रंप के टैरिफ से जंग में भारत की आर्थिक ताकत दिखाई दे रहा है। यह एक ऐसा उभरता उद्योग है जिसमें पिछले 10 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हुआ है। देश के कुल कृषि निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13.7 से बढक़र करीब 24 प्रतिशत हो गई है। इस परिप्रेक्ष्य में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) की खाद्य प्रसंस्करण पर प्रकाशित शोध अध्ययन रिपोर्ट उल्लेखनीय है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खाद्य प्रसंस्करण का क्षेत्र वर्ष 2023 में 307 अरब डॉलर का था, यह तेजी से बढक़र वित्त वर्ष 2030 तक 700 अरब डॉलर, वर्ष 2035 तक 1100 अरब डॉलर, वर्ष 2040 तक 1500 अरब डॉलर और वर्ष 2047 तक 2150 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद है। पीएचडीसीसीआई ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि भारत से कृषि और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर से निर्यात में तेज वृद्धि हो रही है। वर्ष 2013-14 में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों का जो निर्यात 39 अरब डॉलर था, वह बढक़र वर्ष 2022-23 में 52 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से निर्यात लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2030 तक 125 अरब डॉलर, वर्ष 2035 तक 250 अरब डॉलर, वर्ष 2040 तक 450 अरब डॉलर और वर्ष 2047 तक 700 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच जाएगा। निःसंदेह ट्रंप की टैरिफ चुनौती का मुकाबला करने की डगर पर भारत के लिए कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन महत्वपूर्ण बन गया है। कृषि के बुनियादी ढांचे और निवेश पर पिछले एक दशक में रणनीतिपूर्वक ध्यान दिए जाने के अच्छे परिणाम मिले हैं। सूचना प्रौद्योगिक तक पहुंच में वृद्धि ने ग्रामीण-शहरी दूरियों में कमी ला दी है। भारतीय किसान तेजी से डिजिटल पेमेंट, फसल बीमा और बैंकों से औपचारिक ऋण की सुविधाओं की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं।

भारत की विरासत

हैदराबाद

चारमीनार

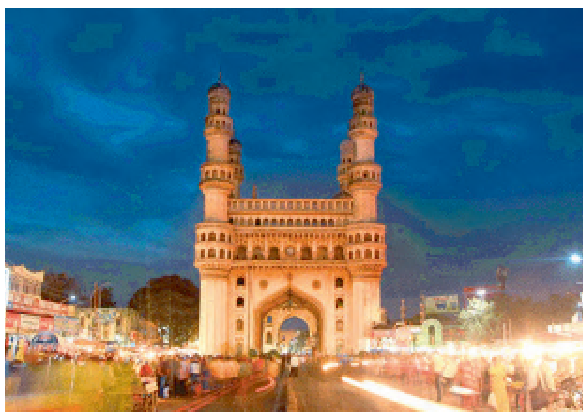

यह हैदराबाद शहर के हृदय में समृद्ध सांस्कृतिक जीवंतता को प्रदर्शित करने वाली प्रसिद्ध वास्तुकला है। 1951 में सुल्तान मुहम्मद कुली कुतुब शाह द्वारा निर्मित। यह क्षेत्र में घातक प्लेग के अंत का जश्न मनाने का प्रतीक है। इस स्मारक में जटिल सजावटी विवरणों के साथ अलग-अलग दिशाओं का सामना करने वाले 4 भव्य मेहराब हैं। पूरे डिज़ाइन में फ़ारसी और भारतीय शैलियों का मिश्रण देखा जा सकता है। चारमीनार के ऊपर एक छोटी मस्जिद प्रार्थना के लिए एक शांत स्थान प्रदान करती है। पूरा क्षेत्र समृद्ध विविधता और ऐतिहासिक महत्व प्रदान करता है, जिसमें रात में चमकती रोशनी हैदराबाद के पुराने शहर में आकर्षण जोड़ती है।

दृष्टि कोण

व्यवस्थाओं के दामन पर नशाखोरी के दाग

'उसी का शहर वही मुद्दई वही मुंसिफ हमें यकीं था हमारा कसूर निकलेगा। उस आस्तीन से अश्कों को पोंछने वाले उस आस्तीन से खंजर जरूर निकलेगा'। मारूफ शायर 'अमीर कजलबास' को शायद अंदाजा नहीं था कि उनकी नज्म के ये अल्फाज मुस्तकबिल में नशाखोरी की तिजारत में मुल्लविस सुरक्षा एजेंसियों तथा खियानत में डूबे मुल्क के निजाम की दास्तान को पूरी शिद्दत से बयान करेंगे। नशाखोरी, रिश्वतखोरी व कई घोटालों के बदनुमां दाग हमारी व्यवस्थाओं के दामन पर लग चुके हैं। नशे की अवैध तिजारत से हालात इस कदर बद्तर हो चुके हैं कि नशाखोरी के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली सामाजिक संस्थाएं सुरक्षा एजेंसियों को ड्रग्स तस्करों की खबर देने में दुविधा में हैं। कहीं खुद की शिनाख्त उजागर न हो जाए, इसलिए सभ्य समाज के लोग नशे के खिलाफ जंग का हिस्सा बनने से डर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मुखबिर बनकर नशे की मुखबिरी में कहीं खुद शरीक-ए-जुर्म साबित न हो जाए, इसलिए नशे जैसी बुराई को मिटाने का हलफ उठा चुके इंकलाबी युवा खौफजदा हैं। यानी खुदगर्ज की बस्ती में एहसान गुनाह साबित हो सकता है। चूंकि सामाजिक सुरक्षा का दायित्व निभाने वाली निगाहबान निगाहें भी कातिल नशे की तलबगार बन चुकी हैं। उच्च पदों पर विराजमान कई सरकारी अधिकारी भी चिट्टे जैसे नशे के शौकीन हैं। देश के संवेदनशील इदारों की सुरक्षा की जिम्मेवारी निभाने वाले कर्मचारी 'हनी ट्रैप' जैसे फ्रॉड में पकड़े जा रहे हैं। ताजिरात-ए-हिंद के पैरोकार भ्रष्टाचार में अपनी भागीदारी दर्ज करवा चुके हैं। प्रश्न यह है कि जब अदालत में मुलजिम खुद मुंसिफ व खुद ही मुद्दई होगा तो उसके एब-ओ-हुनर की तफ्तीश कौन करेगा? सुरक्षा एजेंसियों में तैनात अहलकार जब खुद नशाखोरी की अवैध तिजारत में गिरफ्तार हो रहे हैं, ड्रग्स के अवैध कारोबार की रोकथाम करने वाली जांच एजेंसियों के मुलाजिम भी नशे के काले कारोबार में हाथ आजमा रहे हैं, तो उनके गिरेबान में हाथ कौन डालेगा? मगर हमारे जम्हूरी निजाम में धरातल पर ये सब कुछ हकीकत में हो रहा है। धन

कुबेर बनने की जहालत भरी ख्वाहिश ने तमाम व्यवस्थाओं को रुसवा कर दिया है। नशे का गोरखधंधा अवैध तरीके से अकूत धन कमाने का बड़ा कारोबार बन चुका है, नतीजतन अमीर बनने की हसरत में सरकारी मुलाजिम भी जानलेवा नशे के ताजिर बन रहे हैं। हिमाचल के हमसाया सूबे पंजाब को वहां की हुकूमत नशामुक्त बनाने में जुटी है। पंजाब में नशाखोरी के खिलाफ 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान में नशा तस्करों के खिलाफ बुल्डोजर एक्शन भी हो रहा है। लेकिन इसके बावजूद सूबे में नशे का जहरीला कारोबार शबाब पर है। 'उड़ता पंजाब' में वर्दी की आड़ में नशा तस्करी के कई सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। हाल ही में महिला पुलिसकर्मी को ड्रग्स के साथ हिरासत में लिया गया है। नशा मजहब का हो, सियासी कद का हो, सरकारी पद का हो, मादक पदार्थों का हो या धन-दौलत का हो, कई रिश्तों को बेआबरू करने की कूवत रखने वाला नशा अपनी औकात जरूर दिखाता है। शायद इसीलिए कहा जाता है कि सदाकत, अखलाक, ईमानदारी व वफादारी बड़े महंगे शौक हैं। इन्हें हर कोई नहीं पाल सकता। उच्च अधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों की नशा तस्करों से रफाकत पशेमानी का विषय है। नशाखोरी जैसी मशकूक गतिविधियों में सुरक्षा एजेंसियों के अहलकारों की संलिप्तता से नशे के खिलाफ चल रही मुहिम पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। नशाखोरी से लोगों की जिंदगी को जहन्नुम बनाकर नशे के सरगना करोड़ों रुपए की अवैध सल्तनत खड़ी कर चुके हैं। नशे की ओवरडोज से हो रही दर्दनाक मौतें तस्दीक करती हैं कि बेआब नशेड़ी नशे की हिरासत में ही मरहूम हो रहे हैं। कुछ पलों के लिए सुकून का एहसास कराने वाला नशा युवा वेग को जिंदगी भर के लिए मफलूज कर रहा है। जिन नामुराद लबों को हेरोइन व सिंथेटिक ड्रग्स की लज्जत लग जाए, उनका नशे के बिना रहना लगभग नामुमकिन है। नशे की इल्लत ने नशेड़ी वर्ग को जुर्म की चौखट पर पहुंचा कर गुनाहगार की कतार में खड़ा कर दिया है। नशे की तलब में कत्ल जैसी खौफनाक वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। नशे की फुरकत में भी संगीन जुर्म हो रहे हैं।

खालिस्तानियों के हौसले बुलंद, अब गुरुद्वारे की दीवार पर लिखे भारत विरोधी नारे

वैंकूवर ,21 अप्रैल (एजेंसियां) ।

कनाडा में खालिस्तानियों को हौसले बुलंद हैं। यहां वैंकूवर में एक ऐतिहासिक गुरुद्वारे पर खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने भारत विरोधी नारे लिख दिए। खालिस्तानियों की इस हरकत के बाद गुरुद्वारे के प्रवक्ता ने कहा कि अलगाववादी सिखों के एक गुट ने हमारे पवित्र गुरुद्वारे की दीवारों को दूषित किया है और उनपर खालिस्तानी नारे लिख दिए हैं।

गुरुद्वारे की तरफ से कहा गया कि यह खालसा साजणा दिवस के मौके पर हम एकता की कसम खाते हैं। एक समूह द्वारा किया गया यह कृत्य निंदनीय है। कट्टरपंथी ताकतें सिखों को बांटना चाहती हैं और यह खौफ पैदा करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी हमारे बुजुर्गों के बलिदान को नहीं समझ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने विविधता और स्वतंत्रता के लिए अपना बलिदान दिया है। हम उनकी फूट डालने की कोशिश कामयाब नहीं होने देंगे।

बता दें कि यह गुरुद्वारा 1906 में बनाया गया था। गुरुद्वारे में नगर कीर्तन और बैसाखी परेड का आयोनज किया गया था। इन कार्यक्रमों में खालिस्तान समर्थकों को शामिल होने से रोक दिया गया था। खालिस्तानियों ने गुरुद्वारे के अलावा सूरी और ब्रिटिश कोलंबिया में मंदिरों को भी टारगेट किया है। यहां भी दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे गए हैं।

मंदिर के प्रवक्ता ने कहा कि कनाडा में हिंदुओं और सिखों में एकता बनाए रखने के लिए लक्ष्मीनारायण मंदिर बढ़-चढ़कर काम करता है। इसीलिए मंदिर को भी निशाना बनाया गया है। यह संयोग नहीं है बल्कि नियोजित तरीके से ये नारे लिखे गए हैं। बीते साल दिसंबर में रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे में करीब हिंदुओं और सिख समुदाय के 60 लोग एकत्रित हुए थे। उन्होंने ऐलान किया था कि फूट डालने वालों की साजिश को नाकाम किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

कुलभूषण ऊंची अदालत में अपील नहीं कर सकेंगे, जासूसी के आरोप में जाधव 9 साल से जेल में बंद

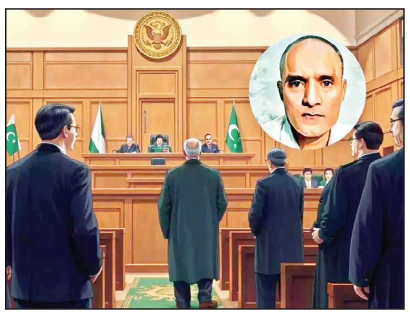

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय नागरिक नागरिक कुलभूषण जाधव को ऊपरी अदालत में अपील करने का अधिकार नहीं दिया गया है। यह जानकारी पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दी। दरअसल पाक सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान के समर्थकों की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में सुनवाई चल रही थी। इस दौरान कोर्ट ने वकील से पूछा कि क्या कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार मिला था और अगर मिला था तो पाकिस्तान नागरिकों को यह अधिकार क्यों नहीं इस पर रक्षा मंत्रालय के वकील ने कहा कि जाधव को अपील का कोई अधिकार नहीं मिला था। जाधव को 2019 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले के बाद सिर्फ कॉन्सुलर एक्सेस दिया गया था। कॉन्सुलर एक्सेस का प्रावधान होने पर आरोपी को हाई कमीशन के जरिए मदद मिलती है।

व्हाइट हाउस से लगा हुआ बंगला खरीदा जकरबर्ग ने...

वाशिंगटन। फेसबुक और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने व्हाइट हाउस के पास वाशिंगटन डीसी में एक बंगला खरीदा है। इस बंगले की कीमत 151 करोड रुपए है।वाशिंगटन शहर का यह तीसरा सबसे महंगा बंगला है। यह बंगला व्हाइट हाउस से सिर्फ 10 मिनट की दूरी पर स्थित है। यह बंगला 15000 स्कायर फीट पर बना हुआ है। इस बंगले की तीन इमारतें हैं। इसमें स्विमिंग पूल भी बना हुआ है। घर के बाहरी दीवार लाल ईंटों से बनी हुई है। सुरक्षा के लिए आवास के चारों ओर 12 फीट ऊंची लोहे की बाउंड्री और ऊंचे गेट लगे हुए हैं।व्हाइट हाउस से नजदीक होने के कारण इस बंगले की कीमत बढ़ जाती है। बंगला भी आलीशान तरीके से तैयार किया गया है।

विमान कर रहा था लैंडिंग टूट गया पहिया यात्रियों में मचा हड़कंप, एक यात्री ने फेसबुक पर लिखा-ऐसा लगा अब हमारी कहानी खत्म

वाशिंगटन। अमेरिकी विमान कंपनी फ्रंटियर एयरलाइंस के विमान का एक पहिया टूट गया। विमान ने फ्लोरिडा से प्यूर्टो रिको के सैन जुआन के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन लैंडिंग के समय इसके फ्रंट लैंडिंग गियर में गड़बड़ी आ गई। वायरल वीडियो में विमान की खिड़की के बाहर धुआं निकलता नजर आ रहा है, जबकि विमान के अंदर से यात्रियों के रोने की आवाज आ रही हैं। एक पैसेंजर ने इस हादसे के बारे में फेसबुक पर लिखा- कुछ मिनटों के लिए लगा कि अब हमारी कहानी खत्म हो गई है। हकीकत तो यह है कि अनुभवहीन लोग विमान को उड़ा रहे थे।फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड इस मामले की जांच कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के 228 यात्रियों को ले जा रहे एयरबस ए321 की लैंडिंग के दौरान फ्रंट लैंडिंग गियर का एक पहिया टूट गया। इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया और विमान को बस से टर्मिनल तक पहुंचाया। फ्रंटियर एयरलाइंस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान सुरक्षित रूप से लैंड कर गया, किसी पैसेंजर या क्रू मेंबर को कोई चोट नहीं आई। घटना की जांच की जा रही है। घटना मंगलवार की बताई जा रही है।

अमेरिका में हजारों लोगों ने राष्ट्रपति आवास घेरा

सभी 50 राज्यों में प्रदर्शन पोस्टर में लिखा- ट्रम्प को अल सल्वाडोर जेल भेजें

वॉशिंगटन,21 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ हजारों प्रदर्शनकारी एक बार फिर सडक़ों पर उतर आए। ये प्रदर्शन सभी 50 राज्यों में हुए। प्रदर्शनकारी ट्रम्प की टैरिफ वॉर की नीतियों, सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस का घेराव किया। लोगों ने ट्रम्प पर नागरिक और कानून के शासन को कुचलने का आरोप लगाया। इस आंदोलन को 50501 नाम दिया गया है, जिसका मतलब 50 विरोध प्रदर्शन, 50 राज्य, 1 आंदोलन है।

प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस के अलावा टेस्ला के शोरूमों का भी घेराव किया। ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शनों का यह दूसरा दौर है। इससे पहले 5 अप्रैल को ट्रम्प के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे।

ट्रम्प और मस्क की नीतियों के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन – राजधानी वॉशिंगटन डीसी समेत सभी राज्यों में प्रदर्शन की बड़ी वजह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कारोबारी इलॉन मस्क की आक्रामक नीतियां हैं। इलॉन मस्क का दक्षता विभाग लगातार सरकारी विभागों में छंटनी कर रहा है। अब तक हजारों सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रम्प की अप्रवासियों पर कार्रवाई और दूसरे देशों पर टैरिफ लगाने की सख्त पॉलिसी भी इन प्रदर्शनों की एक बड़ी वजह है। ट्रम्प के टैरिफ वॉर से अमेरिका में दूसरे देशों से आने वाली चीजों के दाम बढ़े हैं। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है।

ट्रम्प के काम से खुश हैं 45 प्रतिशत वोटर्स – अमेरिकी सर्वे एजेंसी गैलप के मुताबिक 45 प्रतिशत अमेरिकी वोटर्स ट्रम्प के पहले 3 महीने के कामकाज से खुश हैं, जबकि ट्रम्प के पहले कार्यकाल के शुरुआती 3 महीनों में 41 प्रतिशत वोटर्स ही उनके कामकाज से संतुष्ट थे।

बांग्लादेश ने इंटरपोल से हसीना के खिलाफ रेड-कॉर्नर नोटिस मांगा, 9 महीने से भारत में रह रहीं पूर्व पीएम

ढाका। बांग्लादेश पुलिस ने इंटरपोल से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग की है। हसीना के अलावा 11 अन्य लोगों के खिलाफ भी ऐसी ही मांग की गई है। शेख हसीना पिछले साल अगस्त में हुए तख्तापलट के बाद से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना, उनके पूर्व मंत्रियों, सलाहकारों और अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इन पर मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के आरोप थे। इंटरपोल का रेड नोटिस किसी व्यक्ति को ढूंढने और उसे प्रत्यर्पण या कानूनी कार्रवाई से पहले अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने में मदद करता है।

रूस राष्ट्रपति पुतिन ने की यूक्रेन में ईस्टर पर युद्धविराम की घोषणा

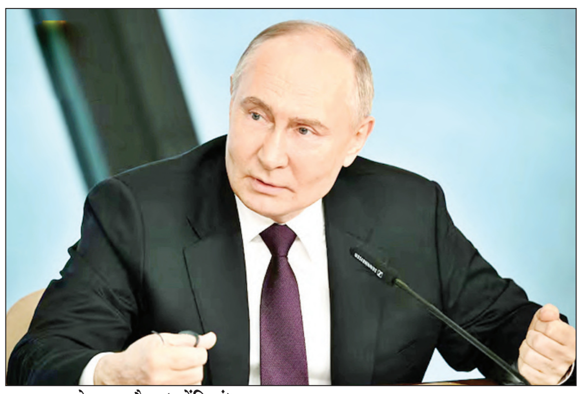

मास्को,21 अप्रैल (एजेंसियां) ।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईसाइयों के त्योहार ईस्टर की वजह से यूक्रेन युद्ध में सीजफायर का ऐलान किया। यह युद्धविराम शुरू होकर चला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुतिन ने रूसी चीफ ऑफ स्टाफ वालेरी से कहा कि रूस ईस्टर युद्धविराम की घोषणा करता है।

रूस ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पेरिस विजिट के दौरान जंग खत्म करने को लेकर शांति प्रस्ताव पेश किया था। अमेरिका का कहना था कि इस प्रस्ताव की सभी पक्षों ने तारीफ की है। बता दें कि ईस्टर ईसाइयों का अहम धार्मिक पर्व है। ईसाई धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक सूली पर लटकाए जाने के तीसरे दिन यीशु फिर से जीवित हो गए थे। ईसाई इसे ईस्टर दिवस या ईस्टर संडे के रूप में मनाते हैं। ये दिन गुड फ्राइडे के दो दिन बाद आता है।

राहुल गांधी अमेरिका पहुंचे, रोड आइलैंड की ब्राउन यूनिवर्सिटी का करेंगे दौरा

वॉशिंगटन । कांग्रेस लीडर और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर पहुंचे हैं। वे स्थानीय समयानुसार बॉस्टन लोगन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे। इस दौरे पर राहुल गांधी रोड आइलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे, जहां वे फैकल्टी और छात्रों से संवाद करेंगे। इसके अलावा राहुल प्रवासी भारतीय समुदाय, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के पदाधिकारियों और सदस्यों से भी मुलाकात कर सकते हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने राहुल गांधी के इस दौरे की जानकारी ङ्ग पर दी थी। इसमें बताया गया था कि राहुल का यह दौरा 21 और 22 अप्रैल को रहेगा। राहुल ने इससे पहले सितंबर 2024 में 3 दिन का अमेरिका का दौरा किया था।

माउंट फूजी में आतिशबाजी शो

जापान के माउंट फूजी में आतिशबाजी शो को देखते हुए लोग।

गाजा पर हमलों के बीच नेतन्याहू ने ट्रंप से कहा-हमें शर्मिंदा मत कीजिए

तेल अवीव,21 अप्रैल (एजेंसियां) ।

गाजा पर हमास और इजराइल के बीच सीजफायर को लेकर फिर ठन गई है। इजराइल ने हमास पर शर्तों को न मानने का आरोप लगाते हुए गाजावासियों पर कहर बरपाना शुरू कर दिया है। दो दिन में 92 से ज्यादा आम लोगों की मौत हो चुकी है। जिसमें महिलाएं और बच्चों की तादाद ज्यादा है। गाजा पर भारी बमवर्षा के बीच इजराइल ने अमेरिकी से अनुरोध करते हुए कहा कि हमें दुनिया के सामने शर्मिंदा मत कीजिए।

मामला 7 अक्टूबर 2023 को इजराइली जमीन पर हमास के हमले से जुड़ा है, हमास के उस हमले में कम से कम 1200 लोग मारे गए थे, जिसके जवाब में इजराइल गाजा में 51 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले चुका है। इजराइल के कानून प्रवर्तन विभाग ने अमेरिकी अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे 7 अक्टूबर 2023 के हमले में शामिल हमास पर इजराल से पहले आरोप-पत्र दायर न करें, क्योंकि इससे यहूदी राष्ट्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी।

अमेरिकी एजेंसियां इस हमले की अपनी जांच को अंतिम चरण में ले आई हैं और वहां की कानूनी प्रणाली के चलते आरोप दायर करना आसान है।

यही कारण है कि अमेरिका जल्द ही चार्जशीट दाखिल कर सकता है, जो इज़राइल के लिए कूटनीतिक संकट का कारण बन सकता है।

मीडिया के मुताबिक किबुत्ज़ नीर ओज़ में हुए नरसंहार में शामिल 22 आतंकियों के खिलाफ इज़राइली अभियोजन पक्ष ने चार्जशीट तैयार कर ली है।

हालांकि इसे अभी दायर नहीं किया है, क्योंकि सरकार की योजना है कि सैकड़ों आरोपियों पर एक साथ मेगा-ट्रायल चलाया जाए जो कि इजराइल के इतिहास में अपनी तरह का पहला और सबसे बड़ा मामला होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के पास इस हमले में सीधे या परोक्ष रूप से शामिल 300 फिलिस्तीनी कैदी हैं। ये सभी संभावित बंधक सौदों में रिहा नहीं किए जाएंगे। इनमें कई ऐसे भी हैं जिन्होंने हमले में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन गाज़ा में बंधकों को कैद करने में शामिल रहे हैं।

अभी यह तय नहीं है कि इन पर एक ही ट्रायल में मुकदमा चलेगा या नहीं। यह पूरा मामला कानूनी रूप से बेहद जटिल है। आईडीएफ की मिलिट्री इंटेलिजेंस मिलकर इस जांच में सहयोग कर रहे हैं। अब तक 1700 पीड़ितों और 400 सुरक्षा अधिकारियों के बयान दर्ज किए गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया में प्रतिबंध

ऑस्ट्रेलिया,21 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया की संसद ने दिसंबर 2024 में ऑनलाइन सेफ्टी अमेंडमेंट एक्ट पारित किया है। ऑस्ट्रेलिया में इस साल 10 दिसंबर 2025 के बाद से यह एक्ट प्रभाव में आ जाएगा। इसके बाद 16 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म का उपयोग ऑस्ट्रेलिया में नहीं कर पाएंगे।

बच्चों के लिए टिकटोक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट,फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लग जाएगा।सोशल मीडिया की कंपनियों को 16 साल से कम उम्र के बच्चों को प्लेटफार्म से हटाना पड़ेगा। 16 वर्ष से कम उम्र का यदि एक भी बच्चा सोशल मीडिया के प्लेटफार्म का उपयोग करता हुआ पाया गया। ऐसी स्थिति में 3 ।1 करोड डॉलर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 275 करोड रुपए होते हैं। सोशल मीडिया कंपनी को यह जुर्माना अदा करना होगा।

सारी दुनिया के देशों में छोटे बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के लिए बड़े प्रयास

किया जा रहे हैं। बच्चे खेल के मैदान से गायब हो गए हैं।अपनी उम्र के बच्चों के साथ उनका बोलना खेलना कूदना सब बंद हो गया है। बच्चों को वास्तविक पारिवारिक और सामाजिक ज्ञान नहीं मिल रहा है। खेलकूद नहीं होने के कारण बच्चों के स्वास्थ्य में भी विपरीत असर देखने को मिल रहा है। जिसके कारण दुनिया भर में चिंता देखी जा रही है।

अमेरिका मे 13 वर्षीय कम उम्र के बच्चों की जानकारी एकत्रित की जा रही है। इन्हें सोशल मीडिया से दूर करने की पहले शुरू की गई है।

ब्रिटेन में 2023 के पारित कानून के अनुसार सोशल मीडिया पर बच्चों के लिए हानिकारक सामग्री की पहचान कर प्लेटफार्म से हटाने की जवाब देही सोशल मीडिया कंपनियों पर सरकार ने डाली है।

फ्रांस में 2023 में पारित कानून के अनुसार 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के पहले माता-पिता की सहमति सोशल मीडिया कंपनियों के लिए जरूरी की गई है।

जर्मनी में 16 वर्ष या उससे कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए अपने माता-पिता की अनुमति को अनिवार्य किया गया है।

नार्वे में सरकार ने सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर आयु सीमा 13 वर्ष से बढाकर 15 वर्ष कर दी है।

चीन के साइबर स्पेस प्रशासन ने 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग को मात्र 2 घंटे सीमित करने का प्रस्ताव दिया है।

भारत में डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 में सोशल मीडिया पर बच्चों की उपस्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास का प्रस्ताव है। अभी यह कानून संसद में पास नहीं हुआ है।संसद में कानून पास होने के बाद 18 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया में अकाउंट खोलने के लिए माता-पिता की सहमति लेनी होगी। इस कानून का पालन सोशल मीडिया कंपनी कठोरता से करें। इसके लिए 250 करोड रुपए जुर्माना का प्रावधान रखा गया है। भारत में अभी इस तरह का कानून बना नहीं है। हो सकता है, सरकार अगले सत्र में इसे लेकर आए।

होल्गर रून ने कार्लोस अल्कारेज को हराकर जीता बार्सिलोना ओपन का खिताब

बार्सिलोना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

डेनमार्क के टेनिस स्टार होल्गर रून ने रविवार को बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-2 कार्लोस अल्कराज को हराकर बार्सिलोना ओपन 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया।

रून ने खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7-6 (8/6), 6-2 से जीत दर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने करीब एक साल बाद कोई खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला खास इसलिए भी रहा क्योंकि अल्कराज अपने पिछले 23 क्ले कोर्ट मैचों में सिर्फ दूसरी बार हारे हैं। होल्गर रून ने जीत के बाद कहा, ये एक पागलपन भरा एहसास है। करीब एक साल बाद खिताब जीतना मेरे लिए बेहद खास है। कार्लोस जैसे खिलाड़ी और अच्छे दोस्त को फाइनल में हराकर ये पल मेरे लिए खास है। मैंने पूरे मैच में संयम बनाए रखा और रणनीति के साथ खेला। फाइनल मुकाबले की शुरुआत में कार्लोस अल्कराज ने पांचवें गेम में ब्रेक लेकर बढ़त बनाई थी, लेकिन रून ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया।

इसके बाद रूने ने 10वें गेम में दो सेट पॉइंट बनाए, हालांकि अल्कराज ने उन्हें बचा लिया। पहला सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां रून ने मौके का फायदा उठाते हुए पहला सेट अपने नाम कर लिया। यह इस हफ्ते अल्कराज का पहला सेट था जो उन्होंने गंवाया।

दूसरे सेट में अल्कराज ने शुरुआत में दो ब्रेक प्वाइंट जरूर बनाए, मगर रून ने उन्हें बचाया। तीसरे गेम के बाद अल्कराज ने मेडिकल टाइमआउट लिया और फिर कोर्ट पर लौटे। हालांकि तब तक होल्गर रून ने मैच की पकड़ मजबूत कर ली थी। रून ने दो बार अल्कराज की सर्विस ब्रेक करते हुए दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम कर खिताब जीत लिया। अल्कराज, जो इससे पहले मोंटे कार्लो मास्टर्स जीत चुके हैं और फ्रेंच ओपन की तैयारी कर रहे हैं, वह बार्सिलोना में अपना तीसरा खिताब जीतने से चूक गए।

न्यूज़ ब्रीफ

जीत-हार में ज्यादा उत्साहित या मायूस न हों : केकेआर स्पिन गेंदबाजी कोच कार्ल क्रो

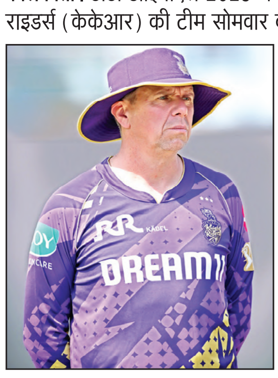

कोलकाता। टाटा आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सोमवार को ईडन गार्डन्स मैदान पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहम मुकाबले के लिए उतरेगी। इससे पहले टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच कार्ल क्रो ने कहा कि टूर्नामेंट के इस दौर में खिलाड़ियों को अपनी मानसिक स्थिति संतुलित रखना बेहद जरूरी है। जीत या हार में ज्यादा उत्साह या निराशा न दिखाएं पंजाब किंग्स के खिलाफ 16 रन की करीबी हार के बाद कार्ल क्रो ने कहा, यह आवश्यक है कि हम जीत या हार में अत्यधिक उत्साहित या निराश न हों। पिछले मुकाबले में हमने शानदार गेंदबाजी की थी और उन्हें केवल 112 रन पर रोक दिया था। हमारी पारी के आधे ओवर तक हम मैच में पूरी तरह हावी थे। ऐसे में हमें अपनी रणनीति में लगातार बने रहना और सकारात्मक मानसिकता के साथ खेलना चाहिए। स्पिन गेंदबाज निभाएंगे अहम भूमिका ईडन गार्डन्स की पिच को लेकर कार्ल क्रो ने कहा, स्पिन गेंदबाजी यहां हमेशा से अहम भूमिका निभाती आई है और हमारे पास बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं। उनके औसत रन प्रति ओवर, विकेट लेने की दर और कुल विकेट यह दर्शाते हैं कि उन्होंने कितनी मेहनत की है। कप्तान ने भी उन्हें पूरे टूर्नामेंट में अलग-अलग मौकों पर शानदार तरीके से उपयोग किया है।

प्रसिद्ध शेरपा गाइड 31वीं बार करेंगे माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का प्रयास, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेंगे

काठमांडू। सबसे महान पर्वतारोही गाइडों में से एक कामी रीता दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर 31वीं बार चढ़ने की कोशिश करेंगे। वह इस मामले में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेंगे। 55 वर्षीय रीता रविवार को काठमांडू से माउंट एवरेस्ट के लिए रवाना हुए, ताकि पर्वतारोहियों के एक समूह का नेतृत्व किया जा सके। वह वसंत चढ़ाई के मौसम के दौरान 8,849 मीटर (29,032 फीट) की चोटी पर पहुंचने की कोशिश करेंगे। एवरेस्ट पर पहली बार 1953 में न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी और नेपाली शेरपा तेनजिंग नोर्गे ने चढ़ाई की थी। काठमांडू के हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए कामी रीता ने कहा, मैं मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से पहाड़ पर चढ़ने के लिए तैयार हूं। मैं अभी अपनी सर्वश्रेष्ठ शारीरिक स्थिति में हूं उनके नाम 30 बार माउंट एवरेस्ट पर सबसे सफल चढ़ाई करने का रिकॉर्ड है। पिछले साल मई में उन्होंने दो बार चोटी पर चढ़ाई की थी। उन्होंने कहा, मेरी पहली प्राथमिकता अपने क्लाइंट को चोटी के शिखर पर पहुंचाना है। उसके बाद मैं तय करूंगा कि मैं सीजन के दौरान एक से ज्यादा बार चोटी पर चढूंगा या नहीं। यह मौसम और पहाड़ की स्थितियों पर निर्भर करता है। माउंट एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा चढ़ाई करने के मामले में उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी साथी शेरपा गाइड पासंग दावा हैं, जिन्होंने पहाड़ पर 27 सफल चढ़ाई की है।

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराया, लगाई जीत की हैट्रिक

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एक रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराकर अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव की शानदार साझेदारी ने चेन्नई को पलटवार का कोई मौका नहीं दिया। रोहित-सूर्यकुमार की तूफानी साझेदारी से मुंबई ने चेपॉक की हार का लिया बदला टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 176 रन बनाए। शिवम दुबे ने 32 गेंदों पर 50 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि रवींद्र जडेजा ने 35 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाकर पारी को संभाला। 17 वर्षीय युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी 15 गेंदों में 32 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई के लिए जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट चटकाए, जबकि दीपक चाहर, अश्विनी कुमार और मिचेल सेंटनर को एक-एक सफलता मिली।

गुजरात ने कोलकाता को 39 रनों से हराया

बल्लेबाजों के बाद गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

कोलकाता, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। शुभमन गिल और साईं सुदर्शन की दमदार फिफ्टी के बाद कसी हुई गेंदबाजी से गुजरात टाइटंस ने कोलकाता नाइटराइडर्स को उसके घर में 39 रन से हरा दिया। मुकाबले में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की टीम ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 3 विकेट के नुकसान पर 198 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में केकेआर 20 ओवर में 159 रन ही बना पाई। इस तरह गुजरात ने इस सीजन में अपनी छठी जीत दर्ज करते हुए 12 अंक के साथ प्लेऑफ की तरफ से मजबूती से कदम बढ़ा दिए हैं। वहीं केकेआर की इस सीजन में 5वीं हार है।गुजरात के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। टीम ने सिर्फ 2 रन के स्कोर पर रहमानुल्लाह गुरबाज के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया था। हालांकि, इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे और सुनील नरेन ने कुछ के देर के लिए पारी को संभाला, लेकिन नरेन अपनी पारी को तेज करने की कोशिश में 17 रन बनाकर आउट हो गए। नरेन के आउट होते ही केकेआर दबाव में आ गई।

विकेट बचाकर तेज गति से रन बनाने की कोशिश में वेंकटेश अय्यर ने भी अपना विकेट सस्ते में गंवा बैठे। अय्यर 19 गेंद में 14 रन ही बना पाए।बीवी को कमरे में बंद कर कुल्हाड़ी से किए वार, गंभीर हालत में छोड़ पति ने दो मंजिला से उठाया खौफनाक कदम

आजमगढ़ की बारात में गाना बजाने को लेकर हुई मारपीट, पुलिस पर भी किया पथराव, 12 लोग गिरफ्तारकेकेआर की तरफ से अजिंक्य रहाणे ने 36 गेंद में 50 रनों की पारी खेली, लेकिन उनकी यह अर्धशतकीय पारी केकेआर को हार से नहीं बचा पाई। रहाणे को छोड़ दिया जाए तो मिडिल ऑर्डर में आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह पूरी तरह से संघर्ष करते हुए दिखे। एक बार रसेल ने रिस्क लेते हुए हाथ खोलने की कोशिश की, लेकिन 15 गेंद में 21 रन पर उनकी पारी समाप्त हो गई।आंद्रे रसेल के आउट होने के बाद रिंकू सिंह एक उम्मीद की किरन थे, लेकिन उन्होंने भी बुरी तरह से निराश किया। रिंकू 14 गेंद में 17 रन ही बना पाए। इसके अलावा रमनदीप सिंह 1 और मोइन अली शून्य पर आउट होकर अपनी टीम को निराश किया। इंपैक्ट सब के रूप में बल्लेबाजी के लिए उतरे अंगकृष रघुवंशी ने जरूर एक दो आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। रघुवंशी केकेआर के लिए 13 गेंद में 27 रन बनाकर नाबाद रहे।

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेल में 11 खिलाड़ी डोप में फंसे, ज्यादातर पदक विजेता; इनमें छह पंजाब के

38th NATIONAL GAMES Uttarakhand 25 SILVER JUBILEE YEAR

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

खेलों में डोपिंग का एक और दुर्भाग्यपूर्ण मामला सामने आया है। उत्तराखंड में हाल में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में 11 खिलाड़ी डोप में फंसे हैं। डोप पॉजिटिव खिलाड़ियों में ज्यादातर पदक विजेता हैं। इनमें सर्वाधिक छह खिलाड़ी पंजाब से हैं।

राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) ने प्रतिबंधित शक्तिवर्धक दवाओं के सेवन के लिए 11 में से 8 खिलाड़ियों पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है। इनमें नामी बास्केटबाल खिलाड़ी पंजाब के अमृतपाल सिंह शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया व जापान की प्रतिष्ठित लीग में खेल चुके अमृतपाल दूसरी बार डोप में फंसे हैं।

अमृतपाल ने इन खेलों में पंजाब के लिए स्वर्ण पदक जीता था। अगर वह बेगुनाही साबित नहीं कर पाए, तो उन पर आठ वर्ष का प्रतिबंध लग सकता है। वह इससे पहले 2020 में डोप पॉजिटिव पाए गए थे। वूशु खिलाड़ी नीरज जोशी और राहुल तोमर के नमूनों में एक से अधिक दवाओं का मिश्रण पाया गया है।

नाडा की ओर से लिए गए नमूनों की जांच जारी है। लिहाजा खिलाड़ियों की संख्या बढ़ने की आशंका है। 2023 में गोवा में हुए राष्ट्रीय खेलों में रिकॉर्ड 25 खिलाड़ी डोप में पकड़े गए थे। 2015 के केरल में हुए राष्ट्रीय खेलों में 16 खिलाड़ी डोप में पकड़े जाने पर हंगामा हुआ था। 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 10 खिलाड़ी डोप पॉजिटिव पाए गए थे।

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण की दावेदार एलिश भी शामिल

बड़ा झटका तमिलनाडु की वेटलिफ्टर एलिश अरोकिया के रूप में लगा है। 87 किलो में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एलिश को अगले वर्ष ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा था। दो महिला एथलीटों समेत तीन खिलाड़ियों पर स्पेसीफाइड सब्सटेंस के कारण अस्थायी प्रतिबंध नहीं लगा है। दोनों ने इन खेलों में स्वर्ण जीते थे मॉडर्न पेंटाथलन की महिला खिलाड़ी पर भी अस्थायी प्रतिबंध नहीं लगा है।

जूनियर टेनिस टूर्नामेंट : म.प्र. के जय, दिव्यांश, जुल्फीकार मुख्य दौर में पहुंचे

मध्य प्रदेश टेनिस संघ द्वारा इन्दौर टेनिस क्लब में आयोजित क्वींस कॉलेज ऑल इण्डिया टेलेन्ट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल क्वालिफाइंग राउण्ड में मध्य प्रदेश के जय बागानी, दिव्यांश टोके व मोहम्मद जुल्फीकार ने अंडर-14 बालक वर्ग के मुख्य दौर के लिए जगह बना ली है। रविवार को खेले गए अंडर-14 बालक एकल क्वालिफाइंग राउण्ड के मुकाबलों में जय बागानी (म.प्र.) ने कपीश अग्रवाल (म.प्र.) को 6-0, 6-4 से शिकस्त दी। दिव्यांश टोके (म.प्र.) ने मितांत झामनानी (म.प्र.) को 6-1, 6-3 से तथा मोहम्मद जुल्फीकार (म.प्र.) ने सौरीष गुप्ता (म.प्र.) को 6-3, 6-4 से हराकर मुख्य दौर में जगह बनाई। अन्य मुकाबलों में विहान नवाब (म.प्र.) ने हेमांग बरना (राज.) को 6-2, 6-0 से, मोहम्मद आरिज खान (म.प्र.) ने शविम ठाकुर (म.प्र) को 6-0, 6-0 से, अदविक गरू (म.प्र.) ने अर्जुन धर्माधिकारी (म.प्र) को 7-5, 6-1 से, विहान अग्रवाल (म.प्र.) ने पार्थ खण्डेलवाल (म.प्र) को 6-1, 6-0 से तथा गौरांग गंगराडे (म.प्र.) ने रेयांश पटैल (राज.) को 6-1, 6-1 से परास्त किया।

आरसीबी से मिली हार के बाद पंजाब किंग्स के कोच पोंटिंग ने कहा-अब हर मुक़ाबला हमारे लिए करो या मरो जैसा

चंडीगढ़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में बेहतरीन लय में नजर आ रही पंजाब किंग्स की रफ्तार रविवार को नई चंडीगढ़ के महाराजा वाईपी सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में थम गई। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 7 विकेट से मात देकर टूर्नामेंट की बेहद अहम जीत अपने नाम की।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 157 रन बनाए। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने तेज शुरुआत दी, लेकिन मध्य क्रम के बल्लेबाज़ बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रहे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरु की टीम ने विराट कोहली के नाबाद 73 रनों की शानदार पारी की बदौलत 7 गेंद शेष रहते यह मुक़ाबला अपने नाम कर लिया।

मुक़ाबले के बाद पंजाब किंग्स के मुख्य प्रशिक्षक रिकी पोंटिंग ने हार की वजह बल्लेबाज़ी को बताया।

उन्होंने कहा, हमने इस मैच में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। पिच 157 रन से कहीं बेहतर थी। हमारे कई बल्लेबाज़ों ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका। यही टी20 क्रिकेट में अंतर पैदा करता है। पावरप्ले में हम 62 रन पर 1 विकेट थे, वहाँ से स्कोर 180 या 200 तक पहुँचाना चाहिए था, लेकिन हमने विकेट झुंड में गंवा दिए।

पोंटिंग ने कहा कि अब टीम के सामने हर मुक़ाबला करो या मरो जैसा होगा।

उन्होंने कहा, हम हाफवे मार्क तक पहुँच चुके हैं। अब हर मैच अहम है। हमें अगले मुक़ाबलों में जीत दर्ज कर प्लेऑफ़ की दौड़ में अपनी स्थिति मज़बूत करनी होगी। कोलकाता के ख़िलाफ़ अगला मुक़ाबला बड़ा है। फिर धर्मशाला में होने वाले घरेलू मुकाबले भी हमारे लिए निर्णायक रहेंगे।,

पोंटिंग ने धर्मशाला में खेलने को लेकर भी उम्मीद जताई।

उन्होंने कहा, धर्मशाला शानदार मैदान है। वहाँ की पिच अच्छी होती है, गेंद बल्ले पर तेज़ी से आती है और मैदान छोटा है। इस बार हमारे वहाँ तीन मुकाबले हैं। हमें कोशिश करनी होगी कि वह मैदान हमारे लिए भाग्यशाली साबित हो।

पंजाब किंग्स अब 26 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के ख़िलाफ़ ईडन गार्डन्स में भिड़ेगी, जबकि 4 मई को धर्मशाला में लखनऊ सुपर जायंट्स के ख़िलाफ़ घरेलू मुक़ाबला खेलेगी।

फेडे वॉल्वरडे ने 93वें मिनट में किया कमाल, एथलेटिक क्लब पर जीत से रियल मैड्रिड ने जलाई खिताबी उम्मीदें

मैड्रिड, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

ला लिगा में खिताबी दौड़ में बने रहने के लिए रियल मैड्रिड ने आखिरी पलों में शानदार जीत दर्ज की। रविवार देर रात खेले गए मुकाबले में फेडे वॉल्वरडे ने 93वें मिनट में गोल दागकर एथलेटिक क्लब को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने टाइटल रेस में बार्सिलोना से फासला चार अंक पर कायम रखा।

बार्सिलोना से पिछड़ने की कगार पर था मैड्रिड

चैंपियंस लीग में आर्सेनल से हारने के बाद रियल मैड्रिड के लिए यह मुकाबला बेहद अहम था। लंबे समय तक गोल के लिए जूझने के बाद लग रहा था कि टीम एक और निराशाजनक नतीजा झेलेगी, लेकिन उरुग्वे के स्टार खिलाड़ी वॉल्वरडे ने स्टॉपेज टाइम में टॉप कॉर्नर में जबरदस्त गोल कर टीम को जीत दिला दी।

काइलियन एम्बाप्पे की गैरमौजूदगी और विनीसियस की चमक

एथलेटिक क्लब ने इस मुकाबले में अपने कई स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया था, जबकि रियल मैड्रिड काइलियन एम्बाप्पे के बिना उतरा। एम्बाप्पे निलंबन और टखने की चोट से जूझ रहे हैं। इस बीच, विनीसियस जूनियर ने शानदार खेल दिखाया और लेफ्ट फ्लैंक पर लगातार दौड़कर दर्शकों की तालियां बटोरीं। हालांकि उन्होंने एक गोल किया, लेकिन एंड्रिक के ऑफसाइड होने से वह गोल मान्य नहीं हो सका।

बेलिंघम के मिस और गोलकीपर सिमोन की शानदार बचत

दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड ने आक्रामक तेवर दिखाए। रोड्रिगो और कैमाविंगा ने कोशिशें कीं, लेकिन एथलेटिक के गोलकीपर उनाई सिमोन ने शानदार बचाव किए। विनीसियस ने भी शानदार क्रॉस दिया, जिसे बेलिंघम ने हेड किया, सिमोन ने उसे भी बचा लिया। पलों में बेलिंघम ने पेनल्टी की अपील की, लेकिन रेफरी ने नकार दिया।

किंग वॉल्वरडे ने दिलाई जीत, अब नजर कोपा डेल रे फाइनल पर

जब मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तभी फेडे वॉल्वरडे ने बॉक्स के बाहर से एक शानदार स्ट्राइक लगाई, जो सिमोन के पास भी नहीं पहुंची। इस गोल से रियल मैड्रिड को जीत मिली और अब टीम कोपा डेल रे फाइनल में बार्सिलोना से भिड़ने के लिए तैयार है।

गाड़ी पर दो से अधिक चालान तो भरना होगा ज्यादा प्रीमियम, 20 फीसदी तक हो सकती है बढ़त

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

नया वित्त वर्ष शुरू हो गया है। लोग सोच रहे हैं कि क्या इस बार उन्हें अधिक मोटर बीमा प्रीमियम का भुगतान करना होगा, यदि उनके पास पिछले वित्त वर्ष के दो से अधिक लंबित, भुगतान न किए गए चालान हैं। हालांकि, वर्तमान प्रस्ताव अभी तक लागू नहीं हुआ है और यह मसौदा चरण में है। पॉलिसी जारी होने के बाद चालान की स्थिति को ट्रैक करना व्यावहारिक और प्रणालीगत चुनौतियों का सामना करना होगा है। ऐसे में सड़क परिवहन मंत्रालय, राज्य यातायात विभाग और बीमा कंपनियों के बीच एक सुरक्षित और निरंतर डाटा को साझा करने वाले तंत्र की जरूरत है। हालांकि, इसे लागू करना आसान नहीं होगा, क्योंकि इसके लिए डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम के तहत कई गोपनीयता और अनुपालन चिंताओं को सुलझाना होगा। 20 फीसदी तक बढ़ सकता है प्रीमियम प्रस्तावित नियम में ऐसा मॉडल है, जहां एक वित्त वर्ष में दो लंबित चालान पर बीमा प्रीमियम में 10 से 20 फीसदी तक की बढ़त हो सकती है। बीमा कंपनियां पॉइंट आधारित प्रणाली अपना सकती हैं, जो प्रीमियम दर निर्धारित करती है। प्रीमियम का मूल्य निर्धारण मुख्य रूप से टेलीमैटिक्स आधारित मूल्य निर्धारण तंत्र के जरिये किया जाएगा।

अगर बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी का प्रस्ताव कई लंबित चालानों के कारण होता है, तो प्रीमियम की गणना गलतियों को ठीक करने के बाद समायोजित की जाएगी, लेकिन इसे संभालने का तरीका अभी भी स्पष्ट नहीं है। इसमें गलत शुल्कों का सबूत देना या बीमा प्रीमियम को अंतिम रूप दिए जाने से पहले रिकॉर्ड को सही करने के लिए अधिकारियों को अपील प्रस्तुत करना शामिल हो सकता है। राज्यस्तरीय डाटा बेस जुटाना प्रमुख समस्या प्राथमिक बाधा राज्यस्तरीय डाटाबेस को एकीकृत करना है।

भारत के डाटा संरक्षण अधिनियम के कारण यह और भी चुनौतीपूर्ण बन जाता है। बीमा कंपनियों के लिए इसे लागू करने में सरकारी ई-चालान प्रणालियों तक प्रत्यक्ष और वास्तविक समय में पहुंच चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

ई-कॉमर्स के खिलाफ उतरेंगे खुदरा व्यापारी, दुकानदारी-रोजगार को गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप

नई दिल्ली । घर बैठे मोबाइल पर आवश्यक वस्तुओं की खरीद किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं रह गया है। खाने-पीने, पहनने और मनोरंजन की वस्तुओं से लेकर अब लगभग हर क्षेत्र की वस्तुएं-सेवाएं ऑनलाइन माध्यम से लोगों को सहज उपलब्ध हैं। इससे लोगों को काफी सहूलियत भी हुई है। लेकिन इससे देश में 11 करोड़ से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने वाले खुदरा बाजार की दुकानदारी नष्ट हो गई है। इसका परिणाम हुआ है कि देश के हर हिस्से में खुदरा दुकानें बंद हो रही हैं और मॉल और बड़ी दुकानों को किराए पर कोई लेने वाला नहीं मिल रहा है। अमेरिका के टैरिफ वॉर के बीच बाजार के विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑनलाइन बाजार भारत जैसी अर्थव्यवस्था वाले देशों के खिलाफ एक सुनियोजित षड्यंत्र है। भारत को अपनी 140 करोड़ की आबादी के लिए रोजगार की व्यवस्था करनी सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन ऑनलाइन बाजार लोगों के रोजगार छीन रहा है। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत लोगों को कर्ज देकर उन्हें अपना रोजगार विकसित करने के लिए कर्ज दे रहे हैं, लेकिन ऑन लाइन बाजार ऐसे लोगों से उनका उपभोक्ता छीन रहा है। यही कारण है कि अर्थव्यवस्था के जानकार केंद्र सरकार से ई-कॉमर्स क्षेत्र की कंपनियों के खिलाफ एक सुनियोजित नीतिगत हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। ई कॉमर्स कंपनियों पर आरोप खुदरा व्यापार संगठनों का आरोप है कि ई कॉमर्स कंपनियां एक साजिश हैं। खुदरा व्यापारी को कोई वस्तु जिस मूल्य पर मिलती है, ऑनलाइन कंपनियां एक व्यापारिक रणनीति (साजिश) के अंतर्गत उसी वस्तु को उससे कम कीमत पर खुदरा ग्राहकों को उपलब्ध कराती हैं। इससे ग्राहक ऑनलाइन कंपनियों की ओर चला जाता है। लेकिन जब इस कीमत युद्ध में खुदरा व्यापारियों के पैर उखड़ जाते हैं, और वह दुकानदारी से भाग जाता है, यही कंपनियां उसी वस्तु की भारी कीमत उपभोक्ताओं से वसूलती हैं। यानी यह व्यापार नीति न तो ग्राहकों के लिए ठीक है, न ही दुकानदारों के लिए।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

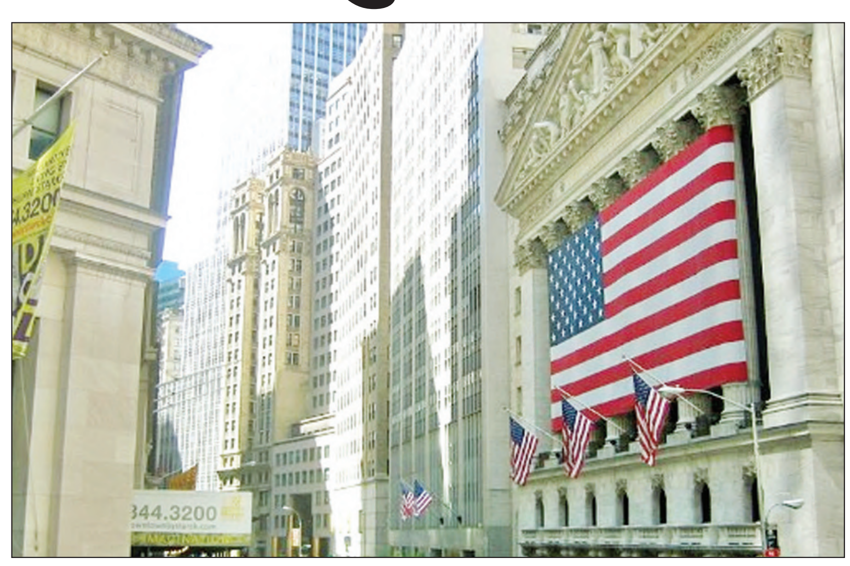

ग्लोबल मार्केट से भारतीय बाजारों के लिए मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। गुड फ्राइडे की छुट्टी के पहले अमेरिकी बाजार दबाव में कारोबार करते हुए नजर आए थे। छुट्टियां खत्म होने के बाद डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजारों में छुट्टियों के पहले के सत्र में नरमी बनी रही। डाउ जॉन्स 500 अंक से अधिक की गिरावट का शिकार हो गया था। इसी तरह नैस्डेक ने भी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,286.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। हालांकि एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 5,282.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 285.36 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 38,856.87 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। हॉन्ग कोंग स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से हैंग सेंग इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 114 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,919 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,760.83 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,286.44 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,144.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 6,420.48 अंक के स्तर तक गिर गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 268.26 अंक यानी 1.38 प्रतिशत फिसल कर 19,126.77 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 437.31 अंक यानी 1.26 प्रतिशत टूट कर 34,292.97 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

नए स्मार्टफोन हॉनर जीटी प्रो जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। चीन में ऑनर कंपनी 23 अप्रैल को अपने नए स्मार्टफोन हॉनर जीटी प्रो को लॉन्च करने जा रहा है। टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन द्वारा वीबो पर की गई एक पोस्ट में इस स्मार्टफोन के बारे में जानकारी दी गई है। पोस्ट में बताया गया कि इस फोन ने अंतूतू बेंचमार्क पर 3,444,323 पॉइंट्स हासिल किए हैं, जो किसी भी डिवाइस द्वारा अब तक का सबसे बड़ा स्कोर हो सकता है। हालांकि टिपस्टर ने फोन का नाम स्पष्ट नहीं किया, लेकिन पोस्ट में दिख रहे स्टेटस बार के एलिमेंट्स से यह अंदाजा लगाया गया है कि यह हॉनर जीटी प्रो ही हो सकता है। इसके साथ ही इस स्मार्टफोन की प्री-ऑर्डर लिस्टिंग भी चीन में शुरू हो चुकी है, जो चार वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा - 12जीबी प्लस 256जीबी, 12जीबी प्लस 512जीबी, 16जीबी प्लस512जीबी और 16जीबी प्लस 1टीबी। फोन में 144एचझेड रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले होगा, जो यूजर्स को स्मूथ और फास्ट विजुअल एक्सपीरियंस देगा। इसके साथ ही इसमें अल्ट्रासोनिक इन-स्क्रीन फिंगरप्रिंट स्कैनर जैसे सिक्योरिटी फीचर्स होंगे। प्रोसेसर के तौर पर इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट होगा, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस सुनिश्चित करेगा। स्मार्टफोन में एलपीडीडीआर5एक्स रैम और यूएफएस 4.1 स्टोरेज का सपोर्ट मिलेगा, जिससे डाटा ट्रांसफर और मल्टीटास्किंग बहुत तेज होगी। कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल ट्रिपल कैमरा होगा, जिसमें एलईडी फ्लैश और एक टेलिफोटो लेंस भी शामिल होगा। बैटरी के मामले में यह फोन 6000एमएएच या उससे बड़ी बैटरी के साथ आएगा, जो 90वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगा।

एक बार निवेश कर हर साल बना सकते हैं 100000 से ज्यादा, पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में सालाना 7.4प्रतिशत ब्याज

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।

अगर आप कपल हैं और नियमित कमाई के लिए अच्छी योजना की तलाश में हैं, तो पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम के बारे में विचार कर सकते हैं। सालाना 7.4 फीसदी की आकर्षक ब्याज दर वाली इस योजना में एक बार निवेश कर नियमित आय का लाभ उठा सकते हैं। कपल इस योजना में ज्वाइंट अकाउंट खुलवाकर हर साल 1.11 लाख और सिंगल अकाउंट के जरिये 66,660 रुपये की कमाई कर सकते हैं। इसमें अकाउंट खोलने के लिए कम-से-कम 1000 रुपये का निवेश जरूरी है। इसके बाद 1,000 रुपये के गुणक में जमा कर सकते हैं। ज्वाइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख और सिंगल अकाउंट में 9 लाख रुपये जमा कर सकते हैं।

ऐसे समझें सालाना कमाईका गणित

ज्वाइंट अकाउंट के तहत अगर आप इस योजना में अधिकतम 15 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो सालाना 7.4फीसदी की दर से हर महीने आपको 9,250 रुपये का ब्याज मिलेगा।इस तरह, आप सालाना 1.10 लाख रुपये की कमाईकर सकते हैं।

सिंगल अकाउंट के मामले में आप योजना में अधिकतम 9 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं।इस पर सालाना 7.4फीसदी की दर से हर महीने आपको 5,550 रुपये का ब्याज मिलेगा।इस तरह, आप हर साल 66,660 रुपये की कमाईब्याज के रूप में कर सकते हैं।

सुरक्षा की 100 फीसदी गारंटी

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम में आपके पैसों की सुरक्षा की 100 फीसदी गारंटी होती है, क्योंकि यह सरकार समर्थित है। इस लघु बचत योजना में गारंटीड रिटर्न मिलता है। खास बात है कि ज्वाइंट अकाउंट में हर खाताधारक का निवेश में बराबर हिस्सा होता है। इस योजना की मैच्योरिटी अवधि पांच साल है, लेकिन इसके बाद भी नई ब्याज दर के हिसाब से इसे आगे बढ़ा सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम के तहत अकाउंट एक डाकघर से दूसरे डाकघर में निशुल्क स्थानांतरित किया जा सकता है। हर डाकघर जमा के लिए निवेशक कईअकाउंट खोल सकते हैं। इसमें कोईटीडीएस नहीं लगता है, लेकिन अर्जित ब्याज करयोग्य है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प्रशासनिक सेवाओं में ...

ये सपने हमारे होने चाहिए, विकसित भारत का यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।प्रधानमंत्री ने कहा कि तेजी से बदल रही दुनिया में हमारा सरकारी अमला , हमारा कामकाज, हमारी नीति-निर्माण प्रक्रियाएं पुराने ढर्रे पर नहीं चल सकती। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से देश में व्यवस्था परिवर्तन का एक बहुत बड़ा महायज्ञ शुरू हुआ है। हम इस तेज स्पीड के साथ खुद को ढाल रहे हैं। उन्होंने कहा, आज भारत का अकांक्षाओं वाला समाज, भारत के युवा, भारत के किसान, भारत की महिलाएं, उनके सपनों की उड़ान आज जिस ऊंचाई पर है, वह वाकई अभूतपूर्व है। इन अभूतपूर्व आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अभूतपूर्व गति भी आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने कहा, हर सेक्टर में देखना होगा कि जो लक्ष्य हमने तय किए गए हैं, उनको पाने के लिए क्या हमारे काम की वर्तमान गति पर्याप्त है। अगर नहीं है तो, हमें उसे बढ़ाना है। हमें याद रखना है, आज जो टेक्नॉलॉजी हमारे पास है, वे पहले नहीं थी। हमें टेक्नॉलॉजी की ताकत के साथ आगे बढ़ना है।उन्होंने कहा, घरेलू और वाह्य पहलुओं के बीच बढ़ते पारस्परिक संबंधों को हमें समझते हुए हमें अपने रीति और नीति को बदलना होगा, हमें आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन हो, प्राकृतिक आपदाएं हों, महामारी हो, इंटरनेटजगत के अपराध के खतरे हों, सभी मामलों में कार्रवाई के लिए भारत को 10 कदम आगे रहना ही होगा। हमें स्थानीय स्तर, आंचलिक स्तर पर रणनीति बनानी होगी और क्षेत्रीय स्तर पर विकास करना होगा। वे युवा अधिकारी जो अपनी पेशेवर सेवाओं में कदम रख रहे हैं, आज उन सभी से मैं एक और बात कहूंगा, समाज में कोई भी ऐसा नहीं होता है, जिसके जीवन में, जिसकी सफलता में सोसायटी का, समाज का कुछ न कुछ योगदान न हो। उन्होंने कहा कि समाज के योगदान के बिना, किसी के लिए भी एक कदम भी आगे बढ़ना मुश्किल होता है। और इसलिए, हर कोई अपने-अपने सामर्थ्य के हिसाब से समाज को लौटाना चाहता है।उन्होंने अधिकारियों से अपील करते हुए कहा, आप सभी तो बहुत भाग्यशाली हैं, कि आपके पास समाज को लौटाने का इतना बड़ा अवसर आपके पास है। आपको देश ने, समाज ने बहुत बड़ा मौका दिया है कि आप ज्यादा से ज्यादा समाज को लौटाएं।

श्री मोदी ने अपने संबोधन के शुरू में 21 अप्रैल 1947 को प्रशासनिक अधिकारियों की ऐतिहासिक बैठक में प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के संबोधन का उल्लेख किया जिसके उपलक्ष्य में सिविल सर्विसेज (लोक सेवा दिवस) मनाया जाता है। उन्होंने याद दिलाया कि उस भाषण में सरदार पटेल ने लोक सेवकों को को भारत की इस्पात संरचना कहा था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की प्रशासनिक तंत्र की की नयी मर्यादायें तय की थीं।प्रधानमंत्री ने कहा, श्री पटेल ने कहा कि लोक सेवक एक ऐसा लोक सेवक हो, जो राष्ट्र की सेवा को अपना सर्वोत्तम कर्तव्य माने। जो लोकतांत्रिक तरीके से प्रशासन चलाए। जो ईमानदारी से, अनुशासन से, समर्पण से भरा हुआ हो। जो देश के लक्ष्यों के लिए दिन-रात काम करे। आज जब हम विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तो सरदार वल्लभभाई पटेल की ये बातें और ज़्यादा प्रासंगिक हो जाती है। मैं आज सरदार साहब के विजन को नमन करता हू और उनको भावभीनी श्रद्धांजलि भी देता हूं।उन्होंने कहा कि भारत का समग्र विकास तभी माना जाएगा जबकि एक भी गांव, एक भी परिवार और एक भी व्यक्ति विकास से अछूता न रहे।श्री मोदी ने कहा, समग्र विकास सिफ नारा नहीं, यह हमारी प्रतिबद्धता है, देश की जनता से हमारा वायदा है। उन्होंने अपने संबोधन में देश के विकास और जन कल्ण के लिए पिछले 10 वर्ष में अपनी सरकार की विभिन्न योजनाओं, कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी।

राहुल ने लोकतंत्र...

जिनका उद्देश्य केवल सोनिया-राहुल को बचाना है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों को अपनी चार्जशीट में नामित किया है। कोर्ट में अगली सुनवाई 25 तारीख को है, दोनों के जेल जाने की संभावनाएं भी हैं और जाना भी चाहिए। जब देश को लूटा गया है, तो कानून के अनुसार जेल की सजा भी भुगतनी चाहिए। ऐसे में कांग्रेस पार्टी पूरे देश में एक प्रकार का अशांत वातावरण बनाने का प्रयास कर रही है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि श्री गांधी ने एक बार फिर अमेरिका जाकर भारत के निर्वाचन आयोग को बदनाम करने की कोशिश की है। उन्हें गलतफहमी है कि लोग उनकी बातों का विश्वास करेंगे, क्योंकि भ्रष्टाचार के मामले में वह खुद और उनकी माताश्री 50-50 हजार रुपये के मुचलके पर जमानत लेकर बाहर हैं। वर्ष 2018 में मां-बेटे को नेशनल हेराल्ड केस में 50-50 हजार रुपये की निजी मुचलके पर जमानत दी गई थी, तब मां-बेटे जश्न मनाते हुए पार्टी कार्यालय पहुंचे थे, जो सिर्फ 'भ्रष्टाचार का जश्न' था। एक बार फिर कांग्रेस पार्टी वैसी ही खुशी मनाने की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी भारत के नागरिक हैं या नहीं? हाईकोर्ट ने मांगा जवाब, 10 दिन का समयलखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सोमवार को राहुल गांधी की नागरिकता से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पूछा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारतीय नागरिक हैं या नहीं। उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को 10 दिन के भीतर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

उच्च न्यायालय में केंद्र सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा कि हम केवल यह जानना चाहते हैं कि राहुल गांधी भारत के नागरिक हैं या नहीं?

बता दें कि खंडपीठ में यह सुनवाई एक जनहित याचिका पर हो रही है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि राहुल गांधी की नागरिकता पर सवाल उठने से उनकी संसद सदस्यता प्रभावित हो सकती है. जबकि कांग्रेस पार्टी ने इसे राजनीतिक साजिश बताया है। कांग्रेस का कहना है कि यह विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। अब अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

राहुल गांधी...

जबकि कांग्रेस पार्टी ने इसे राजनीतिक साजिश बताया है। कांग्रेस का कहना है कि यह विपक्ष को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। अब अगली सुनवाई 5 मई को होगी।

ईसाई धर्मगुरु पोप...

होने के लक्षण दिख रहे थे। हालांकि 14 मार्च को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। पोप फ्रांसिस 1300 साल में पहले गैर-यूरोपीय थे, जिन्हें पोप चुना गया था। पोप फ्रांसिस ने समलैंगिक व्यक्तियों के चर्च आने, सेम-सेक्स कपल्स को आशीर्वाद देने, पुनर्विवाह को धार्मिक मंजूरी देने जैसे बड़े फैसले लिए। उन्होंने चर्चों में बच्चों के यौन शोषण पर माफी भी मांगी थी।

इंडियन लुक में...

वहीं उनके बच्चों के कपड़े सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं । उनके सबसे बड़े बेटे इवान ने हल्के नीले रंग का कुर्ता और सफेद पायजामा पहना हुआ है। इवान सात साल के हैं जबकि पांच साल के विवेक ने पीले रंग का कुर्ता और सफेद पायजामा पहना हुआ है। सबसे छोटी बेटी मिराबेल ने नीले रंग का फ्रॉक पहना हुआ है।

बता दें जेडी वेंस की पत्नी आंध्र प्रदेश की रहने वाली हैं। नई दिल्ली और वाशिंगटन अब द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए बातचीत कर रहे हैं, जिसमें टैरिफ और बाजार पहुंच सहित कई मुद्दों को संबोधित करने की उम्मीद है।

केस फाइल कीजिए...

इस मामले का उल्लेख जस्टिस बी. आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच के सामने किया गया। याचिकाकर्ता के वकील ने दुबे की टिप्पणियों के बारे में हाल में आए एक समाचार का हवाला दिया और कहा कि वह अदालत की अनुमति से अवमानना याचिका दायर करना चाहते हैं। जस्टिस गवई ने कहा, आप इसे दायर करें। दायर करने के लिए आपको हमारी अनुमति की आवश्यकता नहीं है।बता दें कि निशिकांत दुबे ने शीर्ष अदालत को निशाना बनाते हुए कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद एवं विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने सीजेआई संजीव खन्ना पर निशाना साधते हुए उन्हें देश में सिविल वॉर के लिए जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि बीजेपी ने दुबे के बयान से खुद को अलग कर लिया। लेकिन कानून के जानकार इसे सुप्रीम कोर्ट की अवमानना के तौर देख रहे हैं।

कांग्रेस ने भी बीजेपी के सांसदों निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा द्वारा सुप्रीम कोर्ट की आलोचना किए जाने के बाद उनके बयानों से पार्टी के किनारा करने की कवायद को डैमेज कंट्रोल करार दिया और कहा कि सांसदों को पार्टी से निष्कासित कर दिया जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दुबे के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही की मांग करते हुए कहा कि उम्मीद है कि अटॉर्नी जनरल बिना देरी किए आपराधिक अवमानना के लिए सहमति देंगे।

बेंगलूरू में वायुसेना...

अपने चेहरे और गर्दन पर चोटों को दिखाया, जिसमें से खून बह रहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि वे पुलिस स्टेशन गए थे, लेकिन उन्हें तुरंत मदद नहीं मिली।उन्होंने वीडियो में बताया कि, हम डीआरडीओ, सीवी रमन नगर फेज एक में रहते हैं। आज सुबह, मेरी पत्नी मुझे एयरपोर्ट ले जा रही थी, तभी पीछे से एक बाइक आई और हमारी कार को रोक दिया। मैं डैश कैम फुटेज भी शेयर करूंगा। बाइक सवारों में से एक ने कन्नड़ में मुझे गाली देना शुरू कर दिया। मेरी कार पर डीआडीओ का स्टिकर देखकर उसने कहा, तुम डीआरडीओ के लोग हो, इसके बाद कन्नड़ में और गाली दी। फिर उसने मेरी पत्नी को गाली दी। मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सका।विंग कमांडर ने आगे बताया कि, जब मैं कार से बाहर निकला, तो उसने तुरंत अपनी चाबी से मेरे माथे पर वार किया। मैं वहीं खड़ा रहा, चिल्लाया, पूछा कि क्या लोग सेना या रक्षा बलों के किसी व्यक्ति के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं। इस दौरान और लोग इकट्ठा हो गए और हमें गाली देना शुरू कर दिया।' इसके अलावा, उस आदमी ने एक पत्थर भी उठाया और मेरी कार पर फेंकने की कोशिश की। जब मैंने उसे रोकने की कोशिश की, तो उसने मुझे फिर से मारा। आप खून देख सकते हैं - यही हुआ। शुक्र है कि मेरी पत्नी मुझे बाहर निकालने के लिए वहां थी।इस पूरे मामले में वारदात वाली जगह की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अधिकारी ने कहा कि यह घटना सीवी रमन नगर से हवाई अड्डे के रास्ते पर हुई। वहीं बाद में पोस्ट किए गए दूसरे वीडियो में विंग कमांडर ने खुलासा किया कि वह अपने बीमार पिता से मिलने कोलकाता जा रहे थे। उन्होंने हमले को एक चौंकाने वाला प्रकरण बताया, जिससे वो और उनका परिवार चिंतित है।मामले में बंगलूरू पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह बंगलूरू में एक भारतीय वायुसेना अधिकारी पर कन्नड़ भाषी व्यक्तियों के एक समूह ने कथित तौर पर हमला किया और गाली-गलौज की। पुलिस ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब वह अपनी पत्नी के साथ हवाई अड्डे जा रहे थे, जो भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की अधिकारी भी हैं।

भूमि दोष से होता है आर्थिक नुकसान

भूमि दोष का होना आपके पारिवारिक जीवन में कई परेशानियां लेकर आ सकता है। वास्तु शास्त्र में कई तरह के दोष बताए गए हैं, लेकिन भूमि दोष को इन सब में सबसे घातक माना गया है। इस दोष के होने से घर के सभी लोग प्रभावित होते हैं। इसलिए वक्त रहते इसका निवारण आपको अवश्य करना चाहिए। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वास्तु शास्त्र के अनुसार भूमि में नकारात्मक ऊर्जा होने से वहां घर, ऑफिस आदि बनाने पर आर्थिक हानि का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। भूमि की नकारात्मक ऊर्जा से व्यक्ति की नौकरी और व्यापार में बाधाएं आती हैं। ऐसे में भूमि की सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा की पहचान करना बहुत जरूरी है। आपने कई लोगों को कहते हुए सुना होगा कि किसी विशेष जगह पर जाते ही उनक साथ कोई विचित्र घटनाएं घटने लगी या फिर किसी नए घर में जाते ही उनके जीवन में समस्याएं शुरू हो गईं। वास्तु शास्त्र के अनुसार इसका एक कारण भूमि दोष होना होता है।

ज्योतिषाचार्य और वास्तु विशेषज्ञ डा. अनीष व्यास ने बताया कि वास्तु शास्त्र में बहुत सारे वास्तु दोष होते हैं। उन्हीं में एक होता है भूमि दोष और इस दोष को पहचान पाना भी एक मुश्किल काम होता है, क्योंकि इस दोष की जांच करना इतना आसान नहीं होता है। अक्सर वास्तु शास्त्र विशेषज्ञ ही वास्तु दोष का आंकलन करते हैं और वास्तु दोषों से छुटकारा पाने के उपाय बताते हैं। अब ऐसे में मन में सवाल उठता है कि आखिर भूमि दोष से छुटकारा पाना क्यों जरूरी है? इसका जवाब है कि आप जिस जगह पर रहते हैं अगर उस पर भूमि दोष है, तो आप जीवन में कभी तरक्की नहीं कर सकते। आपके जीवन में कोई न कोई परेशानी आती रहती है। इन समस्याओं में घर में होने वाले लड़ाई-झगड़े, दुर्घटनाएं, बीमारियां शामिल हैं। कभी-कभी बहुत वर्षों तक भूमि को ऐसे ही सुनसान छोड़ देने पर उसमें नकारात्मक शक्ति भर जाती है। ऐसे में अगर आप इन नकारात्मक ऊर्जा से भरी भूमि पर रहना शुरू कर देते हैं या फिर व्यापार करते हैं, तो आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कुछ बातों को ध्यान में रखकर भूमि की नकारात्मक शक्तियों का अंदाजा लगाया जा सकता है।

भूमि दोष वाले घर में अक्सर देखने को मिल जाता है कि यहां पर किसी पालतू जानवार जैसे गाय कुत्ता, बिल्ली की पालते हैं, तो यह अधिक दिनों एक जी ही नहीं पाते है और उनकी मृत्यु हो जाती है। इसके अलावा परिवार के सदस्यों को किसी न किसी दुर्घटना का सामना करना पड़ता है। जैसे, रोड़ एक्सीडेंट या फिर घर की ही छत या सीढ़ी से नीचे गिरना आदि, घटनाएं देखने को मिलती है। साथ ही कभी-कभी घर में विचित्र तरह की आवाजें भी सुनाई पड़ती हैं। वहीं कभी घर में खासकर रात के समय अजीब-अजीब आकृतियां दिखने का भ्रम भी पैदा हो जाता है।

वास्तु के अनुसार, भूमि या भवन खरीदने से पहले कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। बिना विचार किए भूमि खरीदने से कई बार दिक्कतों का सामना व्यक्ति को करना पड़ सकता है। भूमि या भवन खरीदते समय आपको कुंडली भी अवश्य दिखानी चाहिए, क्योंकि कुंडली में शनि और गुरु की स्थिति से पता चल जाता है कि, ली जाने वाली जमीन आपके लिए कैसी रहेगी। अगर भूमि पर कांटेदार वृक्ष, पेड़-पौधे स्वयं उगे हुए है तो समझ जाइए भूमि जागृत अवस्था में नहीं है। ऐसी जमीन को खरीदने से दिक्कतों का सामना आपको जीवन में करना पड़ सकता है। जमीन पूरी तरह से बंजर है और उसके आसपास की जगह हरी-भरी है तो ऐसी जमीन को खरीदे से भी आपको बचना चाहिए। भूमि दोष के कारण ही भूमि बंजर रहती है। अगर किसी भूमि पर स्वयं फूलो के पौधे उगे हैं, हरी-हरी घास भूमि पर है तो इस तरह की जमीन को वास्तु में सबसे श्रेष्ठ माना जाता है। ऐसी जमीन पर भवन लगाने से परिवार में समृद्धि आती है।

भूमि दोष की पहचान

भूमि में एक गड्ढा खोदें और उसमें पानी भर दें। वहां से पूर्व दिशा की ओर 100 कदम चलें। यदि गड्ढे का पानी पूरा है, तो भूमि बहुत ही अच्छी है। यदि आधा शेष है तो भूमि मध्यम फल देने वाली है। यदि पानी पूरी तरह से सूख जाए, तो भूमि व्यक्ति के लिए भाग्यशाली नहीं है। मिट्टी का रंग भी पहचान करने का अच्छा तरीका माना जाता है। भूमि की मिट्टी यदि पीली या सफेद है, तो वह बेहतर मानी जाती है। यदि लाल वर्ण की है, तो मध्यम और काले वर्ण की है, तो इसे दोषपूर्ण माना गया है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

ऐसी भूमि पर न बनाएं मकान

अपना मकान या कार्यस्थल ऐसी जगह न बनाएं और न ही खरीदें जिसके उत्तर-पूर्व दिशा में ऊंचे भवन या पर्वत अथवा पीपल का पेड़ हो।जिस भूखंड पर भवन बनाना हो, वहां कुछ दिनों के लिए गायों और बछड़ों को रखना चाहिए। उनके गोबर और मूत्र से वह भूमि शुद्ध हो जाती है। वास्तु के अनुसार भूमि कितने ही दोषों से परिपूर्ण हों लेकिन इनके प्रभाव से उत्तके सभी दोष नष्ट हो जाते हैं। इस भूमि पर निवास करने वाले जातक के धन, सुखों और सौभाग्य में दिन-प्रतिदिन बढ़ोत्तरी होती है।

भूमि को पहचानें

भवन के लिए भूमि खरीदते समय ध्यान रखें कि उसके दक्षिण-पश्चिम में गड्ढे, तालाब अथवा नदी आदि न हो ऐसी जगह धन हानि का कारण बनती है। जिस भूमि पर छोटे-छोटे अनेक गड्ढे.हों. वास्तु के अंतर्गत वह भूमि भी अशुभ कही गई है। ऐसी भूमि को त्यागना ही सही माना जाता है। ऐसी भूमि जिस पर जल्दी अग्नि न जले या जलकर बुझ जाए, वह कभी फलदायी नहीं होती। जिस भूमि पर खड़े होने पर मन में बेचैनी या उद्विग्नता महसूस हो, वह भूमि भाग्य का नाश करने वाली होती है।

अशुभ भूमि

कई बार भूखंड पर बहुत पुराने वृक्ष होते हैं। वास्तु के अनुसार ऐसा भूखंड भी निवास के लिए अयोग्य होता है। जिस भूमि की नींव खोदते समय स्वर्ण, चांदी, धन, रत्न या अन्य कोई रत्न प्राप्त हो। वह अत्यंत शुभ और श्रेष्ठ फल प्रदान करती है। इसके विपरीत कोयला और हड्डियां निकलने पर उस भूमि को अशुभ समझना चाहिए।

भूमि की अवस्थाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार भूमि की तीन तरह की अवस्थाएं होती हैं। जागृत अवस्था, सुप्त अवस्था और मृत अवस्था। भूमि की इन तीनों अवस्थाओं को आपकी जन्म कुंडली के ग्रहों के अनुसार देखा जाता है कि भूमि की अवस्था किस प्रकार की है। कई भूमि ऐसी भी होती है जो मृत होती है और फिर वह सुसुप्त होती है और बाद में जागृत हो जाती है। भूमि की इन अवस्थाओं का परीक्षण शनि व गुरु के गोचर के द्वारा देखा जाता है।

भूमि की दशा

भूमि दोष को कुछ लक्षणों से समझ सकते हैं। सबसे पहले वहां पर लगे पेड़-पौधे देखने चाहिए, कि वहां पर किस प्रकार के पेड़-पौधे लगे हैं। यदि उस भूमि या प्लॉट में कांटे वाले पेड़ या फिर झाड़िया लगी हुई हैं, तो इस प्रकार की भूमि जागृत अवस्था में नहीं होती है। ऐसी भूमि में निर्माण करने और निर्माण के बाद भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा कुछ भूमि ऐसी भी होती है कि आपको वहां पर चमक देखने को मिलेगी और वहां पर अपने आप से ऐसे पेड़-पौधे लगे होगें, जो अच्छे फूल देने वाले होंगे। ऐसी भूमि सर्वश्रेष्ठ भूमि की श्रेणी में आती है। यह पेड़-पौधे वहां की भूमि में अपने आप ही उग जाते हैं। इनको उगाना नहीं पड़ता है, क्योंकि यह वहां की भूमि का खास गुण होता है।

भूमि से जुड़े होते हैं अलग-अलग भाव

प्रत्येक स्थान का वायुमंडल, वातावरण और मनोस्थिति से भी जुड़ा है। शास्त्रों में क्षेत्र शुद्धि को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। कुछ स्थान जैसे मंदिरों में भक्ति के परमाणु अधिक होते है, इसलिए वहां जाने से भक्ति जागृत होती है और मन शांत रहता है। कुछ स्थान ज्ञान-प्रधान होते हैं, तो कुछ कर्म प्रधान कई जगह जाकर मन में दया भाव आ जाता है, तो कुछ स्थानों पर जाकर मन में वीरता के भाव जागृत होते हैं। मन में यह सभी भाव अलग-अलग भूमि के कारण ही जागृत होते हैं।

भूमि दोष निवारण

भूमिदोष वाले प्लॉट या फिर किसी जमीन की स्थिति ठीक न होने पर या फिर भूमि में किसी प्रकार का दोष है, तो ऐसे में उस भूमि की डेढ़ से दो फीट पूरी मिट्टी यहां से निकाल कर बाहर फेंकवा देते हैं। इससे भूमि दोष क निवारण हो जाता है। भूमिदोष के निवारण के लिए आपको हर साल विश्वकर्मा पूजा भी करवानी चाहिए। वास्तु शांति प्रकरण भी साल में एक बार जरूर करानी चाहिए, इससे भी भूमि दोष से मुक्ति मिलती है। भूमि दोष को दूर करने के लिए आपको वास्तु शांति करवानी चाहिए। अगर आप साल में एक बार भी घर में वास्तु शांति करवाते हैं तो भूमि से जुड़े कई दोष दूर हो जाते हैं। अगर आप भूमि को डेढ़ या दो फिट खुदवाते हैं और इसकी मिट्टी को कहीं दूर फिंकवा देते हैं, तो वास्तु के अनुसार भूमि दोष दूर हो जाता है। भूमि दोष को दूर करने के लिए आपको केले, तुलसी आदि के पौधे जमीन पर लगाने चाहिए। भूमि दोष से बचने के लिए घर में काले और लाल रंग का प्रयोग कम करना चाहिए। हनुमान चालीसा, दुर्गा सप्तशती और गीता का घर में पाठ करने से भी भूमि दोष दूर होने लगता है।

पूजा में रखें इन वास्तु नियमों का ध्यान, देवी देवताओं की कृपा से बनी रहेगी खुशहाली

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ को देवी-देवताओं के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करने का एक माध्यम माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में रोजाना विधिवत रूप से पूजा-पाठ किया जाता है, वहां हमेशा देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है, जिससे घर में खुशहाली आती है। ऐसे में अगर आप पूजा-पाठ के दौरान कुछ वास्तु नियमों की अनदेखी करते हैं, तो इससे आप पूर्ण फल की प्राप्ति से वंचित रह सकते हैं।

किस दिशा में होना चाहिए मंदिर

सुख-समृद्धि के लिए घर के मंदिर में वास्तु नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, घर में मंदिर बनवाने की सही दिशा उत्तर-पूर्व या फिर पूर्व है। ऐसे में अगर इन दिशाओं का ध्यान नहीं रखा जाता तो, इससे व्यक्ति को पूजा का पूर्ण फल नहीं मिलता और वास्तु दोष लगने की भी संभावना बनी रहती है।

कैसे करें पूजा

वास्तु शास्त्र में माना गया है कि बैठकर पूजा करना अधिक शुभ फलदायी होता है। वहीं खड़े होकर पूजा करने का साधक को उतना फल नहीं मिलता। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि पूजा के दौरान आपका मुख पूर्व दिशा में होना चाहिए, क्योंकि वास्तु शास्त्र में पूर्व दिशा शक्ति व शौर्य का प्रतीक है। इसी के साथ इस बात का भी ध्यान रखें कि मंदिर में भगवान की मूर्ति का मुख दक्षिण दिशा की तरफ नहीं होना चाहिए।

जरूर रखें इस बात का ध्यान

मंदिर घर का एक पवित्र स्थान होता है। वास्तु शास्त्र में साफ-सफाई का विशेष महत्व माना गया है। हमेशा स्नान करने के बाद साफ-सुथरे कपड़े पहनकर ही पूजा आरंभ करनी चाहिए। इसी के साथ पूजा स्थल पर भी सफाई का ध्यान रखें।

इसी के साथ मंदिर के पास कभी भी शौचालय नहीं बनवाना चाहिए और न ही पूजा घर कभी सीढ़ियों के नीचे बनवाना चाहिए। अगर आप इस सभी बातों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको शुभ परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

वैशाख अमावस्या पर कैसे करें पितरों का तर्पण?

वैशाख अमावस्या का पर्व बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह दिन पितरों की शांति और तृप्ति के लिए विशेष रूप से अच्छा होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार वैशाख अमावस्या 27 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध जैसे काम किए जाते हैं, जिससे पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उनका आशीर्वाद मिलता है, तो चलिए इस दिन से जुड़ी प्रमुख बातों को जानते हैं।

कब है वैशाख अमावस्या?

हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 27 अप्रैल को सुबह 04 बजकर 49 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 28 अप्रैल को देर रात 01 बजे यह तिथि समाप्त होगी। ऐसे में 27 अप्रैल, 2025 को वैशाख अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा।

वैशाख अमावस्या का महत्व

वैशाख अमावस्या पितरों को समर्पित है। मान्यता है कि इस दिन किए गए श्राद्ध कर्म से पितर प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। यह तिथि उन लोगों के लिए भी विशेष महत्व रखती है, जिन्हें अपने पूर्वजों की मृत्यु की तिथि पता नहीं है। इस दिन दान-पुण्य, पितरों की पूजा करने से कुंडली में पितृ दोष शांत होता है, जिससे जीवन में आ रही बाधाएं दूर होती हैं।

वैशाख अमावस्या पर पितृ तर्पण के नियम

सुबह उठकर पवित्र स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

पितरों के निमित्त तर्पण जल, जौ, तिल और कुशा से करें।

अपनी क्षमतानुसार पितरों के नाम से दान करें।

ब्राह्मणों को भोजन खिलाएं।

अगर संभव हो तो इस दिन पिंडदान अवश्य करें, इससे पितरों को मोक्ष मिल जाता है।

इस दिन पक्षियों को दाना डालना चाहिए।

पूरे दिन सकारात्मक रहें और किसी भी प्रकार के नकारात्मक विचारों व कामों से बचें।

अपनी वाणी पर संयम रखें और किसी को भी बुरा न बोलें।

ब्राह्मणों को भोजन कराएं और उनका आशीर्वाद लें।

ऐश्वर्य के देव शुक्र देंगे खास वरदान वैशाख अमावस्या से पहले इन राशियों को होगा धनलाभ

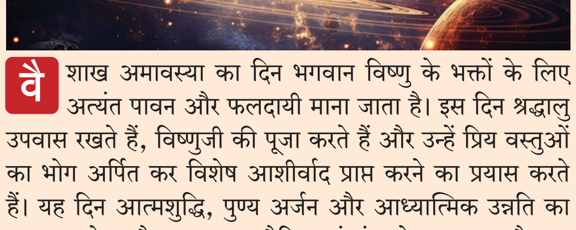

वैशाख अमावस्या का दिन भगवान विष्णु के भक्तों के लिए अत्यंत पावन और फलदायी माना जाता है। इस दिन श्रद्धालु उपवास रखते हैं, विष्णुजी की पूजा करते हैं और उन्हें प्रिय वस्तुओं का भोग अर्पित कर विशेष आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। यह दिन आत्मशुद्धि, पुण्य अर्जन और आध्यात्मिक उन्नति का अवसर होता है। इस बार वैदिक पंचांग के अनुसार वैशाख अमावस्या 27 अप्रैल 2025, रविवार को पड़ रही है, जिसे लेकर भक्तों में विशेष उल्लास है।

विशेष बात यह है कि अमावस्या से ठीक एक दिन पहले, 26 अप्रैल को शुक्र ग्रह का गोचर हो रहा है। शनिवार के दिन सुबह 12 बजकर 2 मिनट पर शुक्र देव शनि के नक्षत्र उत्तर भाद्रपद में प्रवेश करेंगे और 16 मई 2025 तक इसी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे। शुक्र को सुख-संपत्ति, कला, सौंदर्य और प्रेम का कारक माना जाता है। ऐसे में उनके इस गोचर का प्रभाव कुछ विशेष राशियों पर अत्यंत सकारात्मक रहने वाला है। यह संयोग वैशाख अमावस्या के आध्यात्मिक महत्व को और भी अधिक शुभ बना रहा है, क्योंकि शुक्र की कृपा से कुछ राशियों के जीवन में आर्थिक लाभ, करियर में तरक्की और पारिवारिक सुख की संभावना प्रबल हो रही है।

कर्क राशि – शुक्र देव का प्रभाव कर्क राशि के जातकों के लिए विशेष रूप से शुभकारी रहेगा। इस अवधि में आपकी बुद्धिमत्ता में स्पष्टता और गहराई आएगी, जिससे आप अपने करियर से जुड़े निर्णयों को अधिक आत्मविश्वास के साथ लेंगे। यदि आप किसी नई नौकरी के लिए प्रयासरत हैं या किसी बड़ी कंपनी में इंटरव्यू देने जा रहे हैं तो सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। आपका आकर्षक व्यक्तित्व और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा। जो जातक व्यापार करते हैं उन्हें इस दौरान आय के नए और लाभकारी स्रोत मिल सकते हैं। भाग्य आपका साथ देगा और आप जिस दिशा में प्रयास करेंगे वहां सफलता की संभावनाएं प्रबल होंगी।

तुला राशि –तुला राशि वालों के लिए यह समय करियर में आत्मविश्वास और तरक्की का संकेत दे रहा है। कार्यस्थल पर आपकी प्रस्तुति और विचारों की स्पष्टता बॉस और वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी। युवाओं को करियर में नई दिशा और बड़े मौके मिल सकते हैं इसलिए यह समय किसी भी निर्णय को धैर्यपूर्वक और सलाह के साथ लेने का है। मनोरंजन या कला क्षेत्र से जुड़े लोग किसी बड़ी कंपनी या बैनर के साथ कार्य का अवसर पा सकते हैं जिससे उनका नाम और पहचान दोनों बढ़ेगी। इस समय आपकी स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा।

मकर राशि – मकर राशि के जातकों के लिए अप्रैल माह विशेष रूप से आर्थिक लाभ और पारिवारिक सुख लेकर आएगा। व्यापार में गति और स्थिरता दोनों देखने को मिलेगी। धन से जुड़ी परेशानियों में राहत मिल सकती है। यदि परिवार में कोई वैवाहिक आयोजन रुका हुआ था तो वह अब तय हो सकता है। विशेषकर विवाहित जीवन में नए सदस्य का आगमन सुख और उल्लास का वातावरण बनाएगा। नौकरीपेशा लोग इस समय धार्मिक यात्राओं की योजना बना सकते हैं जिससे मन को शांति और ऊर्जा मिलेगी। साथ ही घर के बड़े-बुज़ुर्गों की सेहत में भी सुधार देखने को मिलेगा।.

घर से निकलते समय आपके साथ हो जाएं यह 7 चीजें, तो मिल सकता है चारों दिशाओं से लाभ!

कई बार हमें जरूरी कार्यों में या जीवन में बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में व्यक्ति को समझ नहीं आता है कि आखिर उसके साथ इतना बुरा क्यों हो रहा है। इसी तरह हमारे जीवन में काफी बार ढेर सारी खुशियां भी आने लगती हैं। अगर हम किसी भी कार्य को करने से पहले मिलने वाले शुभ-अशुभ संकेतों की पहचान कर लें, तो इससे जीवन की समस्याओं से बच सकते हैं। साथ ही, यह भी जान सकते हैं कि आने वाले समय में हमें कार्य में सफलता प्राप्त होगी या नहीं। आज हम आपको ऐसे 7 संकेतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अगर घर से निकलने से पहले या किसी कार्य की शुरुआत से पहले दिखाई दे, तो ये बहुत शुभ माने जाते हैं और आपको लाभ होने की तरफ इशारा कर सकते हैं।

धन लाभ होने का संकेत

अगर कहीं जाते वक्त आप कपड़े पहनें और आपकी जेब से पैसे गिर जाएं, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपको कहीं से धन लाभ हो सकता है। इसके अलावा, कपड़े उतारते समय अगर जेब से पैसे निकलकर गिर जाएं, तो इसे भी धन लाभ होने का संकेत माना जाता है।

सामने से किसी को गुड़ ले जाते हुए देखना

किसी जरूरी कार्य से बाहर निकलते वक्त अगर आपके सामने से कोई व्यक्ति गुड़ लेकर जाता हुआ दिखे, तो इसका अर्थ है कि आपको अपने काम में आपकी सोच से ज्यादा लाभ प्राप्त हो सकता है।

गाय या विवाहित महिला का सामने आना

घर से किसी अच्छे काम के लिए निकलते समय अगर आपके सामने अचानक से गाय या कोई विवाहित महिला आ जाए, तो इसे अच्छा शकुन माना जाता है। इसका मतलब होता है कि आप जिस भी कार्य के लिए जा रहे हैं, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी।

सुबह-सुबह नेवला दिखना

माना जाता है कि अगर कोई व्यक्ति सुबह के समय जैसे ही सोकर उठे और उसे अपने सामने नेवला नजर आ जाए, तो यह अच्छा संकेत होता है। इसका अर्थ है कि आपको कहीं से गुप्त धन प्राप्त हो सकता है।

चार कुंवारी लड़कियों को बातचीत करते देखना

कहा जाता है कि अगर परिवार वाले अपने घर की पुत्री के लिए वर देखने जा रहे हों और उन्हें रास्ते में 4 कुंवारी लड़कियां आपस में बातें करती हुई दिख जाएं, तो यह बहुत अच्छा शकुन होता है। इससे रिश्ता होने के शुभ योग बन सकते हैं।

दरवाजे पर जरूरतमंद का आना

सुबह-सुबह जैसे ही आप सोकर उठें। उसी समय अगर कोई जरूरतमंद या गरीब आकर आपसे धन उधार मांगे, तो वो दिया हुआ पैसा व्यर्थ नहीं जाता है। आने वाले समय में बिना मांगे आपको आपका धन वापस मिल सकता है।

घर से बाहर होने पर पक्षी का बीट करना

किसी जरूरी कार्य के लिए बाहर जाते समय अगर रास्ते में कोई पक्षी आपके ऊपर बीट कर दे, तो इसे अच्छा शकुन माना जाता है। इसका मतलब है कि आपके घर से दरिद्रता जाने वाली है और जीवन में ढेर सारी खुशियां आ सकती हैं।

गौरी खान के रेस्तरां टोरी के सपोर्ट में आए विकास खन्ना

यूट्यूबर ने लगाया था नकली पनीर परोसने का आरोप

शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान के रेस्तरां टोरी पर नकली पनीर परोसने का आरोप एक यूट्यूबर ने हाल ही में लगाया था। इसके बाद रेस्तरां टोरी ने भी आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया था कि उनके यहां खाने की क्वालिटी के साथ कोई समझौता नहीं किया जाता है। इस बीच अब किंग खान की पत्नी के सपोर्ट में पॉपुलर सेफ विकास खन्ना आ गए हैं।

बॉलीवुड के बादशाह शाह रुख खान की वाइफ एक्टिंग की दुनिया से दूर जरूर रहती है, लेकिन वह बिजनेस की दुनिया में अपनी पहचान कायम कर चुकी हैं। मुंबई में उनका एक रेस्तरां है, जो खाना खाने के शौकीनों की पहली पसंद है।

हाल ही में एक यूट्यूबर ने उनके रेस्तरां में बनाई डिश का आयोडिन टेस्ट करने की वीडियो अपलोड की थी। इसमें उन्होंने दावा किया कि शाह रुख की पत्नी के रेस्तरां में नकली पनीर खिलाया जाता है। खैर, अब इस तरह का फर्जी दावा करने वाले यूट्यूबर की क्लास शेफ विकास खन्ना ने लगाई है।

विकास खन्ना ने दी यूट्यूबर के दावे पर प्रतिक्रिया

यूट्यूबर सार्थक सचदेवा के वायरल वीडियो पर शेफ विकास ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रतिक्रिया

देते हुए लिखा, मैं बीते कई दशकों से खाना बनाने के काम से जुड़ा हुआ हूं। खाना बनाता हूं और खाने के विज्ञान के साथ काम कर रहा हूं। मैंने कभी भी इतनी ज्यादा भयानक और गलत सूचना नहीं देखी है। वीडियो में जैसे ये यूट्यूबर खाद्य वैज्ञानिक होने का दावा करता है। विकास खन्ना ने अपनी बात को बेहतर ढंग से समझाते हुए आगे लिखा, आयोडीन आलू, चावल, ब्रेड, कॉर्नस्टार्च, आटा, कच्चे केले जैसी सामग्री की मौजूदगी में प्रतिक्रिया के साथ रंग बदलता है। यह सबसे खतरनाक बात है कि इस तरह के अयोग्य लोगों की बात को लोग गंभीरता से लेते हैं। इसके साथ उन्होंने यूट्यूबर सार्थक सचदेवा और रेस्तरां टोरी को भी टैग किया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुई थी, जिसमें इन्फ्लुएंसर सार्थक सचदेवा ने कई सेलिब्रिटी के रेस्तरां का दौरा किया था। इसमें देखने को मिला कि वह विराट कोहली, शिल्पा शेट्टी और बॉबी देओल के रेस्टोरेंट पहुंचे और वहां पर खाना ऑर्डर किया और पनीर का आयोडीन टेस्ट किया, लेकिन जब वह गौरी खान के टोरी में पहुंचे, तो वहां की डिश का टेस्ट करके हैरान नजर और बताया कि शाह रुख की पत्नी के रेस्टोरेंट का पनीर नकली है।

अलाया एफ का बोल्ड वीडियो इंटरनेट पर मचा रहा तहलका

अलाया एफ का बोल्ड अवतार एक बार फिर इंटरनेट पर छा गया है। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो बिकिनी टॉप और बैगी डेनिम्स में नजर आ रही हैं। कैमरे के सामने उनका कॉन्फिडेंस, एटीट्यूड और बोल्डनेस देख फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए अलाया ने लिखा, यह वीडियो मेरे ड्राफ्ट में धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहा है। लेकिन जैसे ही ये वीडियो लाइव हुआ, फैंस ने कमेंट्स और लाइक्स की बौछार कर दी। किसी ने उन्हें दिल चुराने वाला कहा, तो कोई उनकी हॉटनेस का दीवाना हो गया।वीडियो में अलाया एफ का स्टाइल और एक्सप्रेशंस बेहद कातिलाना हैं। उन्होंने इस लुक में अपनी फिटनेस और फैशन सेंस को जबरदस्त अंदाज में फ्लॉन्ट किया है।

मनीषी छिल्लर समेत कई सेलेब्स ने इस पोस्ट को लाइक किया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो अलाया एफ अपनी परफॉर्मेंस और फैशन चॉइस के चलते लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं। यह वीडियो एक बार फिर साबित करता है कि वो ग्लैमर वर्ल्ड की अगली सेंसेशन बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।अगर आपको ये वीडियो अभी तक नहीं देखा है, तो अलाया के इंस्टाग्राम पर जाकर जरूर देखें -यह वीडियो आपके दिन को और भी हॉट बना देगा।

फिल्म रेड 2 का गीत तुम्हें दिल्लगी हुआ रिलीज

अजय देवगन और वाणी कपूर की दिखी दिल को छू लेने वाली केमिस्ट्री

रेड 2 के निर्माताओं ने बेसब्री से प्रतीक्षित अपना नया गाना तुम्हे दिल्लगी लॉन्च कर दिया है -जो कि दिग्गज नुसरत फतेह अली खान के इस प्रतिष्ठित क्लासिक गाने का एक भावपूर्ण रीमेक है। संगीतकार रोचक कोहली द्वारा फिर से तैयार किए गए और जुबिन नौटियाल की शानदार आवाज़ के ज़रिए जीवंत किए गए इस गाने में मनोज मुंतशिर और पूर्णम इलाहाबादी के मार्मिक बोल हैं, जो एक गहरी भावनात्मक अंतर्धारा को पकड़ते हैं जो फिल्म के विश्वास, लालसा और छिपी हुई सच्चाइयों के विषयों को दर्शाता है।एक जीवंत उत्सव की पृष्ठभूमि में सेट किया गया यह गाना फिल्म में एक कोमल अंतराल प्रदान करता है - जो अजय देवगन और वाणी कपूर के बीच बढ़ते संबंध को उजागर करता है। यह क्षण गर्मजोशी और अंतरंगता का एहसास कराता है, लेकिन यह अजय के चरित्र द्वारा सामना किए जाने वाले आंतरिक उथल-पुथल का सूक्ष्म संकेत देता है, क्योंकि उसकी दुनिया के दूसरे हिस्से में चुपचाप तूफ़ान आ रहा है।जुबिन नौटियाल कहते हैं, तुम्हें दिल्लगी हमेशा से उन सदाबहार गीतों में से एक रहा है जो मेरे साथ रहा है। बचपन में, फिर एक लड़के के रूप में और अब एक आदमी के रूप में मैं अभी भी नुसरत साहब के इस सदाबहार जादू का आनंद ले रहा हूँ। इस संस्करण में तड़प की एक गहरी भावना है जिसे मैंने हर नोट के माध्यम से व्यक्त करने की कोशिश की है। यह दो लोगों के बीच की खामोशी, उन भावनाओं को बयां करता है जो अनकही रह जाती हैं। एक ऐसे गीत को फिर से बनाना जिसे मैं लंबे समय से पसंद करता रहा हूँ, एक विशेषाधिकार और चुनौती दोनों था -अपनी आवाज़ के साथ इसकी आत्मा को थामे रखना।संगीतकार रोचक कोहली कहते हैं, तुम्हें दिल्लगी जैसे क्लासिक को फिर से कल्पना करना जिम्मेदारी की भावना के साथ आया। मूल फिल्म में बहुत भावनात्मक भार है, और मेरा उद्देश्य इसे सम्मान देना था, साथ ही इसे एक ऐसा स्वरूप देना था जो रेड 2 की 80/90 के दशक की दुनिया में फिट हो। यह पुरानी यादों को सिनेमाई संदर्भ के साथ मिलाने के बारे में है जो ताज़ा लगता है, फिर भी भावनाओं में गहराई से निहित है। राज कुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित, रेड 2 को इस साल की सबसे मनोरंजक फिल्म माना जा रहा है। युद्ध की रेखाएँ खींची जा चुकी हैं, और दांव ऊंचे हैं -क्या आप अंतिम मुकाबले के लिए तैयार हैं? फिल्म में कई कलाकार हैं: अजय देवगन, रितेश देशमुख, वाणी कपूर, सुप्रिया पाठक, सौरभ शुक्ला और अमित सियाल, इस उच्च-दांव वाले सीक्वल में शामिल होने वाले अन्य प्रसिद्ध अभिनेता।

देशभक्ति, प्यार और हिम्मत से भरे गीतों के साथ फिल्म ग्राउंड जीरो का ज्यूकबॉक्स हुआ आउट

इमरान हाशमी की अपकमिंग एक्शन फिल्म ग्राउंड जीरो को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ती जा रही है। दमदार ट्रेलर और जबरदस्त पोस्टर्स के बाद अब इस फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें अपने पीक पर हैं।

ग्राउंड जीरो एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जो भारत की हिम्मत, इज्जत और शान के एक अनकहे अध्याय को सामने लाएगी।ये वाकई एक ऐतिहासिक पल है, क्योंकि ग्राउंड जीरो की श्रीनगर में ऐतिहासिक प्रीमियर हुआ है, जो इंडियन सिनेमा के लिए एक अनोखा और पहली बार होने वाला मौका है। इस खास दिन को और यादगार बनाते हुए मेकर्स ने ग्राउंड जीरो का ज्यूकबॉक्स भी रिलीज कर दिया है, जो फिल्म की इमोशनल और थीमेटिक झलक को और गहराई से महसूस करने का मौका देता है।देशभक्ति, प्यार, जीत और हौसले जैसे जज़्बातों से भरे गानों के साथ ग्राउंड जीरो का ज्यूकबॉक्स एक दिल को छू लेने वाला म्यूजिकल एक्सपीरियंस लेकर आया है। हर गाना फिल्म की कहानी से जुड़े जज़्बातों को खूबसूरती से बयां करता है। ग्राउंड जीरो का ज्यूकबॉक्स चार अलग-अलग ट्रैक्स के साथ एक पूरा देशभक्ति से लेकर प्यार, जीत से लेकर जज़्बे तक इमोशनल सफर पेश करता है। सो लेने दे को जुबिन नौटियाल और अफसाना खान ने अपनी शानदार आवाज दी है, जिसकी कंपोजिंग तनिष्क बागची और आकाश राजन ने की है और बोल लिखे हैं वायु ने।पहली दफा को विशाल मिश्रा ने बड़े ही जज़्बातों के साथ गाया है, जिसमें इरशाद कामिल के दिल को छू लेने वाले बोल हैं और म्यूजिक दिया है रोहन-रोहन की जोड़ी ने। फतेह एक हाई-एनर्जी एंथम है, जिसे दिव्या कुमार ने गाया है, संगीत है सनी इंदर का और बोल लिखे हैं कुमार ने और ये ट्रैक ताकत और हिम्मत की कहानी सुनाता है।लहू, सोनू निगम की दमदार आवाज में एक इमोशनल मास्टरपीस है, जिसे तनिष्क बागची ने कंपोज किया है और रश्मि विराग ने लिखा है। कहना गलत नहीं होगा की हर गाना फिल्म की कहानी को और गहराई से महसूस कराने वाला है।रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने फिल्म के सह-निर्माता हैं। इस फिल्म का निर्देशन तेजस दिओस्कर ने किया है ने। फिल्म के को-प्रोड्यूसर्स हैं कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी सिधवानी, अर्हन बगाटी, टैलिसमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय। ग्राउंड जीरो 25 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी के 20 साल पूरे

चित्रांगदा सिंह ने बताया, कैसी थी शूटिंग के वक्त हालत

सुधीर मिश्रा की फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी के रिलीज होने के 20 साल पूरे हो गए। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि इस फिल्म ने उन्हें सिनेमा की दुनिया से परिचित कराया था।सेट पर अपने पहले दिन को याद करते हुए, चित्रांगदा ने एक दिल छू लेने वाला वाकया शेयर किया।उन्होंने कहा, पहली बार मैंने एक सही मूवी कैमरा देखा था, वो भी शूटिंग के अपने पहले दिन। यह वह सीन था, जहां केके का किरदार गेस्ट हाउस में गीता से मिलने आता है। यह एक भावनात्मक क्षण था, जिसे लेकर मैं घबराई हुई थी। मैं उस एहसास को कभी नहीं भूल सकती। मुझे लगता है कि मैंने दो या तीन टेक में शॉट ओके कर दिया। सुधीर मिश्रा ने बस इतना ही कहा, चित्रांगदा, फिल्मों में आपका स्वागत है। मुझे आज भी वह दिन बहुत स्पष्ट रूप से याद है।सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी, हजारों ख्वाहिशें ऐसी एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिसे इसकी कहानी और मजबूत अभिनय के लिए सराहा गया। गीता के रूप में चित्रांगदा के चित्रण ने एक स्थायी छाप छोड़ी और दो दशक बाद भी इसकी सफलता का जश्न मनाया गया।भारतीय इमरजेंसी की पृष्ठभूमि पर आधारित, हजारों ख्वाहिशें ऐसी 1970 के दशक के तीन युवाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जब भारत बड़े पैमाने पर सामाजिक और राजनीतिक बदलावों से गुजर रहा था। फिल्म का टाइटल उर्दू शायर मिर्जा गालिब के शेर से लिया गया है।चित्रांगदा अपनी पहली फिल्म में केके मेनन और शाइनी आहूजा के साथ नजर आई थीं।हाल ही में, चित्रांगदा को नेटफ्लिक्स सीरीज खाकी: द बंगाल चैप्टर में देखा गया था, जिसमें वह निबेदिता बसाक की भूमिका निभा रही हैं।इसके बाद, वह अक्षय कुमार के साथ बहुप्रतीक्षित सीक्वल हाउसफुल 5 में नजर आएंगी।इसमें चित्रांगदा के साथ रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा और चंकी पांडे जैसे एक्टर्स मुख्य भूमिकाओं में हैं।नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट बैनर के तहत साजिद नाडियाडवाला ने हाउसफुल 5 का निर्माण किया है।फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत बढ़िया रहेगी। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपका कोई रिश्तेदार आपके घर पधार सकता है जिसकी वजह से आपका कीमती समय उनकी खातिरदारी में जाया हो सकता है।आपके लिए दिन बेहद रोमानी होने वाला है। आज किसी शादी में जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति भी इससे बिगड़ती है। अपने दोस्तों और परिवार के सहयोग के चलते आप नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरपूर रहेंगे। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कुछ ज़रूरी योजनाएँ क्रियान्वित होंगी और ताज़ा आर्थिक मुनाफ़ा पहुँचाएंगी। आज काम तनावभरा और थकाऊ होगा, लेकिन दोस्तों का साथ आपको ख़ुशमिज़ाज और ज़िंदादिल बनाए रखेगा। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जिंदगी आपको अच्छे अहसास भी जरुर कराती है बस आपको इन अहसासों को समझने की जरुरत है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा–सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। आपका प्रिय आपको ख़ुश रखने के लिए कुछ ख़ास करेगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है। आज बच्चों के साथ समय बिताकर आप कुछ सुकून भरे पल जी सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। पढ़ाई–लिखाई में कम रुचि के चलते बच्चे आपको थोड़ा निराश कर सकते हैं। विवादित मुद्दों को उठाने से बचें,असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। छुट्टी ज़ाया हो गयी – इस पर सोचने की बजाय बाक़ी बचे दिन को आप किस प्रकार बेहतर बना सकते हैं, इस पर विचार करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान–पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दुःखी कर सकती है। एक प्यारी–सी मुस्कुराहट से अपने प्रेमी का दिन रोशन करें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपको इतना बेहतरीन पहले कभी महसूस नहीं हुआ। आपको उनसे कोई बढ़िया सरप्राइज़ मिल सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आप माता–पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिले–गा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आवश्यकता है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका सकारात्मक रुख़ आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। आपको पहली नज़र में किसी से प्यार हो सकता है। आपका चुम्बकीय और ज़िन्दादिल व्यक्तित्व आपको सबके आकर्षण का केन्द्र बना देगा। किसी अच्छे स्पा में जाकर आप तरोताज़ा महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा–ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। प्यार में थोड़ी निराशा आपको हतोत्साहित नहीं कर सकेगी। गप्पबाज़ी और अफ़्वा–हो से दूर रहें। वैवाहिक जीवन में आप कुछ निजता की ज़रूरत महसूस करेंगे। काम को करने से पहले ही उसके बारे में अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 अप्रैल 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 06:16 तक
नक्षत्र : श्रवण दोपहर 12:45 तक
योग : शुभ रात्रि 09:12 तक
करण : तैतिल प्रातः 06:44 तक
चन्द्रराशि : मकर रात्रि 12:32 तक
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक रात्रि 12:33 से आरंभ,
विश्व पृथ्वी दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार करवाएगी 6 हजार वरिष्ठजन को हवाई मार्ग और 50 हजार को एसी ट्रेन से तीर्थयात्रा : भजनलाल

जयपुर,21 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि धन्ना भगत जी का संत परंपरा में विशिष्ट स्थान रहा है। उन्होंने भक्ति मार्ग को अपनाते हुए मानव–मात्र की सेवा की तथा कर्म पर उसी तरह जोर दिया, जैसे भगवान श्रीकृष्ण जी ने गीता में अपने संदेश में दिया है। शर्मा ने कहा कि धन्ना भगत जी ने जात–पात का विरोध किया और अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर किया।

शर्मा सोमवार को जयपुर जिले के फागी में संत धन्ना भगत जी की जन्म स्थली नोखा–नाड़ी में उनके जयन्ती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संत धन्ना भगत जी ने मानव कल्याण के लिए जो शिक्षाएं दी हैं, वे आज भी प्रासंगिक हैं। धन्ना भगत जी ऐसे संत हैं, जिनके प्रति हिंदुओं के साथ–साथ हमारे सिख भाई–बहन भी श्रद्धा रखते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में सनातन का स्वर्णकाल चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सनातनी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जितना काम हुआ है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। पिछले साल ही प्रधानमंत्री के कर कमलों से अयोध्या के भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई और 500 साल का इंतजार पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम वैभव निखरा और उज्जैन में महाकाल के महालोक का निर्माण हुआ। साथ ही, सोमनाथ का विकास हुआ और केदार घाटी का पुनर्निर्माण हुआ।शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमने नवीनतम बजट में धार्मिक स्थलों के लिए अहम घोषणाएं की हैं। राज्य सरकार 6 हजार वरिष्ठजनों को हवाई मार्ग से यात्रा कराएगी। इसके अतिरिक्त 50 हजार वरिष्ठजनों को ए.सी. ट्रेन से तीर्थ यात्रा भी करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में स्थापित विभिन्न मंदिरों के उन्नयन हेतु 101 करोड़ रुपये तथा देवस्थान विभाग के अधीन राज्य के बाहर स्थित मंदिरों के लिए 60 करोड़ रुपये की लागत से कार्य करवाए जाएंगे। राज्य सरकार ने मंदिरों में भोग की राशि को बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह एवं पुजारियों का मानदेय बढ़ाकर 7 हजार 500 रुपये प्रतिमाह भी किया है।उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने कहा की संत धन्ना भगत समाज में समानता, सरलता और सच्ची आस्था के प्रतीक थे। उन्होंने गौ सेवा को भी अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया था। डॉ. बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केनेतृत्व में राजस्थान विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर हो रहा है।इससे पहले मुख्यमंत्री ने धन्ना भगत जी मंदिर में विधिवत पूजा–अर्चना की तथा प्रदेश की सुख समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने परिसर में पौधरोपण भी किया।

भजनलाल ने यमुना जल समझौते के प्रगति की समीक्षा बैठक ली

जयपुर,21 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यमुना जल समझौता राजस्थान के शेखावाटी अंचल में पर्याप्त जल उपलब्धता की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इसके धरातल पर उतरने के बाद इस क्षेत्र को पेयजल एवं सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध होगा और जल की समस्या का स्थाई समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इसके प्रथम चरण में राज्य के सीकर, चूरू, झुंझुनूं और अन्य क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति एवं अन्य आवश्यकता हेतु जल उपलब्ध हो सकेगा। इसके द्वितीय चरण में चूरू एवं झुंझुनूं जिले में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। शर्मा रविवार को पिलानी स्थित केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान में यमुना जल समझौते की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यमुना जल समझौते के तहत ताजे वाला हेड (हथिनीकुण्ड बैराज) से यमुनाजल लाने हेतु प्रवाह प्रणाली कार्य योजना की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार गम्भीर है एवं इसी क्रम में जल संसाधन विभाग द्वारा अलग से अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, यमुना जल का नवीन पद सृजित किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन हेतु संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

सिविल सर्विस डे : सीएम एक्सीलेंस अवार्ड से अजिताभ शर्मा सम्मानित

जयपुर,21 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाए रखने में लोक सेवकों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत व विकसित राजस्थान के निर्माण के लिए अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को विकास की योजनाओं से लाभान्वित करना बेहद जरूरी है एवं इस कार्य के सफल क्रियान्वयन की जिम्मेदारी लोक सेवकों की है। उन्होंने कहा कि लोक सेवक को सुशासन के लिए कर्तव्यनिष्ठा, दृढ़ इच्छाशक्ति एवं पूर्ण संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए।

भजनलाल शर्मा सोमवार को झालाना डूंगरी स्थित हरिशचन्द्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान में लोक सेवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति अभाव में जब लोक सेवक के पास आता है, तो पूर्ण जिम्मेदारी से उसकी हरसंभव मदद करनी चाहिए। उन्होंने आमजन को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए लोक सेवकों को निरंतर जनसुनवाई करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हमें टीम भावना के रूप में सार्वजनिक हित और लोक–कल्याण के साझा लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने वर्ष 1947 में आज ही के दिन भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को संबोधित किया था। उन्होंने अपने ऐतिहासिक भाषण में लोक सेवकों को 'स्टील फ्रेम' अर्थात् देश की शासन व्यवस्था की रीढ़ कहा था। उन्होंने कहा कि लोक सेवा का अर्थ निस्वार्थ भाव से जनता की भलाई के लिए कार्य करना है। बिना किसी स्वार्थ के, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करना ही सच्ची लोक सेवा होती है। इसलिए लोक सेवा दिवस मनाने का उद्देश्य लोक सेवकों के योगदान को पहचान कर उन्हें सम्मानित करना है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोक प्रशासन में तकनीक और डिजिटल सेव–ाओं का अधिकतम उपयोग कर भ्रष्टाचार मुक्त और जवाबदेह प्रशासन की दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति संवेदनशील रहकर कार्य करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। चाहे हम किसी भी पद पर कार्यरत हों, हमारा लक्ष्य सिर्फ जनसेवा होना चाहिए तथा यह सेवा भाव हमें महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल, डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जैसे महान व्यक्तित्वों से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का भी सम्पूर्ण जीवन लोक सेवार्थ राष्ट्र को समर्पित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोकहित, त्वरित एवं भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन की संकल्पना हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इस हेतु सेवाओं की सरल, सुगम एवं त्वरित प्रदायगी के लिए नवाचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए एक जिला–एक उत्पाद नीति, नई पर्यटन इकाई नीति, एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति, नवीन खनिज नीति जैसी महत्वपूर्ण नीतियां जारी की गई हैं। साथ ही, ग्राम स्तर तक ई–फाइल प्रणाली को लागू कर दिया गया है तथा सभी विभागों में ऑन–लाइन पेपर लेस कार्य हो रहा है। जन अभियोगों का निराकरण सुशासन का अभिन्न अंग भजनलाल शर्मा ने कहा कि आमजन के कार्यों के निस्तारण में तेजी आई है। जन अभियोगों का निराकरण सुशासन का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि राजस्थान संपर्क पोर्टल के माध्यम से डेढ़ करोड़ से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। गत एक साल में दर्ज लगभग 33 लाख मामलों में से 99 प्रतिशत से अधिक निस्तारित हो चुके हैं तथा दिसंबर माह में मनाये गये सुशासन सप्ताह में भी राजस्थान का स्थान देश के शीर्ष 3 राज्यों में रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रारम्भ किए गए 'एक पेड़ मां के नाम अभियान' से प्रेरित होकर प्रदेश में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत गत वर्ष 7 करोड़ 22 लाख पौधे लगाये गये तथा इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश को प्रोत्साहित कर रोजगार सृजन के उद्देश्य से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्–वेस्टमेंट समिट आयोजित किया गया। जिसमें निवेशकों द्वारा लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं, जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग भी की जा चुकी है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 हमारा संकल्प है। इसे पूरा करने के लिए प्रदेश के हर क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं मजबूत बनाई जा रही हैं। रामजल सेतु और यमुना जल समझौते जैसे प्रोजेक्ट्स से पेयजल व सिंचाई के लिए भरपूर जल मिलेगा। उन्होंने कहा कि आईजीएनपी के लिए 3 हजार 400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। जल जीवन मिशन के तहत गांव–गांव तक पानी पहुंचाने का हमारा वादा भी पूरा हो रहा है।

मोदी ने जलज शर्मा को सिविल सर्विस दिवस पर सम्मानित किया

चंडीगढ़,21 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन दिल्ली में में आयोजित सिविल सर्विस दिवस के अवसर पर,भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की, समाज के प्रति उत्कृष्ट सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उनको प्रधानमंत्री पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया और भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2014 बैच के महाराष्ट्र कैडर के वरिष्ठ अधिकारी तथा नाशिक जिला कलेक्टर और चण्डीगढ़ निवासी, जलज शर्मा को महादेव भगवान शिव की नगरी नाशिक शहर के होलिस्टिक दृष्टि से सर्वांगीण विकास करने के लिए वर्ष 2023 का, प्रधानमंत्री पुरस्कार देकर दिया गया है।

प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को 17वे लोक सिविल सेवा दिवस पर प्रधानमंत्री पुरस्कार हासिल करने वालों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों का आह्वान किया कि वह ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण की भावना से दिन–रात काम करते हुए देश के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए और भारत देश को विकसित भारत बनाने के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल के विजन को आगे बढ़ाते हुए कार्य करें क्योंकि सरदार वल्लभभाई पटेल का विजन आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने सरदार बल्लभभाई पटेल को भावभीनी श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए याद दिलाया कि लाल किले से कुछ समय पहले ,उन्होंने कहा था कि आने वाले भारत के लिए 1000 वर्षों की नींव मजबूत करने के लिए एक विजन तैयार करना है और इसमें से सहस्राब्दी के 25 वर्ष तो बीत गए और इस शताब्दी के भी 25 वर्ष बीत गए हैं।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी का कांग्रेस पर तंज

स्वार्थ की राजनीति करने वाली पार्टी कभी नहीं टिक सकती

चंडीगढ़,21 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने चंडीगढ़ में कांग्रेस पार्टी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि निजी स्वार्थों से प्रेरित पार्टी लंबे समय तक नहीं टिक सकती। उन्होंने कांग्रेस की ताजा राजनीतिक स्थिति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मौजूदा कांग्रेस न तो जनभावना समझने वाली पार्टी है और न ही संगठन के तौर पर शक्तिशाली है।

कृष्ण बेदी ने कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया का हवाला देते हुए कहा कि गोकुल सेतिया जैसे अनुभवी नेता को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने इसे कांग्रेस के अंदरूनी टकराव और उद्देश्यहीन नेतृत्व का संकेत बताया। कांग्रेस अब जनता की भावनाओं से कट गई है और केवल एक परिवार तक सीमित रह गई है, बेदी ने कहा। यह अब पिता–पुत्र की पार्टी बन गई है, जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए कोई जगह नहीं है। जनता ने उन्हें पूरी तरह से नकार दिया है। उनके नेताओं के बयान पहले से ही निराशा के प्रतीक बन गए हैं, मंत्री कृष्ण बेदी ने हरियाणा में कांग्रेस की दयनीय स्थिति को इस तथ्य से दर्शाया कि पिछले चुनावों में उन्हें एक भी सीट नहीं मिली। कृष्ण बेदी ने कहा कि अगले चुनावों में पंजाब में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा जनादेश मिलेगा। लोगों ने विकास की राजनीति को समझना शुरू कर दिया है। उन्होंने आश्वस्त करते हुए कहा कि भाजपा पंजाब में भी पूर्ण बहुमत से शासन करेगी।

सैलजा ने की सिरसा में आग से तबाह किसानों के लिए मुआवजे की मांग

सिरसा,21 अप्रैल (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी को पत्र लिखकर सिरसा जिले में आग से तबाह हुए किसानों के लिए विशेष गिरदावरी और तत्काल मुआवजे की मांग की है। उन्होंने कहा कि किसानों को इस संकट से उबरने और खरीफ फसलों की बुआई के लिए सहायता की आवश्यकता है। सैलजा ने पत्र में बताया कि कंवरपुरा, मोरीवाला, रसूलपुर, बुर्ज भंगू, साहुवाला, लुदेसर, रूपाणा, भंगू, ढाबा, सुचान और सिकंदरपुर सहित कई गांवों में आग लगने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने भारतीय किसान यूनियन के हवाले से कहा कि अधिकांश आग बिजली निगम की लापरवाही, विशेष रूप से ढीली और झुकी हुई बिजली लाइनों के कारण लगी। उन्होंने कंवरपुरा गांव में बिजली के तारों के कारण एक किसान की मौत का भी जिक्र किया।

सांसद ने मुख्यमंत्री से इन गांवों में तत्काल विशेष गिरदावरी कराने और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने का आग्रह किया, ताकि वे अपनी मेहनत और आजीविका की भरपाई कर सकें और खरीफ फसलों की बुआई की तैयारी कर सकें। उन्होंने सरकार से किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेने और उन्हें राहत देने के लिए तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया।

प्रदेश में आगजनी की घटनाओं से नुकसान को लेकर सरकार गंभीर : सैनी

चंडीगढ़,21 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा में पिछले कुछ दिनों में खेतों में हो रही अचानक आगजनी की घटनाओं से फसलों व पशुओं को हुए नुकसान को लेकर प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाते हुए किसानों को मुआवजे देने का निर्णय लिया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज यहां सिविल सचिवालय में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार किसानों के हित में निर्णय ले रही है। हमारी सरकार हर स्थिति में किसानों के साथ खड़ी है। पिछले कुछ दिनों में प्रदेश में हुई आगजनी की घटनाओं से फसलों या पशुओं सम्बंधित जान – माल का नुकसान हुआ है, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। इसलिए सरकार ने निर्णय लिया है कि ऐसे सभी प्रभावित किसानों को शीघ्र ही मुआवजा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों को भी निर्देश जारी किए हैं कि वे आगजनी से संबंधित घटनाओं की रिपोर्ट लें। प्रभावित किसान संबंधित उपायुक्तों के समक्ष आवेदन करें, ताकि उन्हें जल्द से जल्द मुआवजा देने की प्रक्रिया अमल में लाई जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि नुकसान से प्रभावित किसानों को आगामी फसलों की बुवाई के लिए बीज और खाद में भी मदद की जाएगी, ताकि किसानों को आर्थिक रूप से बोझ न झेलना पड़े।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग

वीएचपी का आक्रोश मार्च, ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी

शिवहर (एजेंसियां)।
पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचार और पलायन के विरोध में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के बैनर तले शिवहर नगर में आक्रोश मार्च निकाला गया। यह पैदल मार्च पुरानी सिनेमा हॉल से शुरू होकर रजिस्ट्री चौक, ब्रह्मस्थान चौक, गांधी चौक, राजस्थान चौक, पेट्रोल पंप, खादी भंडार होते हुए मुख्य मार्ग से जीरो माइल चौक तक पहुंचा, जहां यह एक सभा में तब्दील हो गया। इस दौरान 'राष्ट्रपति शासन लागू हो' के नारे भी लगाए गए। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री अशोक उपाध्याय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में तत्काल राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए। वहां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार (कथित) की जांच एनआईए से कराई जाए और दोषियों को सख्त सजा दी जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथों में दिया जाए और बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर निकाला जाए।

वक्ताओं ने कहा कि मुर्शिदाबाद की हालिया घटना यह दर्शाती है कि वक्फ बिल का विरोध केवल एक बहाना था, असली मकसद मुर्शिदाबाद को हिंदू विहीन बनाना था। उन्होंने दावा किया कि हिंसा में दर्जनों महिलाओं पर अत्याचार किए गए और दो सौ से अधिक घर व दुकानें लूटे व जलाए गए। हालात ऐसे बने कि 500 से अधिक परिवारों को अपने घर छोड़कर पलायन करना पड़ा। वक्ताओं ने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। आक्रोश मार्च में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भाजपा, भाजपा युवा मोर्चा, महावीर मित्र मंडल, एकल अभियान, कर्मयोगी, योग विहंगम, धरती माता विश्व परिवार जैसे संगठनों के कार्यकर्ता प्रमुख रूप से शामिल हुए।

हथियार के बल पर सीएसपी संचालक से ढाई लाख की लूट

दिनदहाड़े हुई वारदात से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

दरभंगा (एजेंसियां)।
समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र में सोमवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने हथियार के बल पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक सेवा केंद्र में लूट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। घटना मदुदाबाद पंचायत के कल्याणपुर बस्ती गांव की है, जहां छह की संख्या में बाइक सवार बदमाशों ने करीब ढाई लाख रुपये लूट लिए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बदमाश दो बाइकों एक अपाचे और एक स्प्लेंडर पर सवार होकर पहुंचे और सीधे सीएसपी केंद्र में घुस गए। संचालक राजा प्रीतम ने बताया कि बदमाशों ने हथियार दिखाकर काउंटर में रखा सारा कैश लूट लिया। विरोध करने पर गोली मारने की धमकी दी, जिससे सभी कर्मचारी और ग्राहक डर गए। वारदात के बाद सभी बदमाश पिस्तौल लहराते हुए मोहिउद्दीन नगर की ओर फरार हो गए।

सूचना मिलते ही पटोरी के डीएसपी बीके मेधावी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। डीएसपी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है और जल्द ही अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस बदमाशों की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

तेज रफ्तार कार और ऑटो में टक्कर चार लोग गंभीर रूप से घायल

पूर्णिया (एजेंसियां)।
किशनगंज में बीती रात एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। बहादुरगंज थाना क्षेत्र के रहमानगंज के पास एनएच-327 ई पर तेज रफ्तार कार और ऑटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो सड़क के बीचों-बीच पलट गया।

जानकारी के मुताबिक, हादसे के बाद कार और ऑटो दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। ऑटो में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जबकि कार सवारों को मामूली चोटें आई हैं।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। घायलों को तुरंत बहादुरगंज पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी है।

ऑटो चालक बबलू पोद्दार की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। परिजनों को भी इसकी सूचना दे दी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही बहादुरगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। थाना अध्यक्ष निशिकांत कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई प्रक्रिया में है।

विधानसभा चुनाव से पहले प्रशांत किशोर की पार्टी को झटका

पूर्णिया जिले के महानगर अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

पटना (एजेंसियां)।
बिहार विधानसभा चुनाव से पहले ही प्रशांत किशोर की पार्टी को झटका लगा है। पार्टी के पूर्णिया जिले के महानगर अध्यक्ष राजीव राय बबली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राजीव राय बबली ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती को अपना इस्तीफा सौंप दिया। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए यह एक बड़ा झटका है। राजीव राय बबली का इस्तीफा पार्टी के लिए एक बड़ा नुकसान हो सकता है। अब देखना होगा कि पार्टी इस पर क्या कार्रवाई करती है?

इधर, राजीव राय बबली ने जिला कमेटी पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जिला कमेटी प्रदेश नेतृत्व को गलत सूचना देती है। राजीव राय ने कहा कि वह पार्टी के स्थापना काल से ही जुड़े हुए थे और पार्टी को पूर्णिया में मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए थे। उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए उन्होंने जन संपर्क अभियान चलाया, पंचायत और गांव में बैठकें कीं और युवा वर्ग को पार्टी में जोड़ा। लेकिन, इसके बावजूद जिला कमेटी ने उनकी अनदेखी की। राजीव राय बबली ने आरोप लगाया कि जिला कमेटी ने उन्हें कोई भी बैठक में नहीं बुलाया और प्रदेश नेतृत्व को गलत सूचना दी। इससे वह काफी नाराज हैं और जिला कमेटी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बता दें राजीव राय बबली की पूर्णिया विधानसभा सीट पर मजबूत पकड़ है। उनकी पत्नी कल्याणी राय वर्तमान में पूर्णिया नगर निगम वार्ड नंबर चार की वार्ड पार्षद हैं। राजीव राय खुद भी पूर्णिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन पार्टी में गुटबाजी के कारण उन्होंने इस्तीफा दे दिया। महानगर अध्यक्ष राजीव राय बबली का इस्तीफा अभी तक पार्टी द्वारा स्वीकार नहीं किया गया है।

मंडी में नहीं मिल रहा टमाटर का रेट, खेतों में ही छोड़ रहे उपज

समस्या सुनने पहुंचे भाकपा माले के नेता

दरभंगा
जिले के ताजपुर प्रखंड स्थित मोतीपुर सब्जी हब में टमाटर की इस बार बंपर पैदावार हुई है, लेकिन उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण किसानों की मेहनत बर्बाद हो रही है। मंडी में टमाटर का भाव एक से दो रुपये प्रति किलो तक आ गया है, जिससे हताश किसान उपज खेतों में ही सड़ने को छोड़ रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए किसान सभा और भाकपा माले के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मोतीपुर पहुंचकर किसानों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं।

किसान ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह ने बताया कि महंगे बीज, खाद, सिंचाई और मजदूरी पर खर्च करने के बावजूद जब मंडी में दाम नहीं मिलता, तो फसल को खेत में ही सड़ने देना मजबूरी बन जाती है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में न तो कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था है और न ही कोई टमाटर आधारित प्रोसेसिंग यूनिट मौजूद है। किसान श्याम बाबू सिंह, हरिदेव सिंह, बखेरी सिंह, ललन दास और कृष्णदेव सिंह ने खेत में सड़ते टमाटर दिखाते हुए कहा कि ऐसी हालत में वे आगे टमाटर की खेती नहीं कर पाएंगे। कर्ज कैसे चुकाएं और अगली फसल की तैयारी कैसे करें यही सबसे बड़ी चिंता बन गई है।

भाकपा माले के प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि चुनाव के समय किसान हित की बात करने वाले नेता आज चुप हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार इस इलाके में कैचप, सॉस, चटनी और अचार बनाने वाली फैक्टरी की स्थापना करे, ताकि किसानों को हर साल इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

गौरतलब है कि मोतीपुर सब्जी मंडी समस्तीपुर जिले की प्रमुख मंडियों में से एक है। यहां से समस्तीपुर के साथ-साथ मुजफ्फरपुर, वैशाली और बेगूसराय जिलों के थोक व्यापारी सब्जी खरीदते हैं। लेकिन इस बार टमाटर के साथ ही पिछले साल बंधा गोभी और पत्ता गोभी की भी ऐसी ही दुर्गति हो चुकी है, जिससे किसानों की आर्थिक रीढ़ टूटती जा रही है।

अवैध खनन पर जिला प्रशासन का एक्शन, 14 वाहनों पर हुई कार्रवाई

80 लाख का जुर्माना भी लगाया

गया (एजेंसियां)।
गया जिले में अवैध खनन पर नकेल कसने के लिए जिला प्रशासन ने सोमवार सुबह बड़ी कार्रवाई की। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भदेजा गांव में चलाए गए छापेमारी अभियान में प्रशासन ने अवैध बालू खनन में लगे कुल 14 ट्रैक्टर जब्त किए हैं। सभी वाहनों के मालिकों पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए 80 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है।

जानकारी के मुताबिक जिला पदाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम और वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार के निर्देश पर अहले सुबह 5 बजे से 7 बजे तक यह विशेष अभियान चलाया गया। मानपुर के भदेजा और भदेजी इलाके में एक के बाद एक कई जगहों पर छापेमारी की गई, जिसमें खनन माफियाओं की अवैध गतिविधियों का पर्दाफाश हुआ।

अभियान के दौरान जिन 14 ट्रैक्टरों को जब्त किया गया, वे सभी अवैध बालू खनन में लिप्त पाए गए। इन सभी पर खनन और परिवहन विभाग की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की गई है। खनन विभाग द्वारा लगाए गए जुर्माने के अलावा परिवहन विभाग ने भी लगभग 10 लाख रुपये का फाइन वसूलने की प्रक्रिया शुरू की है।

जिला पदाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध खनन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है और दोषियों पर किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह की औचक छापेमारी लगातार जारी रहेगी। यह संयुक्त अभियान सदर अनुमंडल पदाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक-1, एसडीपीओ वजीरगंज, जिला खनन पदाधिकारी, मुफस्सिल और फतेहपुर के थानाध्यक्षों की अगुवाई में चलाया गया।

नशेड़ी बेटे ने पिता को पीट-पीटकर मार डाला

सारण (एजेंसियां)।
सीवान में नशेड़ी बेटे ने अपने पिता की पीट-पीट कर हत्या कर दी। इतना ही नहीं उसकी मां बीच-बचाव करने गई तो उसे भी बेरहमी से पीटा। मां की हालत गंभीर है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई।

घटना आंदर थाना क्षेत्र के भवराजपुर में हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी नशे में होकर रविवार रात घर आया और घरवालों से विवाद करने लगा। माता-पिता ने विरोध किया तो दोनों को बेरहमी से पीटा। इसमें पिता की मौत हो गई।

पटना में जदयू नेत्री को अपराधियों ने मारी गोली, हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।
पटना में में बाइक सवार अपराधियों ने जदयू नेत्री सोनी देवी को गोली मार दी। उनके हाथ और सीने में गोली लगी है। गंभीर हालत में उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

घटना बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के उत्तरी मंदिरी में हुई। बताया जा रहा है कि रविवार देर रात बाइक सवार तीन अपराधियों ने महिला को गोली मार दी। गोली लगते ही महिला बेहोश होकर गिर गईं। आननफानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

इधर, घटना सूचना मिलते ही बुद्धा कॉलोनी थाना अध्यक्ष सदानंद साह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने में भी जुटी है। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ चल रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुरानी रंजिश में इस वारदात को अंजाम दिया गया है। वहीं कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि शराब माफियाओं द्वारा इस वारदात को अंजाम दिया गया है। वहीं परिजनों का कहना है कि पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और आरोपियों की गिरफ्तारी करे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com